शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्षा जल प्रवाह में बाधा डालने वाली इमारतों को खाली करने का नोटिस @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 30 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-148

रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ तेज हुई कार्रवाई

ऑपरेशन सिंदूर के बाद ऑपरेशन पुश-बैक...

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। भारत में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई हो गई है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद ऑपरेशन पुश-बैक शुरू हुआ है। इस अभियान के तहत हजारों घुसपैठिए वापस बांग्लादेश और म्यांमार धकेले जा रहे हैं। घुसपैठियों को वापस भेजने का अभियान असम, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में तेजी से हो रहा है। अन्य राज्यों में इसकी गति धीमी है और कुछ राज्य इसमें कोई दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। पश्चिम बंगाल, झारखंड, तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक, और केरल जैसे राज्यों में घुसपैठियों को लेकर मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति अख्तियार की जा रही है।

आंशिक पुश-बैक से ही बांग्लादेश के पसीने छूट रहे हैं। तुष्टिकरणवादी तत्व ऑपरेशन पुश-बैक को मानवाधिकार हनन बता रहे हैं तो मीडिया अभियान को देश के लिए हितकारी बताने के बताने के बजाय बांग्लादेशी भारत में चोरी-छिपे अवैध रूप से कैसे घुसे और उनके पास फर्जी आधार कार्ड, पहचान पत्र या पासपोर्ट कैसे बने, ये सवाल उठा रहे हैं। ये सवाल जरूर अहम हैं, लेकिन इन सवालों को उठाने के बजाय घुसपैठियों को वापस भेजना अभी अधिक जरूरी है।

भारत सरकार के ऑपरेशन पुश-बैक के तहत घुसपैठियों को उनके देश वापस भेजा रहा है। तकरीबन डेढ़ हजार बांग्लादेशी घुसपैठियों को अब तक वापस भेजा जा चुका है। इसी तरह रोहिंग्याओं पर भी सरकार सख्त है। जाहिर ये कार्रवाई इस्लामी कट्टरपंथियों को और उन लोगों को पसंद नहीं आ रही जिनपर एक्शन हो रहा है। इसी क्रम में

सीमा पार धकेले गए हजारों घुसपैठिए

भारतीय सुरक्षाबलों और सरकार दोनों को बदनाम करने के सारे हथकंडे इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

पुश-बैक की रिपोर्ट बताती है कि असम में 7 मई तक 1053 घुसपैठियों को सीमा पार वापस भेजा जा चुका था। इनमें खगराछारी में 111, कुरीग्राम में 84, सिलहट में 103, मौलवीबाजार में 331, हबीगंज में 19, सुनामगंज में 16, दिनाजपुर में 2, चपैनवाबगंज में 17, ठाकुरगांव में 19, पंचगढ़ में 32, लालमोनिरहाट में 75, चुआडांगा में 19, झेनैदाह में 42, कुमिला में 13, फेनी में 39, सतखीरा में 23, और मेहरपुर में 30 घुसपैठियों को सीमा पार कर भेजा गया।

वर्ष 2016 में ही एक सर्वे का आकलन था कि देश में 2 करोड़ से ज्यादा अवैध बांग्लादेशी रह रहे हैं।

रोहिंग्या घुसपैठियों की संख्या ने अवैध प्रवासियों की तादाद और बढ़ा दी। अब जाकर इन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया तेज की गई है। केंद्र सरकार ने बांग्लादेशी और रोहिंग्या (अवैध प्रवासियों) की पहचान और दस्तावेज के वेरिफिकेशन के लिए 30 दिन की सीमा तय की है। इस सत्यापन में फेल होने पर उन्हें निर्वासित कर दिया जाएगा। इसके अलावा केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों से जिला स्तर पर डिटेंशन सेंटर बनाने के निर्देश दिए हैं। यहां से सत्यापन नहीं होने पर इन्हें बीएसएफ और तटरक्षक बल को निर्वासन के लिए सौंपा जाता है। अब सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को ऐसे लोगों का रिकॉर्ड रखना होगा।

पिछले दिनों असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा था कि भारत ने बांग्लादेश से घुसपैठ से निपटने के लिए एक नई पुश-बैक रणनीति अपनाई है। केंद्र ने देश के विभिन्न हिस्सों से रोहिंग्या सहित अवैध प्रवासियों को निर्वासित कर दिया है, जिसमें गोलपारा में मटिया हिरासत केंद्र भी शामिल है, जो अवैध प्रवासियों को रखने के लिए देश में सबसे बड़ी सुविधाओं में से एक है। सीएम सरमा ने कहा, हमने उन्हें बाहर निकाल दिया है। हिरासत केंद्र से सभी लोग बांग्लादेश वापस चले गए हैं, सिवाय उन लोगों के जो मटिया में हैं, जहां मुकदमेबाजी चल रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को फिर से ललकारा

अब समझ आ गया कि भारत क्या कर सकता है

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की धरती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं सिंदूर खेला की पवित्र धरती पर खड़ा हूं, इसलिए यह उचित है कि हम आतंकवाद के खिलाफ एक नए संकल्प ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बात करें। भारत बदल गया है। हम अब ऐसी कायराना हरकतों को बर्दाश्त नहीं करते। ऑपरेशन सिंदूर हमारा कड़ा जवाब है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों को 1,010 करोड़ रुपए की सौगात दी। उन्होंने यहां सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) परियोजना की आधारशिला रखी। इससे 2.5 लाख से अधिक घरों के साथ-साथ वाणिज्यिक और औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) उपलब्ध कराना है। योजना के तहत न्यूनतम कार्य कार्यक्रम लक्ष्यों के अनुसार लगभग 19 संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) स्टेशन भी स्थापित किए जाएंगे। इससे विश्वसनीय, पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी ईंधन आपूर्ति की उम्मीद है। साथ ही क्षेत्र में रोजगार के

अवसर भी पैदा होंगे।

यहां लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और पाकिस्तान के दुस्साहसों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे भारत ने तीन पाकिस्तान को उसके घर में घुसकर मारा। उन्होंने कहा, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने जो बर्बरता की, उसके बाद पश्चिम बंगाल में भी बहुत गुस्सा था। आपके भीतर जो आक्रोश था, आपका जो गुस्सा था, उसको मैं भलीभांति समझता था। आतंकवादियों ने हमारी बहनों का सिंदूर मिटाने का दुस्साहस किया। हमारी सेना ने उनको सिंदूर की शक्ति का अहसास करा दिया। हमने आतंक के उन ठिकानों को तबाह किया, जिसकी पाकिस्तान ने कल्पना तक नहीं की थी।

पीएम मोदी ने कहा, आतंक को पालने वाले पाकिस्तान के पास दुनिया को देने के लिए कुछ भी सकारात्मक नहीं है। जब से वो अस्तित्व में आए हैं, तब से ही उसने सिर्फ आतंक को पाला है। 1947 में बंटवारे के बाद से ही उसने भारत पर आतंकी हमला किया। कुछ सालों के बाद उसने यहां पड़ोस में आज के बांग्लादेश में जो आतंक फैलाया, पाकिस्तान की सेना ने जिस प्रकार बांग्लादेश में दुष्कर्म और हत्याएं कीं, वो कोई भूल नहीं सकता। आतंक और नरसंहार पाकिस्तानी सेना की सबसे बड़ी एक्सपरटाइज है। उन्होंने कहा, जब सीधा युद्ध लड़ा जाता है, तब उसकी हार तय होती है, उसकी पराजय निश्चित होती है।

यही कारण है कि पाकिस्तान की सेना आतंकियों का सहारा लेती है। पहलगाम हमले के बाद अब भारत ने दुनिया को बता दिया है कि अगर अब भारत पर आतंकी हमला हुआ, तो दुश्मन को उसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। पाकिस्तान समझ ले, तीन बार घर में घुसकर मारा है तुम्हें। बंगाल की इस धरती से ये 140 करोड़ भारतीयों का ऐलान है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है।

भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों के ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी।

▶10पर

क्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दो टूक कहा

पीओके एक दिन भारत का होकर रहेगा

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ-साफ कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू-कश्मीर एक दिन हमारा होकर ही रहेगा। पाकिस्तान से सिर्फ आतंकवाद और पीओके के मुद्दे पर ही होगी। पीओके के लोग हमारे अपने ही हैं। पीओके एक दिन खुद कहेगा कि हम भारत का हिस्सा हैं। रही बात आतंकवाद की तो अब भारत इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। हर साजिश का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

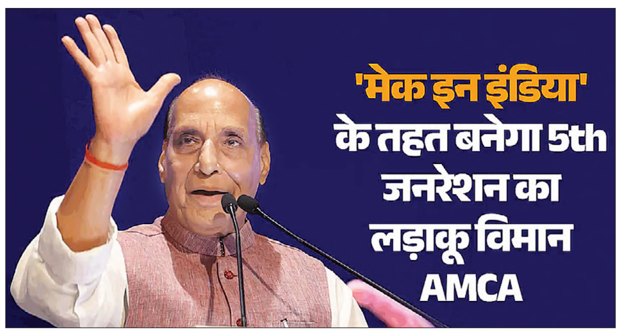

रक्षा मंत्री ने कहा, आपने देखा कि कैसे हमने पहले आतंकी ठिकानों को नष्ट किया और फिर दुश्मन के सैन्य ठिकानों और एयरबेस को। करने को हम कुछ और भी कर सकते थे, लेकिन हमने दुनिया के सामने शक्ति और संयम के समन्वय का एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया। राजनाथ सिंह भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन-2025 में बोल रहे थे।

पाकिस्तान को आतंकवाद की भारी कीमत चुकानी होगी

उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में अनिश्चितता का माहौल है। हर जगह संघर्ष चल रहा है। इसका मुख्य कारण भरोसे की कमी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में पूरे देश के लोगों ने मेक इन इंडिया अभियान की सफलता को देखा, समझा और महसूस किया है। आज यह साबित हो गया है कि मेक इन इंडिया भारत की सुरक्षा और समृद्धि दोनों के लिए महत्व-पूर्ण है। ▶10पर

सेनाध्यक्ष ने रामभद्राचार्य से दीक्षा ली

दक्षिणा में गुरु ने पीओके मांग लिया

चित्रकूट, 29 मई (एजेंसियां)। भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी अपनी पत्नी सुनीता द्विवेदी के साथ चित्रकूट पहुंचे। वहां उन्होंने जगद्गुरु रामभद्राचार्य से राम मंत्र की दीक्षा ली। यह वही मंत्र है, जो माता सीता ने हनुमान जी को लंका विजय के लिए दिया था। दीक्षा के बाद जनरल द्विवेदी ने गुरु दक्षिणा देने की इच्छा जताई। इस पर रामभद्राचार्य ने कहा, न रत्न, न वस्त्र, मुझे दक्षिणा में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) चाहिए। रामभद्राचार्य ने कामना

की कि जनरल द्विवेदी के कार्यकाल में ही पीओके भारत का हिस्सा बने। रामभद्राचार्य ने इसे धर्म और राष्ट्र रक्षा का युद्ध बताया। जनरल ने तुलसी पीठ में पूजा की, ▶10पर

दुनिया में भारत का नाम ऊंचा करने वाले की घर में दुर्गति

कांग्रेस को शशि थरूर का देशप्रेम नहीं भाया

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पूरी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का सुदृढ़ पक्ष पेश करने वाले कांग्रेस नेता शशि थरूर की अपने ही घर में यानि कांग्रेस पार्टी में ही दुर्गति हो रही है। कांग्रेस पार्टी को शशि थरूर का देशप्रेम कतई नहीं भाया। शशि थरूर की निंदा ऐसे हो रही है, जैसे देशभक्तों की निंदा करने में ही कांग्रेसियों को मजा आता है। शशि थरूर सांसदों और कूटनयिकों के उस प्रतिनिधिमंडल के नेता हैं, जो अमेरिका समेत कई देशों में जाकर पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ लिए गए भारत के स्टैंड के बारे में बता रहे हैं और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पूरे विश्व को एकजुट खड़े होने का आह्वान कर रहे हैं। प्रभावशाली तरीके से अपनी बात रखने के लिए हर जगह शशि थरूर की प्रशंसा हो रही है। यह बात कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पसंद

नहीं आ रही। व्यक्तित्व-हीनता के शिकार राहुल गांधी अपनी ही पार्टी के नेताओं को उकसा कर शशि थरूर की निंदा करा रहे। कांग्रेस के इस रवैये की पूरे देश में आलोचना हो रही है।

अपनी ही पार्टी के नेताओं की आलोचनाओं से घिरे कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पलटवार किया। उन्होंने ऐसे नेताओं को अति-उत्साही बताया। शशि थरूर का यह कटाक्ष कुछ कांग्रेस नेताओं के उस बयान के बाद सामने आया, जिसमें शशि थरूर के विदेश में दिए गए बयान पर आपत्ति जताई गई थी और उन्हें भाजपा का सुपर प्रवक्ता बताया गया था। शशि थरूर इन दिनों विदेश दौरों पर गए भारत के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व कर रहे हैं। शशि थरूर ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ पनामा दौरे पर अपने एक भाषण में कहा कि भारत सरकार ने हाल के वर्षों में अपनी सोच में बदलाव किया है। जिसके बाद आतंकियों को भी ये अहसास हो गया है कि उन्हें भारत में हमले की कीमत चुकानी पड़ेगी। थरूर ने सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट स्ट्राइक का जिक्र करते हुए कहा कि पहली बार भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक के समय एलओसी पार कर आतंकी ठिकानों पर हमले किए। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

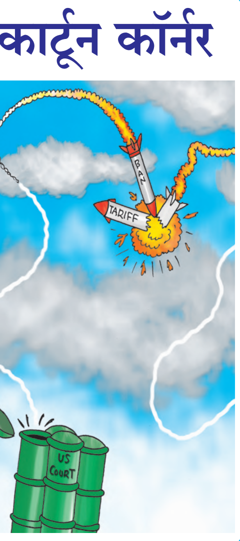

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 21^0

बीआरएस में बहन-भाई के बीच तेज हुई लड़ाई

केटीआर और कविता भिड़ गए आपस में

हैदराबाद, 29 मई (एजेंसियां)। तेलंगाना में लगातार दो कार्यकाल तक सरकार चलाने वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के बुरे दिन खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के परिवार में ही टूट-फूट होती दिख रही है। केसीआर की बेटी के. कविता ने अपने भाई और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) पर गुरुवार को हमला बोल दिया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में के. कविता का केसीआर को लिखा हुआ एक पत्र लीक हो गया था। इस पत्र में उन्होंने अपने पिता की इस बात के लिए आलोचना की थी कि वह राज्य में भाजपा का मुकाबला नहीं कर रहे हैं। 2023 के तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी जबकि भाजपा और बीआरएस राज्य में विपक्षी दल हैं। के. कविता ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में कहा, मेरे केवल एक नेता हैं वह केसीआर हैं। मैं केवल एक नेता के नीचे काम करूंगी वह केसीआर हैं। उन्होंने अपने भाई केटीआर का नाम नहीं लिया लेकिन आरोप लगाया कि बीआरएस का भाजपा में विलय करने की कोशिश चल रही है। के.

कविता ने कहा, जब मैं जेल में थी, तब बीआरएस के भाजपा में विलय का प्रस्ताव था। मैंने पूरी ताकत से इसके लिए ना कहा क्योंकि बीआरएस एक क्षेत्रीय पार्टी है और इसे तेलंगाना के लोगों के प्रतिनिधित्व और हितों के लिए जिंदा रखा जाना चाहिए। याद दिलाना होगा कि बीते साल मार्च में पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और फिर सीबीआई ने कविता को दिल्ली के कथित आबकारी घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया था। कविता 5 महीने तक जेल में रही थीं। कविता ने कहा कि कुछ लोग पार्टी में उनके खिलाफ काम कर रहे हैं जबकि वह पूरी मजबूती से पार्टी के साथ खड़ी हैं। उन्होंने द इंडियन एक्सप्रेस के सवाल के जवाब में कहा कि अगर बीआरएस कमजोर होती है तो इससे भाजपा को फायदा होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वह पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर के साथ करेंगी, उन्होंने कहा कि केवल केसीआर ही मेरे नेता हैं।

केटीआर का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि उन्हें पार्टी के कुछ वर्गों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वह सच बोल रही हैं। उन्होंने पूछा कि क्या उनके पत्र में कुछ ऐसा था जो झूठ या बेवजह था? कविता ने कहा कि जिन लोगों ने उनका पत्र लीक किया है, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

▶10पर

फोन टैपिंग मामले में एसआईबी के पूर्व प्रमुख को राहत

प्रभाकर राव पर अभी नहीं चलेगी दंडात्मक कार्रवाई

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। तेलंगाना फोन टैपिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य आरोपी और तेलंगाना के विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के पूर्व प्रमुख टी प्रभाकर राव को राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने उनको दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम संरक्षण दिया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने टी प्रभाकर राव को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया और कहा कि उनका पासपोर्ट उन्हें उपलब्ध कराया जाए। शीर्ष अदालत ने राव को यह भी निर्देश दिया कि वह पासपोर्ट प्राप्त होने के तीन दिन के भीतर भारत लौट आएंगे।

तेलंगाना फोन टैपिंग मामले में मुख्य आरोपी राव ने अपनी अग्रिम जमानत याचिका खारिज करने के तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। मामला सामने आने के बाद से राव लापता हैं। उनके अमेरिका में होने का अनुमान है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उनके खिलाफ ▶10पर

जीतो प्रतिनिधिमंडल का भारतीय दूतावास में विशेष संवाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के पदाधिकारियों और सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने वियतनाम की राजधानी हनोई स्थित भारतीय दूतावास का एक विशेष दौरा किया। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल की भेंट भारत की डिप्टी चीफ ऑफ मिशन (द्वितीय प्रमुख अधिकारी) ताको अजुंगला जमीर से हुई। लगभग एक घंटे तक चली इस बैठक के दौरान भारत और वियतनाम के बीच व्यापारिक सहयोग, निवेश की संभावनाएँ तथा द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक सशक्त बनाने के विषय में विस्तृत चर्चा हुई। डिप्टी चीफ ऑफ मिशन जमीर ने जीतो प्रतिनिधियों की पहल की सराहना

की और आश्वस्त किया कि भारतीय दूतावास हर स्तर पर भारतीय व्यापारियों एवं संगठनों को हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक के दौरान जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने वियतनाम में भारतीय उद्यमियों के लिए संभावित निवेश अवसरों और व्यापार विस्तार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। महामंत्री विजय सिंघवी ने जीतो की संरचना, कार्यक्षेत्र और उद्देश्यों का संक्षिप्त एवं सारगर्भित परिचय प्रस्तुत किया। तत्पश्चात भरत चोपड़ा ने प्रतिनिधिमंडल में सम्मिलित सदस्यों का परिचय करवाया और प्रत्येक सदस्य ने अपने व्यवसाय एवं कार्यक्षेत्र की जानकारी साझा की। प्रतिनिधिमंडल में कमल पुनमिया (वाइस चेयरमैन, जीतो बेंगलूरु नॉर्थ), सुमन सिंघवी (वाइस चेयरपर्सन, महिला विंग), महेन्द्र चौहान और रूपचंद जैन आदि प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। इस विशेष संवाद के माध्यम से जीतो बेंगलूरु नॉर्थ ने भारत-वियतनाम व्यापारिक सहयोग को एक नई दिशा देने का प्रयास किया है। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने इस भेंट को अत्यंत उपयोगी, सम्मानजनक और प्रेरणादायक अनुभव बताया।

तपस्वीरत्न मितेश धारीवाल का स्वागत अभिनंदन 31 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य देव श्रमणी गणनायक श्रीमद् विजय अभय शेखरसूरीश्वरजी आदि श्रमण श्रमणी के पावन सानिध्य में तपस्वीरत्न एमएस मितेश धारीवाल के प्रथम उपद्यान की आराधना शनिवार को संपन्न होगी।

इस दौरान शनिवार को तपस्वीरत्न मितेश का स्वागत अभिनंदन समारोह आयोजित होगा। यह आयोजन स्थानीय हनुमंत नगर स्थित पन्नालाल चोरडिया जैन भवन में होगा। इस

भव्य आयोजन में शनिवार सुबह 7 बजे आदिनाथ जैन मंदिर से वरघोड़ा, फिर चोरड़िया भवन में 9 बजे से अनुमोदना समारोह तथा 11 बजे से मंगल गीत व इसके बाद स्वरुचि भोज प्रसाद होगा। इंद्राकंवर महावीरचंद धारीवाल के पौत्र एवं नीतू संजय कुमार के लाडले 18 वर्षीय मितेश के इस सुखसाता पूर्वक तप में देव, गुरु, धर्म की असीम कृपा रही। उल्लेखनीय है कि इस तप के तहत श्रावक संत अथवा आचार्य भगवंत की निश्रा में पूर्णतया साधु जीवन यापन करते हैं। कुल 48 दिवसीय इस आराधना के बाद अर्थात इस तप के अनुमोदनार्थ अब संपन्नता पर उक्त आयोजन में अनेक गणमान्यजन मौजूद रहकर तपस्वीरत्न को हार्दिक आशीर्वाद शुभकामनाएं प्रदान करेंगे।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** एमईएम महाविद्यालय राजाजीनगर द्वारा आयोजित सांस्कृतिक उत्सव कन्नड़ा नूडी हब्बा कार्यक्रम के समापन समारोह में विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि महेन्द्र मुणोत ने पुरस्कृत किया। इस मौके पर महाविद्यालय की प्राचार्य शारदा, कन्नड़ा विभाग प्रमुख वज्रेश्वरी एवं अन्य मौजूद थे।*

सिविल सेवकों की स्थायी नियुक्ति के लिए सीएम जल्द करेंगे बैठक: रहीम खान

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
नगर प्रशासन और हज मंत्री रहीम खान ने कहा कि सिविल सेवक स्थायी नियुक्ति के लिए राज्य भर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, और उनकी समस्याओं को हल करने और ईमानदार समाधान खोजने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में जल्द ही एक बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने विभाग की प्रगति समीक्षा बैठक करने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में 70 प्रतिशत सिविल सेवकों को पहले ही स्थायी किया जा चुका है। लोडर, सिविल सेवक, ड्राइवर जैसे 30 प्रतिशत कर्मचारियों की लंबित मांग हमारे सामने है। सरकार के संज्ञान में आया है कि राज्य भर में संपत्ति मालिक 10 साल पहले भूतल की अनुमति प्राप्त कर बाद में पहली और दूसरी मंजिल का निर्माण करने के बाद भी कम सीमा तक ही कर का भुगतान कर रहे हैं। इसके कारण

सरकारी खजाने को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए, उन्होंने कहा कि यूएलबी को राज्य भर में शहरी और स्थानीय निकायों की संपत्तियों का ड्रोन के माध्यम से सर्वेक्षण करने और कर भुगतान एकत्र करने के निर्देश दिए जाएंगे। इस अवसर पर विधान परिषद विधायक थिप्पनप्पा, जिला आयुक्त बी फौजिया तरन्नुम, नगर प्रशासन निदेशालय इंजीनियर राधाकृष्ण, अधीक्षक अभियंता बसवराज और मंत्री के निजी सचिव डॉ के मुरलीधर मौजूद थे। इससे पहले मंत्री रहीम खान ने कलबुर्गी के जिम्स अस्पताल परिसर में इंदिरा कैंटीन का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को जनता की मांग के अनुसार प्रतिदिन 1000 भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि पिछली बार हमारी सरकार के कार्यकाल में पूरे राज्य में 350 इंदिरा कैंटीन खोली गई थीं। इस वर्ष 184 नई कैंटीन खोलने का निर्णय लिया गया है।

डीजी, गृह मंत्री, सीएम से शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि चित्तपुर में मेरे खिलाफ की गई नाकेबंदी और अप्रिय घटनाओं के बारे में हमने डीजी, गृह मंत्री, मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से शिकायत की है।

लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने मुझे चित्तपुर में 5 घंटे तक रखा। उन्होंने हमारे लोगों को आने से रोका। उन्होंने मेरी कार पर स्याही फेंकी। उन्होंने पत्थर इकट्ठा किए थे। उन्होंने अंडे फेंकने और

पथराव की तैयारी की थी। वहां से मैंने गृह मंत्री और एडीजीपी को फोन किया और उनसे बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने एसपी से करीब 10 बार बात की है। जो एडिशनल एसपी आए थे, वे 5 घंटे तक हमारे साथ थे। हालांकि, मेरे साथ दुर्व्यवहार करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। अगर पूछा जाए तो वह कहते हैं, 'सर, समझिए, हम दबाव में हैं। 5 घंटे बाद उन्हें चित्तपुर से बाहर निकाल दिया गया। मैं यादगीर आया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कार्यक्रम रद्द कर दिए और रातों-रात ट्रेन से बेंगलूरु आ गए। बाद में उन्होंने गुलबर्गा में गुलबर्गा चलो विरोध का भी जिक्र किया। चित्तपुर में मुझसे मिलने आए हमारे पार्टी नेता अंबरैया अष्टगिया पर हमला किया गया। उनके कपड़े फाड़ दिए गए और फेंक दिए गए। उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और उन्हें तहसील कार्यालय में बंद कर दिया। सिद्धरामैया, जो हमारी सरकार के सत्ता में रहने के दौरान विपक्ष के नेता थे, कोडागु आए थे। उन्होंने बड़ा हंगामा किया था कि उन पर अंडे फेंके गए। उन्होंने ध्यान दिलाया कि हमने उन्हें कितनी सुरक्षा दी थी।

बाढ़ और बारिश से हुए नुकसान पर तेजी से प्रतिक्रिया दें अधिकारी: मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा उडुपी जिले की प्रभारी मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि भारी बारिश और बाढ़ से निपटने के लिए प्रभावी एहतियाती उपाय किए जाने चाहिए तथा लोगों और पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया आवश्यक है। मंत्री ने बारिश से संबंधित नुकसान की समीक्षा के लिए उडुपी जिले के अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष क्षेत्र में अपेक्षा से कहीं अधिक प्री-मानसून बारिश हुई है। जनवरी से अब तक अपेक्षित औसत वर्षा 177.4 मिमी थी, जबकि जिले में 801.7 मिमी बारिश हुई है - जो सामान्य मात्रा से लगभग तीन गुना अधिक है। उन्होंने

अधिकारियों को आगामी तीन महीने के मानसून सीजन के लिए पूरी तरह तैयार रहने तथा संभावित बाढ़ और बारिश से संबंधित अन्य मुद्दों से निपटने के लिए सभी आवश्यक उपकरण और प्रणालियाँ तैयार रखने का निर्देश दिया। मंत्री ने निर्देश दिया कि जिला और तालुक दोनों स्तरों पर नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे काम करने चाहिए तथा बारिश से होने वाले नुकसान से संबंधित किसी भी शिकायत का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए। भारी बारिश से प्रभावित लोगों को बिना देरी के राहत प्रदान की जानी चाहिए। उन्होंने वरही जलाशय में जल स्तर और प्रवाह की नियमित निगरानी के महत्व पर भी जोर दिया। यदि जनता के लिए कोई संभावित खतरा है, तो किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए उन्हें पहले से ही सचेत किया जाना चाहिए। जिले में अनुकूल वर्षा से कृषि गतिविधि को बढ़ावा मिलने के साथ, उन्होंने निर्देश दिया कि किसानों द्वारा आवश्यक बीज और उर्वरकों को कुशलतापूर्वक वितरित किया जाना चाहिए, और अधिकारियों को बिना किसी बाधा के सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए। मंत्री ने जिले में समुद्र तटों, नदियों, तालाबों और झरनों पर जाने वाले पर्यटकों के लिए होने वाले जोखिमों के बारे में भी चेतावनी दी। ऐसे स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाए जाने चाहिए और यदि संभव हो, तो सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों को तैनात किया जाना चाहिए। पड़ोसी दक्षिण कन्नड़ जिले में घटनाओं का जिक्र करते हुए, मंत्री ने कहा कि आपराधिक मामलों में वृद्धि हुई है और सीमा के पास कुछ छोटी घटनाएं सामने आई हैं।

उन्होंने निर्देश दिया कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए उपयुक्त उपाय किए जाने चाहिए। जिला प्रभारी सचिव सत्यवती जी ने अधिकारियों और कर्मचारियों से केंद्रीय स्थानों पर रहने और आपदा प्रबंधन में सक्रिय रहने का आग्रह किया। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जनता की शिकायतों का तुरंत जवाब देने के लिए उनके मोबाइल फोन चौबिसों घंटे सक्रिय रहें।

बेंगलूरु पैलेस भूमि के टीडीआर मुद्दे पर कानूनी लड़ाई जारी रहेगी: एच.के. पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि बेंगलूरु पैलेस की जमीन का टीडीआर देने के मुद्दे पर राज्य सरकार अपनी कानूनी लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि टीडीआर से संबंधित मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने की है। अभी तक हमें झटका लगा है। हम कोर्ट में अपनी दलीलें रखेंगे। अभी तक चार आदेश मिल चुके हैं। कोर्ट इस पर फिर से विचार करेगा।

पैलेस की जमीन के लिए 3400 करोड़ रुपये का टीडीआर देने के सुप्रीम कोर्ट के सुझाव पर हमने अपना विरोध जताया है। इस मामले की सुनवाई जारी है। 15 एकड़ के लिए 3400 करोड़ रुपये देना सही नहीं है, यह अवैज्ञानिक कीमत की तरह है। एक बार इस

तरह दिए जाने के बाद यह अन्य चीजों पर भी लागू होगा। उन्होंने कहा कि हमने पैलेस की 400 एकड़ जमीन कानूनी तरीके से ली है। उस समय 11 करोड़ रुपये दिए गए थे। इसका विरोध करते हुए पैलेस कोर्ट गया था। इस मामले में कोई स्थगन आदेश नहीं था। पिछले 28 सालों से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही है। चार-पांच दिन पहले सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने 3400 करोड़ रुपए देने का फैसला सुनाया है। हमने सुप्रीम कोर्ट को समझाने की कोशिश की। यह रकम बहुत महंगी है। चूंकि यह हमारी संपत्ति है, इसलिए टीडीआर नहीं दिया जाएगा। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि टीडीआर दिया जाना चाहिए और कोर्ट ने हमारी याचिका खारिज कर दी।

हमने इस संबंध में कानून लागू किया था। हमने कहा कि हमें जमीन नहीं चाहिए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हमारी याचिका पर विचार नहीं किया और डिवीजन बेंच ने आदेश दिया कि आपको जमीन देनी ही होगी। मैंने अखबारों में देखा है कि मुस्लिम आरक्षण बिल को राज्यपाल ने वापस कर दिया है। वे इस बारे में विधि विभाग के अधिकारियों से चर्चा करेंगे।

त्यागराज नगर ज्ञानशाला का प्रारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के विद्वान शिष्य डॉ. मुनि पुलकित कुमारजी नचिकेता, मुनिश्री आदित्य कुमारजी के पावन सानिध्य में त्यागराज नगर ज्ञानशाला का प्रारंभ हुआ। ज्ञानशाला को संबोधित करते हुए मुनि ने कहा ज्ञानशाला में बच्चों और माता-पीताओं का उत्साह दिखना चाहिए। बच्चे जिस ढांचे में ढालें जाएंगे उसमें ढल जाते हैं। ज्ञानशाला में बच्चों को प्रतिक्रमण भक्तांमर 25 बोल आदि धार्मिक ज्ञान के साथ योग प्राणायाम के प्रति भी जागरूक किया जाता है। मुनि ने भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष में आयोजित ओम भिक्षु के सवा लाख जाप की प्रेरणा दी तो बच्चों ने उत्साह पूर्वक नाम लिखाए।

इस अवसर पर अभातेयुप से गौतम खाब्या, तेरापंथ युवक परिषद हनुमंत नगर के अध्यक्ष कमलेश झाबक, मंत्री संदीप चौधरी, किशोर मण्डल संयोजक जिनेश धोका, सहसंयोजक नीव चौधरी, मदनलाल धोका, मुकेश नाहर, त्यागराजनगर ज्ञानशाला संयोजिका पवन संचेती, ज्ञानशाला प्रशिक्षिका लाजवंती कातरेला, अंजू गादिया, कांता धोका सहित अन्य लोगों की उपस्थिति रही।

सोमन्ना कल खानपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर माल शेड के निर्माण और रोड अंडर ब्रिज का करेंगे शिलान्यास

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना शनिवार को खानपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर माल शेड के निर्माण और रोड अंडर ब्रिज (भालकी और कलगुपुर रेलवे स्टेशनों के बीच लेवल क्रॉसिंग नंबर 71 के बदले) का शिलान्यास करेंगे।

खानपुर में माल शेड खानपुर रेलवे स्टेशन विकाराबाद-बीदर-परली सेक्शन में स्थित एक महत्वपूर्ण जंक्शन स्टेशन है, जो कलबुर्गी, बीदर और भालकी स्टेशनों को तीन दिशाओं में जोड़ता है। जंक्शन स्टेशन होने के कारण खानपुर स्टेशन पर मालगाड़ियों की आवाजाही के लिए बेहतर परिचालन व्यवहार्यता है।

माल परिचालन में सुधार के लिए, 15 करोड़ रुपये की लागत से खानपुर जंक्शन पर माल शेड विकसित करने का प्रस्ताव किया गया है। इस कार्य को जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 71 सिकंदराबाद डिवीजन के विकाराबाद-परली वैजनाथ के मुख्य लाइन सेक्शन में स्थित है, जो भालकी स्टेशन से कुछ किलोमीटर की दूरी पर है। यह गेट भालकी और बीदर शहरों के बीच यात्रा करने वाले सड़क उपयोगकर्ताओं की सेवा करने वाले व्यस्त मार्ग पर स्थित है। यात्रियों की सुविधा और असुविधा से बचने के लिए, 10.85 करोड़ रुपये की लागत से लेवल क्रॉसिंग गेट के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज का निर्माण करने का प्रस्ताव है।

एक बार आरयूबी पूरा हो जाने के बाद, यह बीदर और भालकी शहरों के बीच बिना किसी रुकावट के वाहनों की सुगम आवाजाही की सुविधा प्रदान करेगा। आरयूबी सड़क और रेल उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा को बढ़ाएगा और सड़क यात्रियों के लिए यात्रा का समय भी कम करेगा।

वर्षा जल प्रवाह में बाधा डालने वाली इमारतों को खाली करने का नोटिस

शिवकुमार ने नहरों का निरीक्षण किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत अधिकारियों को बारिश के पानी के सुचारू प्रवाह में बाधा डालने वाली इमारतों को हटाने का निर्देश दिया गया है। शिवकुमार ने गुरुवार को येलहंका में मान्याता टेक पार्क के पास बारिश की बाढ़ का कारण बनने वाले राजकालुवाई और नहरों का निरीक्षण करने के बाद मीडिया को अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा मैं और मुख्यमंत्री पहले ही बारिश प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण जंक्शन है, समस्या यहीं से शुरू होती है और फिर यह अन्य क्षेत्रों में समस्या बन जाती है। कुछ लोग अदालत से स्थगन आदेश प्राप्त करके बाधा डाल रहे हैं। हमारे अधिकारी भी सहयोग नहीं कर रहे हैं। इसलिए, मैंने अधिकारियों को आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत समस्या पैदा करने वाले क्षेत्रों में इमारतों को हटाने का निर्देश दिया है। हम किसी की संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते हैं। हम किसी के साथ अन्याय नहीं करना चाहते हैं। पानी सुचारू रूप से बहना चाहिए। इसलिए, मैंने खुद उस जगह का दौरा किया और उसका निरीक्षण किया। सभी ने मेरे सामने काम जारी रखने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि इसका स्थायी समाधान निकालना जरूरी है। यहां बारिश का पानी आसानी से बहना चाहिए, इसके अलावा कुछ नहीं, हम किसी भी इमारत को बाधित नहीं करना चाहते। हम बेंगलूरु की गरिमा को धूमिल नहीं होने देंगे। इसलिए हमने इस क्षेत्र के भूस्वामियों से सहयोग करने की अपील की है। अगर तकनीकी कारणों से कोई गलती हुई है, तो हम उसका मुआवजा देंगे। हमें इस मामले में स्थायी समाधान चाहिए।

इस पर सभी ने सहमति जताई है और हम अपना काम जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे नगर आयुक्तों और सचिवों को इस मामले में बाधाओं को दूर करने का पूरा अधिकार दिया गया है। नक्शों को लेकर भ्रम के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि नक्शे को लेकर चाहे जो भी भ्रम हो, पानी के बहने के लिए जगह बनाई जानी चाहिए। कचरा उपकर कम करने की भाजपा की मांग के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हम उनके समय में लिए गए निर्णय से उन्हें मना लेंगे। मैं देखूंगा कि उन्होंने क्या प्रस्ताव दिया है और फिर उनसे बात करूंगा। मैं उनकी राय का भी सम्मान करूंगा। जल संसाधन विभाग के इंजीनियरों के तबादले के संबंध में मुख्य सचिव को लिखे पत्र के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जल संसाधन विभाग में अधिक इंजीनियर नहीं हैं। हमें इंजीनियरों की तत्काल आवश्यकता है। इसलिए मैंने पत्र लिखकर कहा है कि हमारे विभाग से किसी को अन्यत्र न भेजा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे हमारे विभाग में आते हैं और पद-ोन्नत होकर लोक निर्माण, जिला पंचायत सहित अन्य विभागों में स्थानांतरित हो जाते हैं। इस तरह से इंजीनियरों के तबादले की उच्च स्तर पर संभावना बनी रहती है। कई विधायक दबाव बना रहे हैं कि जिन्हें वे चाहते हैं, उन्हें दूसरे विभाग में भेज दिया जाए। सिंचाई विभाग में काम करने के लिए इंजीनियर आगे नहीं आ रहे हैं। इस संबंध में उन्होंने कहा कि मैंने उनसे कहा है कि मेरे संज्ञान में लाए बिना किसी का तबादला न किया जाए।

सीएम ने हरिप्रसाद से मुलाकात कर तटीय स्थिति पर की चर्चा

मेंगलूरु में सद्भाव कायम रहे, सांप्रदायिक नफरत खत्म हो: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार सुबह बेंगलूरु में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और एमएलसी बी के हरिप्रसाद से उनके आवास पर मुलाकात की और तटीय क्षेत्र में मौजूदा स्थिति पर गंभीर चर्चा की। बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान उन्होंने हाल ही में हुई हत्याओं, हिंसा की घटनाओं, भड़काऊ भाषणों और दक्षिण कन्नड़ जिले में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने जिले में सांप्रदायिक हिंसा को तुरंत रोकने और पुलिस व्यवस्था में सुधार के लिए हरिप्रसाद से सलाह मांगी।

चर्चा के आधार पर कथित तौर पर दक्षिण कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक और मेंगलूरु के पुलिस आयुक्त दोनों को तुरंत स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने जिले के पुलिस प्रशासन में व्यापक सुधार के लिए क्या करने की जरूरत है, इस पर भी विचार-विमर्श किया। सूत्रों ने बताया कि बैठक के दौरान बी के हरिप्रसाद को जल्द ही कैबिनेट में शामिल किए जाने की संभावना पर भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री के साथ उनके राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, मंत्री जमीर अहमद और

अन्य लोग भी थे। मुलाकात के बाद पत्रकारों से वार्ता में सिद्धरामैया ने जोर देकर कहा कि दक्षिण कन्नड़ जिले में सांप्रदायिक सद्भाव कायम रहना चाहिए और नफरत खत्म होनी चाहिए। बंटवाल में 27 मई को एक युवक की हत्या के बाद तटीय जिले में उबाल है। शहर में 30 मई तक निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है।

सिद्धरामैया ने कहा हमने मेंगलूरु में मौजूदा स्थिति पर सामान्य चर्चा की। उस क्षेत्र में सांप्रदायिक सद्भाव होना चाहिए। हिंदुओं और मुसलमानों के बीच कोई नफरत नहीं होनी चाहिए। हमें वहां सद्भाव लाना है, जिसके लिए हमने चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने हरिप्रसाद से मेंगलूरु आने को कहा है। दक्षिण कन्नड़ में बदले की भावना से की गई हत्याओं के बारे में सीएम ने कहा हम इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करेंगे, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो। कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है। कानून ही सबसे ऊपर है। जब उनसे पूछा गया कि क्या सांप्रदायिकता विरोधी टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा, तो सिद्धरामैया ने कहा कि वे इस बारे में चर्चा करेंगे। सिद्धारमैया ने कहा कि वे 30 मई को कर्नाटक में बारिश की स्थिति पर जिलों के उपायुक्तों और जिला पंचायतों के सीईओ के साथ बैठक करेंगे, जिसमें मंत्री और सचिव भी शामिल होंगे। पुलिस ने बंटवाल में अब्दुल रहमान की हत्या के सिलसिले में मुख्य संदिग्ध दीपक और सुमित सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया है। यह हत्या 1 मई को हिंदुत्व कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के तुरंत बाद हुई है।

युवक की हत्या के मामले में महत्वपूर्ण जानकारी मिली

सांप्रदायिक हिंसा निरोधक बल तुरंत तैनात किया जाएगा: गृह मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि मेंगलूरु में युवक की हत्या के मामले में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है, जिसके आधार पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। हर बार ऐसी घटनाएं होने पर हम चुप नहीं रहेंगे। सांप्रदायिक हिंसा रोकथाम दल को तुरंत लागू किया जाएगा। शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वहां माहौल खराब हो गया है। अगर वे एक हत्या करते हैं, तो वे दूसरी हत्या करते हैं और इसे देखते हुए चुप नहीं रहेंगे। सांप्रदायिक हिंसा रोकथाम दल की शुरुआत दक्षिण कन्नड़, उडुपी और शिवमोग्गा जिलों में की जाएगी। उन्होंने कहा कि एक तरफ कानून लागू किया जाएगा और दूसरी तरफ शांति बनाए रखी जाएगी। मेंगलूरु में हुई घटना को सरकार ने गंभीरता से लिया है। हम बिना किसी हिचकिचाहट के कार्रवाई करेंगे। अगर हर बार ऐसा होता है, तो हम चुप नहीं बैठ पाएंगे। हम कानून को और सख्त करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार दक्षिण कन्नड़, उडुपी और शिवमोग्गा जिलों को संवेदनशील क्षेत्र मानते हुए कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य के पुलिस महानिदेशक इस बात पर कार्रवाई करेंगे कि बल का नेतृत्व कौन करेगा और क्या कार्रवाई की जाएगी। हम दक्षिण कन्नड़, उडुपी और शिवमोग्गा जिलों को संवेदनशील क्षेत्र मानते हैं। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक हिंसा को दबाने के लिए सरकार बिना देरी के कार्रवाई करेगी। नक्सल रोकथाम कार्य बल में आधे कर्मियों को सांप्रदायिक हिंसा रोकथाम बल को सौंपा जाएगा। हम उन्हें आवश्यक अधिकार और विशेषाधिकार देंगे। उन्होंने कहा कि हम तीनों जिलों पर अधिक ध्यान देंगे। अगर नफरत होगी तो समाज कहां रहेगा? क्या लोग वहां रह पाएंगे? उन्होंने कहा कि सरकार इसकी देखभाल नहीं कर पाएगी। मेंगलूरु में एक युवक की हत्या की जांच में गंभीर जानकारी मिली है। हम उसके आधार पर कार्रवाई करेंगे। हमने घटना के समय चार लोगों को गिरफ्तार किया था। उन्होंने आगे कहा कि कुछ लोगों के बयानों से जानकारी मिली है और उसके आधार पर हम बिना किसी बहाने के कार्रवाई करेंगे। जनप्रतिनिधियों को शांति स्थापित करने में सहयोग करना चाहिए। अगर वे भड़काने जा रहे हैं तो वे इसे कैसे रोक सकते हैं? उन्होंने कहा कि उन्होंने धार्मिक नेताओं के साथ शांति बैठकें करने के निर्देश दिए हैं।

भाषा विवाद का मामला : कमल हासन कन्नड़ को बहुत महत्व देते हैं: कन्नड़ स्टार शिवराजकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कन्नड़ सुपरस्टार शिवराजकुमार ने दिग्गज स्टार कमल हासन के एक बयान को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। आगामी फिल्म ठग लाइफ के ऑडियो लॉन्च के दौरान, कमल हासन ने कहा कि तमिल ने कन्नड़ को जन्म दिया। अभिनेता के बयान ने विवाद को जन्म दे दिया है, कर्नाटक के लोगों ने उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए उनकी आल-ोचना की है। वहीं बुधवार को कमल हासन ने अपनी टिप्पणी को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह प्रेम का इजहार था। यह शिवन्ना (कन्नड़ स्टार शिवराजकुमार) के लिए प्रेम का बयान था। उनके पिता (डॉ राजकुमार) मेरे पिता जैसे हैं। हम एक परिवार हैं, और अन्य भाषाएँ भी एक परिवार हैं। कमल हासन ने कहा कि इस बहस को इतिहासकारों और भाषा विशेषज्ञों पर छोड़ देना चाहिए। अभिनेता ने कहा कि राजनेता, जिनमें वे भी शामिल हैं, भाषा के इतिहास के बारे में बोलने के योग्य नहीं हैं।

ऑडियो लॉन्च के दौरान मौजूद शिवराजकुमार ने चल रहे विवाद पर खुलकर बात की। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, कमल हासन कन्नड़ को बहुत सम्मान देते हैं। बेंगलूरु के बारे में भी उनके पास बताने के लिए केवल अच्छी बातें हैं। कन्नड़ अभिनेता ने कहा मैं कमल सर का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। लोग पूछ सकते हैं कि मैं किसी और की प्रशंसा क्यों करूं, जबकि मेरे पास अपने पिता (डॉ राजकुमार) हैं, जिन्हें मैं अपना आदर्श मानता हूं।

मेरे पिता ही परिवार हैं, जबकि मैं कमल सर का बहुत सम्मान करता हूं। मैं उनसे प्रेरित हूं। कमल सर जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा है, और वे उचित जवाब देंगे। शिवराजकुमार ने मीडिया से भाषा संबंधी मुद्दों पर रिपोर्टिंग करते समय जिम्मेदारी बरतने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कन्नड़ के प्रति आपका प्यार चुनिंदा नहीं होना चाहिए। यह सिर्फ तभी मायने नहीं रखता जब ऐसा कुछ होता है। आपको फिल्म उद्योग से युवा प्रतिभाओं का समर्थन करना चाहिए। कोई भी नए लोगों के बारे में बात नहीं करता। सिर्फ बड़े सितारों की फिल्मों के बारे में रिपोर्ट करना सही नहीं है। जहाँ तक मेरा सवाल है, मैं कन्नड़ के लिए अपनी जान दे दूँगा। इससे पहले अभिनेता और राजनेता कमल हासन ने अपने हालिया बयान से राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि कन्नड़ भाषा तमिल से पैदा हुई है।

चेन्नई में अपनी आगामी फिल्म ठग लाइफ के ऑडियो लॉन्च के दौरान की गई इस टिप्पणी पर कर्नाटक में तीखी प्रतिक्रिया हुई है, खासकर भाजपा और कन्नड़ समर्थक समूहों ने, जिन्होंने तत्काल और बिना शर्त माफी की मांग की है। कन्नड़ अभिनेता शिवराजकुमार के साथ मंच साझा करते हुए, हासन ने अपने भाषण की शुरुआत मेरा जीवन और मेरा परिवार तमिल भाषा में है से की, और फिर अब विवादास्पद टिप्पणी की आपकी भाषा (कन्नड़) तमिल से पैदा हुई है, इसलिए आप भी इसमें शामिल हैं। शायद सांस्कृतिक एकता के संकेत के रूप में की गई इस टिप्पणी ने इसके बजाय भाषाई अहंकार और अनादर के आरोपों को हवा दी है। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने हासन की टिप्पणियों की निंदा करते हुए उन्हें अशिष्ट' और कन्नड़ तथा इसके 6.5 करोड़ भाषियों का अपमानजनक बताया। विजयेंद्र ने सोशल मीडिया पर लिखा यह अहंकार की पराकाष्ठा है कि कन्नड़ सहित कई भारतीय भाषाओं में अभिनय करने वाले कमल हासन ने तमिल के महिमामंडन के नाम पर कन्नड़ का अपमान किया है। उन्होंने कन्नड़ की भाषाई उत्पत्ति पर बोलने के हासन के अधिकार पर भी सवाल उठाया और कहा वह कमल हासन इतिहासकार नहीं हैं। भाजपा नेता ने हासन पर धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं को बार-बार ठेस पहुँचाने का भी आरोप लगाया और कहा कमल हासन, जिन्हें दक्षिण भारत में सद्भाव लाने वाला माना जाता है, पिछले कुछ वर्षों से लगातार हिंदू धर्म का अपमान कर रहे हैं और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचा रहे हैं। अब, उन्होंने 6.5 करोड़ कन्नड़ लोगों के स्वाभिमान को ठेस पहुँचाकर कन्नड़ का अपमान किया है।

कन्नड़ समर्थक समूह भी विरोध में शामिल

कन्नड़ समर्थक समूह भी विरोध में शामिल हो गए हैं। कर्नाटक रक्षण वेदिके के कार्यकर्ताओं ने बेंगलूरु में ठग लाइफ के पोस्टर फाड़ दिए और 5 जून को रिलीज होने वाली फिल्म पर राज्यव्यापी प्रतिबंध लगाने की धमकी दी।

संगठन के अध्यक्ष प्रवीण शेट्टी ने चेतावनी दी, आप कर्नाटक में व्यवसाय करना चाहते हैं और अपनी फिल्में दिखाना चाहते हैं, कन्नड़ और कन्नड़ लोगों का अपमान करना बंद करें। 2,500 से अधिक वर्षों के प्रलेखित इतिहास के साथ, कन्नड़ सबसे पुरानी जीवित द्रविड़ भाषाओं में से एक है जो तमिल से अलग है, न कि इसका व्युत्पन्न है। दोनों भाषाएँ व्यापक द्रविड़ परिवार में प्राचीन जड़ें साझा करती हैं, लेकिन अपनी स्वयं की लिपियों, व्याकरण और साहित्यिक परंपराओं के साथ स्वतंत्र रूप से विकसित हुईं।

रहीम खान हत्या मामला : मुस्लिम नेताओं ने कांग्रेस को सामूहिक इस्तीफे की धमकी दी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बंटवाल में अब्दुल रहीम खान की हत्या के बाद अल्पसंख्यक नेताओं ने कांग्रेस के खिलाफ असहयोग आंदोलन शुरू कर दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि वे पार्टी में उन्हें दी गई जिम्मेदारियों से सामूहिक रूप से इस्तीफा देंगे। अब्दुल रहीम खान की हत्या के बाद मुस्लिम नेताओं ने बैठक कर सामूहिक इस्तीफे के मुद्दे पर चर्चा की। इसके बाद यहां बोलारा स्थित शादी महल हॉल में जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक इकाई के अध्यक्ष के नेतृत्व में बैठक हुई और पार्टी की जिम्मेदारियों से सामूहिक इस्तीफे के मुद्दे पर चर्चा की गई।

पूर्व मेयर अशरफ ने जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। इस बीच पत्रकारों से बातचीत में अशरफ ने कहा कि जब पूर्व में भाजपा की सरकार थी, तब श्रीराम सेना और बजरंग दल मुसलमानों को गाली देते थे। लोगों ने कांग्रेस पार्टी को यह सोचकर चुना था कि इसे ठीक किया जाना चाहिए। अभी भी मुसलमानों को गाली देना बंद नहीं हुआ है और कांग्रेस सरकार ने दो साल बाद भी इस पर रोक नहीं लगाई है। इस बीच, कुडापल्ली में केरल के अशरफ की भीड़ ने हत्या कर दी। लोग पहले से ही आक्रोशित थे। हालांकि, सभी को शांत कराया गया और शव को यह कहते हुए केरल भेजा गया कि हमें शांति बनाए रखनी चाहिए। जब गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर और जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव

मेंगलूरु आए और बैठक की, तो हमने अपना आक्रोश व्यक्त किया। दोनों मंत्रियों ने वादा किया था कि ऐसा दोबारा नहीं होने दिया जाएगा। मंत्री के बेंगलूरु जाने के बाद विधायक भरत शेट्टी और अन्य ने यहां मुसलमानों के खिलाफ भड़काऊ भाषण देना शुरू कर दिया। अशरफ ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। सुहास शेट्टी की हत्या के मद्देनजर बुलाए गए बंद के दौरान दंगे भड़क गए और तीन-चार लोगों को चाकू मार दिया गया। कन्नूर के नौशाद के पेट में एक बड़ा चाकू फंस गया और वहीं रह गया। उन्होंने कहा कि इसे निकालने के लिए उन्हें सर्जरी करवानी पड़ी। सुहास शेट्टी की हत्या और केरल के अशरफ की हत्या में बहुत अंतर है। अशरफ केरल से मेंगलूरु काम करने और खाने के लिए आया था।

उन्हें मेंगलूरु के बारे में नहीं पता। वह किसी उपद्रवी गतिविधि में शामिल नहीं था। उन्होंने इस हत्या के बारे में मुख्यमंत्री से बात की और कहा कि जब सुहास शेट्टी की हत्या यहां हुई थी, तब पुलिस ने घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार नहीं किया था। सुहास शेट्टी की हत्या एक अन्य हत्या का बदला थी। यह किसी समूह द्वारा की गई हत्या नहीं थी। उपद्रवी गतिविधियों में शामिल लोगों का आपस में लड़ना सामान्य बात है। अगर ऐसी घटना में कोई मुस्लिम उपद्रवी मर भी जाता है, तो हम उसका समर्थन नहीं करेंगे। लेकिन केरल के अशरफ और अब्दुलहिन खान किसी उपद्रवी गतिविधि में शामिल नहीं थे, ऐसे लोगों की हत्या होने पर समुदाय में गुस्सा है।

अब से अल्पसंख्यक समुदाय के नेता कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रमों में भाग नहीं लेंगे, वे पार्टी में उन्हें दी गई जिम्मेदारियों से इस्तीफा दे देंगे। यह निंदनीय है कि जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा कि अब्दुल रहीम खान की हत्या एक निजी मामले के लिए की गई थी। उन्हें किसने सूचित किया? उन्होंने ऐसा किस आधार पर कहा? जब जिला प्रभारी मंत्री या गृह मंत्री बोलते हैं, तो उन्हें स्थानीय नेताओं से तथ्यों का पता लगाना चाहिए। रहीम खान के अंतिम संस्कार में अभूतपूर्व संख्या में लोग शामिल हुए थे। हालांकि, हमने शांति बनाए रखी। दिनेश गुंडूराव को अपना बयान वापस लेना चाहिए। अन्यथा, उन्होंने चेतावनी दी कि जब वह जिले में आएंगे तो हम उनसे सवाल करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर अल्पसंख्यक नेताओं के कांग्रेस पार्टी से दूर जाने से एसडीपीआई को फायदा हो रहा है, तो इसके लिए हम जिम्मेदार नहीं हैं, और कांग्रेस नेताओं की स्थिति को समझना चाहिए।

विपक्ष का अपना सम्मान होता है

सरकार को ऐसा काम करना चाहिए जिससे विपक्ष के सम्मान को ठेस न पहुंचे: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने चेतावनी दी है कि अगर कांग्रेसी सत्ता का दंभ भरते हैं तो एक दिन ऐसा आएगा जब उन्हें इसका जवाब देना होगा। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार आज है, कल चली जाएगी। सत्ता स्थायी नहीं होती। विपक्ष का अपना सम्मान होता है। सत्ताधारी दल का कर्तव्य है कि वह ऐसा काम करे जिससे उसका सम्मान खराब न हो। कम से कम अब तो सरकार को जाग जाना चाहिए। विपक्षी नेताओं को डराना-धमकाना और हमारे कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज करना बंद करो। मेंगलूरु में हत्या के बाद शांति बैठक न होने के बारे में मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि गृह मंत्री ने सुहास शेट्टी की हत्या के बाद मेंगलूरु में प्रमुख हस्तियों की बैठक की थी। सूचना है कि गृह मंत्री के सुहास शेट्टी के घर जाने की सूचना मिलने पर नेताओं का एक समूह उनके घर पहुंचा और उन्हें घेर लिया। उन्होंने उन्हें सुहास शेट्टी के घर न जाने की धमकी दी। मंत्री डरकर वापस लौट गए और पूछा कि वे किस तरह की सद्भावना की बात कर रहे हैं। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि सिद्धरामैया की सरकार केवल अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए नहीं है, बल्कि कानून-व्यवस्था अच्छी होनी चाहिए, उन्हें इस बात की बिल्कुल भी परवाह नहीं है कि राज्य में शांतिपूर्ण माहौल हो। विजयेंद्र ने कहा कि आने वाले दिनों में राज्य की राजनीति बड़ा बदलाव करेगी। कई घटनाक्रम हो रहे हैं। सिद्धरामैया खुद बी.के. हरिप्रसाद के घर गए हैं। उन्होंने कहा कि हमें इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए कि आने वाले दिनों में क्या होता है। कमल हासन को भाषा के जहर का बीज नहीं बोना चाहिए। मैं अभिनेता कमल हासन के तमिल के प्रति प्रेम और चिंता को समझता हूं। उन्होंने कहा कि उन्हें तमिल भाषा से प्यार है और कन्नड़ भाषा के बारे में ऐसा बयान देना बिल्कुल भी सही नहीं है। कन्नड़ और तमिल भाषाओं का इतिहास हजारों साल पुराना है। कमल हासन के बयान से कन्नड़ लोगों को ठेस पहुंची है। उन्होंने इसे अहंकारी कदम बताते हुए कहा कि कई जवाबों के बाद भी वह माफी नहीं मांग रहे हैं। संघर्ष के दौरान हमारे विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक रविकुमार ने अपने भाषण में वहां के जिला मजिस्ट्रेट के बारे में कुछ बातें कही थीं। बाद में रविकुमार ने अपने शब्दों के लिए खेद भी जताया। हालांकि, कांग्रेस सरकार की मदद से शिकायत मिलने के बाद एफआईआर दर्ज की गई। रविकुमार की शान को खत्म किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि धमकाने से इस सरकार की शान नहीं बढ़ेगी। कांग्रेस सरकार अगर ईमानदार होती तो उसे नारायणस्वामी के खिलाफ गुंडों की तरह व्यवहार करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच करनी चाहिए थी। उसे छोड़कर वे पिछड़े और दलित नेताओं को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं को धमकाने और ब्लैकमेल करने पर आपत्ति जताई। उन्होंने साफ कर दिया कि भाजपा इन सबसे डरने वाली नहीं है।

कार्यकर्ताओं को संगठित करने पर चर्चा

उन्होंने कहा कि आज की कोर कमेटी की बैठक में हम आगामी जिला पंचायत और तालुक पंचायत चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठन को मजबूत करने और पूरे प्रदेश में यात्रा कर कार्यकर्ताओं को संगठित करने पर चर्चा करेंगे। पिछले 2 दिनों से पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहनदास अग्रवाल के नेतृत्व में कई बैठकें हो चुकी हैं। हमने दोपहर के भोजन के बाद प्रदेश कोर कमेटी की बैठक आयोजित की है। उन्होंने कहा कि कोर कमेटी की बैठक में पिछले कुछ महीनों से इस राज्य में भ्रष्ट, जनविरोधी, किसान विरोधी सरकार के खिलाफ और मूल्य वृद्धि के लिए सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ सड़कों पर चल रहे संघर्ष पर चर्चा होगी। गुलबर्गा जिले के दौरे पर गए हमारे विपक्षी नेता चलवाडी नारायणस्वामी को चित्तपुर के एक गेस्ट हाउस में गिरफ्तार किया गया और वहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लाकर उन पर हमला करने की कोशिश की गई। इसकी निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने और हमारी पार्टी के नेताओं ने पहले भी गुलबर्गा में कांग्रेस सरकार और वहां के प्रभारी मंत्री के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। हमारा संघर्ष सफल रहा है।

मंत्री शिवराज ने कमल हासन की फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ और संस्कृति मंत्री शिवराज थंगदागी ने कहा कि तमिल के जन्म के बाद कन्नड़ का जन्म नहीं हुआ, बहुभाषी अभिनेता कमल हासन द्वारा हमारी भाषा के बारे में कहे गए शब्द असहनीय हैं। उन्होंने हासन से अपील की है कि वे तुरंत अपने शब्द वापस लें। मंत्री ने एक निजी कार्यक्रम में उनके साथ मंच साझा करने वाले दिग्गज अभिनेता शिवराज कुमार का जिक्र करते हुए कहा कि अभिनेता कमल हासन ने कन्नड़ भाषा के बारे में हल्की बातें की हैं। भाषा के मुद्दे पर समझौता करने का कोई सवाल ही नहीं है, चाहे कोई कितना भी बड़ा व्यक्ति क्यों न हो। अगर वह हमारी भाषा के बारे में हल्की बातें करते हैं, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। अगर हम इस पर सवाल उठाए बिना इसे ऐसे ही छोड़ देते हैं, तो हम खुद को धोखा दे रहे हैं। कर्नाटक में शिवराज कुमार के परिवार का योगदान बहुत बड़ा है। हमारे मन में शिवराज कुमार के लिए बहुत विशेष सम्मान है। उन्होंने कहा कि कॉलेज के दिनों में उनकी फिल्में देखने के बाद वे उनके प्रशंसक बन गए। मैंने पहले ही कन्नड़ फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री को एक पत्र लिखा है, जिसमें उनसे कमल हासन की फिल्म की रिलीज पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया गया है। शिवराजकुमार को भी यही रास्ता अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह उनसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करेंगे कि वह इस मामले पर अपनी आवाज उठाएं। दूसरी ओर, पत्र लिखने वाले मंत्री ने कहा कि तमिल फिल्म अभिनेता कमल हासन ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कन्नड़ भाषा के बारे में अपमानजनक बातें कहीं। उन्होंने कहा कि कन्नड़ भाषा के बारे में उनके भाषण ने मुझे और कन्नड़ लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। कमल हासन एक वरिष्ठ अभिनेता हैं, जिन्होंने कई कन्नड़ फिल्मों में अभिनय किया है और कन्नड़ भाषा के जानकार हैं, और इस तरह से बोलने से उन्हें कोई श्रेय नहीं मिलता है। उनसे इस तरह के बयान बर्दाश्त नहीं किए जा सकते। इसलिए कमल हासन को तुरंत कन्नड़ लोगों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर तमिल फिल्म अभिनेता कमल हासन राज्य के लोगों/कन्नड़ लोगों से माफी नहीं मांगते हैं, तो मैं आपको सूचित करता हूं कि जिन फिल्मों में उन्होंने अभिनय किया है, उन्हें कर्नाटक में तुरंत प्रतिबंधित कर दिया जाना चाहिए।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने नारायणस्वामी, एन. रविकुमार के खिलाफ राज्यपाल से शिकायत की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस के विधान परिषद सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को राज्यपाल को शिकायत सौंपी, जिसमें कलबुर्गी की जिला मजिस्ट्रेट फौजिया तरन्नुम को पाकिस्तानी बताकर अपमानित करने वाले विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार और ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे की तुलना कुत्ते से करने वाले विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी के खिलाफ कानूनी और संवैधानिक कार्रवाई की मांग की गई है।

विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के नेता, मंत्री एन. एस. बोसराजू और विधान परिषद के मुख्य सचेतक सलीम अहमद के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात की और शिकायत सौंपी। बाद में बोसराजू ने कहा कि विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार और चलवाडी नारायणस्वामी ने सदन पर संविधान के खिलाफ बात की है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह के बयान देना उचित नहीं है। सबका साथ सबका विकास कहने वाले भाजपा के सदस्य समाज को बांटने का काम कर रहे हैं। असंवैधानिक बयान देना उनकी आदत बन गई है। दलित समाज को आहत करने वाले बयान देने वाले नारायण स्वामी को निष्कासित किया जाना चाहिए। इसी तरह हमने राज्यपाल से रविकुमार के खिलाफ कानूनी और संवैधानिक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है, जिन्होंने अधिकारी के बारे में बयान दिया है। विपक्षी दल के नेता के रूप में गैरजिम्मेदाराना बयान देने वाले नारायण स्वामी के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने मंत्री प्रियांक खड़गे के खिलाफ असंवैधानिक शब्दों का इस्तेमाल किया है। रविकुमार, जिन्होंने कहा कि आईएएस अधिकारी पाकिस्तान से आए थे? उन्हें निलंबित किया जाना चाहिए। हमने कहा है कि वे दोनों समाज में गलत संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने इस मामले को देखने का वादा किया है। विधान परिषद सदस्य वसंत कुमार, अनिल कुमार एम.एल. जगदेव गुत्तेदार, एस. रवि, डी.टी. श्रीनिवास, दिनेश गुलीगौड़ा, चन्नराज हट्टीहोली, बसवनगौड़ा बदरली, पुट्टन्ना, नासिर अहमद, गोविंदराजू, नागराज यादव और मंजूनाथ भंडारी प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे।

गर्मी की छुट्टियां खत्म होने के बाद स्कूल खुले

बच्चे खुशी-खुशी स्कूल पहुंचे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गर्मी की छुट्टियों के बाद गुरुवार को बच्चे खुशी-खुशी स्कूल पहुंचे। पूरे राज्य में औपचारिक रूप से कक्षाएं शुरू हो गईं और शिक्षकों ने स्कूल आए छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

कुछ स्कूलों में छात्रों को विशेष रूप से सजाया गया और आमंत्रित किया गया। उन्हें मिठाइयां दी गईं और खुशी-खुशी पढ़ाई शुरू हुई। बेंगलूरु समेत कई जिला केंद्रों में सरकारी स्कूलों में 2 साल की पढ़ाई शीर्षक से कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बेंगलूरु के अदुगोडी स्थित कर्नाटक पब्लिक स्कूल में आयोजित इस विशेष समारोह में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भी हिस्सा लिया और बच्चों से बातचीत की। अधिकांश स्कूलों में पाठ्यपुस्तकें और यूनिफॉर्म पहले ही पहुंच चुकी हैं और सभी खुश थे कि बच्चे नए कपड़ों में पहुंचे। इस बार शिक्षा विभाग ने स्कूल से बाहर हुए बच्चों को वापस लाने का अभियान भी चलाया है। हालांकि अधिकांश निजी स्कूल पहले ही खुल चुके हैं, लेकिन शैक्षणिक वर्ष की गतिविधियां आज से शुरू हो गई हैं।

क्षतिग्रस्त सड़कों के कारण करावली-मालपे सड़क पर वाहन चलाना लगभग असंभव

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी में करावली-मालपे रोड यात्रियों के लिए दुःस्वप्न बन गई है, जिसमें बड़े-बड़े गड्ढे और व्यापक सतह क्षति गंभीर असुविधा का कारण बन रही है। यह मुख्य सड़क, जो स्कूलों, समुद्र तटों, मछली बंदरगाहों, कारखानों और औद्योगिक इकाइयों को जोड़ती है, अब बड़े-बड़े गड्ढों और लगातार जलभराव से भरी हुई है। दोपहिया वाहन चालक विशेष रूप से असुरक्षित हैं, कई लोगों के स्थिर पानी के नीचे छिपे गहरे गड्ढों के कारण गिरने की सूचना मिली है। मानसून की शुरुआत के साथ, स्थिति और खराब हो गई है क्योंकि नाले का पानी सड़क पर जमा हो गया है, जिससे यह लगभग दुर्गम हो गया है। स्थिति विशेष रूप से स्कूलों के पास भयावह है, जहां जलभराव ने परिसर तक पहुंच को अवरुद्ध कर दिया है। 29 मई को नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत होने के साथ, मालपे मुख्य सड़क की दयनीय स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं, जो छात्रों और जनता के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर रही है। पैदल चलने वालों को भी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि सड़क के दोनों ओर जलमग्न होने के कारण कोई सुरक्षित पैदल मार्ग नहीं है। लगातार यातायात और उचित जल निकासी व्यवस्था के अभाव ने दैनिक आवागमन को और भी कठिन और खतरनाक बना दिया है। प्रतिदिन हजारों वाहन - भारी और हल्के दोनों - दोपहिया वाहनों के साथ-साथ इस मार्ग का उपयोग करते हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि अब बड़े गड्ढों की संख्या, बरकरार सड़क के पैच से कहीं ज्यादा है।

मालपे से करावली बाईपास तक आवागमन एक निराशाजनक अनुभव बन गया है। स्थानीय निवासी और यात्री अधिकारियों से तुरंत कार्रवाई करने का आग्रह कर रहे हैं। सड़क की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है, इसलिए तत्काल सड़क मरम्मत और दीर्घकालिक जल निकासी समाधान की मांग बढ़ रही है।

इंस्टाग्राम प्रेम मामला

विवाहित महिला और उसके प्रेमी ने की आत्महत्या

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक विवाहित महिला और उसके कथित प्रेमी ने थैंकमिजारु ग्राम पंचायत की सीमा के अंतर्गत बडागुमिजारु गांव में मरकडा के पास एक कुएं में कूदकर कथित तौर पर अपनी जान दे दी। मृतकों की पहचान बडागुमिजारु की नमिक्षा शेट्टी (29) और उसके कथित प्रेमी प्रशांत के रूप में हुई है, जो निडोडी का रहने वाला था और पेशे से ड्राइवर था। नमिक्षा शादीशुदा थी और दो बेटों की मां थी। उसका पति सतीश पुणे में कार्यरत है। मूल रूप से बागलकोट का रहने वाला प्रशांत भी शादीशुदा था। कथित तौर पर दोनों की जान-पहचान इंस्टाग्राम के जरिए हुई और उनकी दोस्ती धीरे-धीरे रोमांटिक रिश्ते में बदल गई। सूत्रों का कहना है कि हाल ही में उनके बीच झगड़ा हुआ था, लेकिन संदिग्ध आत्महत्या के पीछे का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। अग्निशमन और आपातकालीन कर्मियों ने कुएं से शवों को निकाला। मूडबिद्री के इंस्पेक्टर संदेश पीजी ने नमिक्षा के पिता और प्रशांत के भाई द्वारा दर्ज अलग-अलग शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज किया है।

दक्षिण कन्नड़, उडुपी और शिवमोग्गा में

सांप्रदायिक घटनाओं, घृणास्पद भाषणों से निपटने के लिए विशेष कार्रवाई बल का गठन

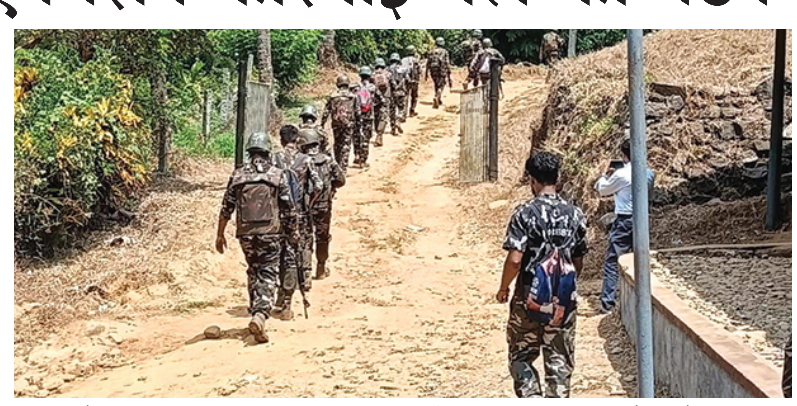

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हाल ही में सांप्रदायिक आधार पर हुई हत्याओं, खासकर तटीय क्षेत्र में, के बाद कर्नाटक सरकार ने दक्षिण कन्नड़, उडुपी और शिवमोग्गा के तीन संवेदनशील जिलों में सांप्रदायिक घटनाओं से निपटने के लिए एक विशेष कार्रवाई बल का गठन किया है। विशेष कार्रवाई बल में 248 पुलिसकर्मी और तीन कंपनियाँ शामिल होंगी, जिनमें से प्रत्येक तीन जिलों में एक कंपनी तैनात की जाएगी। यह संभावित सांप्रदायिक और भड़काऊ घटनाओं और घृणास्पद भाषणों के बारे में खुफिया जानकारी जुटाने और उन्हें रोकने में भूमिका निभाएगा।

यहां जारी एक सरकारी आदेश में कहा गया है कि विशेष कार्रवाई बल का नेतृत्व एक पुलिस उप महानिरीक्षक करेंगे। बल (248 सदस्य) को मौजूदा नक्सल विरोधी बल से अलग किया गया है, जिसमें 656 अधिकारी और कर्मी हैं। अगले तीन वर्षों के लिए एएनएफ की ताकत अब घटकर 376 रह जाएगी। 1 मई को मेंगलूरु के बाजपे के पास सुहास शेट्टी नामक एक बदमाश और हत्या के आरोपी की हत्या के बाद गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने घोषणा की थी कि नफरत फैलाने वाले भाषणों सहित सांप्रदायिक अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक विशेष बल का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में माओवादी गतिविधि की अनुपस्थिति के कारण एएनएफ की संख्या में कमी की जा रही है, और अन्य पुलिस कर्मी इसका हिस्सा होंगे। आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए, परमेश्वर ने कहा कि शांति और सांप्रदायिक सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए, उन्होंने अधिकारियों को समुदाय के नेताओं के साथ शांति बैठकें आयोजित करने का भी निर्देश दिया है। गृह मंत्री ने संवाददाताओं से कहा विशेष कार्रवाई बल को तुरंत स्थापित करने और लागू करने का आदेश जारी किया गया है। पुलिस महानिदेशक और महानिरीक्षक एम.ए. सलीम द्वारा आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। तीनों जिले बहुत संवेदनशील माने जाते हैं। सांप्रदायिक हिंसा भड़काने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और उससे सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि रहमान की हत्या के मामले में चार लोगों को त्वरित कार्रवाई के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस घटना के बारे में जानकारी जुटा रही है और कानून-व्यवस्था को सामान्य बनाने के लिए निवारक उपाय कर रही है। उन्होंने कहा दक्षिण कन्नड़ जिला, जहां से सांप्रदायिक घटनाएं सामने आती हैं, वहां बुद्धिमान, अच्छे और शिक्षित लोग रहते हैं। विकास के मामले में भी, वहां बहुत सारे अवसर हैं। हम वहां सांप्रदायिक घटनाओं को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लोगों और प्रतिनिधियों को शांति और सद्भाव लाने के लिए हाथ मिलाना चाहिए।

जम्मू कश्मीर के शोपियां में दो आतंकी पकड़े गए

दो एके-56 समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद

जम्मू, 29 मई (ब्यूरो)। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। शोपियां में एक ऑपरेशन के दौरान दो हाइब्रिड आतंकियों ने सरेंडर किया है। सुरक्षाबलों ने दहशतगर्दों के पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। सुरक्षाबलों ने बसकुचन में पास के एक बाग में आतंकवादियों की गतिविधि देखी। सुरक्षाबलों का घेरा मजबूत होने के कारण लश्कर के दो हाइब्रिड आतंकी इरफान बशीर और उजैर सलाम ने आत्मसमर्पण कर दिया। उनके पास से दो एके-56 राइफलें, चार मैगजीन, 102 राउंड (7.6239 मिमी), दो हैंड ग्रेनेड, दो पाउच आदि बरामद किए गए।

शोपियां पुलिस ने बताया कि संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है।

वहीं, जम्मू शहर के नरवाल ट्रांसपोर्ट नगर में आरटीओ कार्यालय जाने वाली सड़क किनारे तीन मोर्टार मिले। पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने तीनों मोर्टार कब्जे में लिए हैं। बाद में इन्हें पुलिस ने नष्ट कर दिया। माना जा रहा है कि हाल के तनाव के दौरान पाकिस्तान की तरफ से ये दागे गए होंगे, लेकिन पुलिस ने इसे खारिज करते हुए कहा कि यह सेना के कबाड़ का हिस्सा है। बुधवार को नरवाल पुलिस को सूचना मिली थी कि ट्रांसपोर्ट नगर में सड़क किनारे मोर्टार पड़ा है। इसके बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा। जांच की तो दो और मोर्टार मिले। इसके बाद दो और बम निरोधक दस्ते पहुंचे और पूरे इलाकों को खंगाला। यह तीनों मोर्टार सड़क किनारे कचरे में पड़े थे। तीनों को सुरक्षित जगह नष्ट किया गया।

एसपी दक्षिण अजय शर्मा ने कहा कि तीन मोर्टार मिलने के बाद से लोगों में कुछ भ्रांतियां थीं। उन्होंने कहा कि यह मोर्टार जंग लगे हुए पुराने हैं। सेना जो अपना कबाड़ बेचती है, यह उसके ही अंदर का है जो किसी तरह से यहां पहुंच गए।

तीन को नष्ट कर दिया है। जहां ये मोर्टार पड़े थे वहां आसपास सैकड़ों वाहन खड़े रहते हैं। ढाबे और दुकानें हैं। अगर यह फट जाते तो बड़ी अनह-ोनी हो सकती थी।

एनटीपीसी दादरी एवं सलाम नमस्ते द्वारा

स्वच्छ भारत संदेश जन-जन तक पहुंचाने की पहल

नोएडा, 29 मई (एजेंसियां)। सेक्टर 62 स्थित सलाम नमस्ते में एनटीपीसी दादरी के संयुक्त तत्वाधान में स्वच्छ भारत संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की पहल की गई। मंगलवार स्वच्छता उत्सव के अंतर्गत एक विशेष रेडियो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर अतिथि एनटीपीसी दादरी के उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) करनैल सिंह एवं उप प्रबंधक (मानव संसाधन) शंकर लाल कालरा ने अपने विचार प्रकट किए। वहीं इस कार्यक्रम का आयोजन स्वच्छता उत्सव के अंतर्गत स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने एवं समाज को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने के लिए किया गया।

कार्यक्रम के दौरान करनैल सिंह ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि नागरिक कर्तव्य है। हमारा प्रयास है कि हम रेडियो जैसे प्रभावशाली माध्यम से समाज के हर वर्ग तक इसकी अहमियत पहुंचाएं। शंकर लाल कालरा ने कहा कि रेडियो लोगों की आवाज़ बनता है, और इस कार्यक्रम के माध्यम से हम हर घर तक स्वच्छता का संदेश पहुँचाना चाहते हैं। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान लोगों से कूड़े को करो जीरो, स्वछता के बनो हीरो का संदेश दिया।

बर्षा छबारिया ने बताया कि यह कार्यक्रम स्वच्छता पखवाड़ा के तहत आयोजित किया जा रहा है, जो स्वच्छ भारत मिशन की भावना को साकार करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। इस रेडियो पहल के माध्यम से स्थानीय समुदाय, विद्यालयों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों और नागरिकों को स्वच्छता से जुड़ी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष साक्षात्कार, जमीनी रिपोर्ट, बच्चों की सहभागिता, महिलाओं की आवाज़ और स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे नागरिकों की कहानियाँ प्रसारित की जाएंगी। यह प्रयास न केवल जागरूकता फैलाएगा, बल्कि सामूहिक भागीदारी को भी प्रोत्साहित करेगा।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा में 600 कंपनियां तैनात होंगी

जम्मू, 29 मई (ब्यूरो)। इस बार की अमरनाथ यात्रा में सुरक्षा को लेकर चिंता प्रकट की जाने लगी है। हालांकि गृह मंत्रालय ने 600 के करीब सुरक्षाबलों की कंपनियों की तैनाती को मंजूरी दी है। इस बार पर्यावरण को बचाना भी होगी चुनौती क्योंकि सरकार चाहती है कि लाखों लोग यात्रा कहें। इसी वजह से तैयारियां अभी से की जाने लगी हैं। आगामी अमरनाथ यात्रा के दौरान स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की भी बड़ी चुनौती होती है। क्योंकि यात्रियों की भारी आमद होती है। जम्मू-कश्मीर सरकार ने पर्यावरण के प्रति संवेदनशील यात्रा मार्गों पर स्वच्छता उपाय करने शुरू कर दिए हैं।

इस वर्ष यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त को समाप्त होगी, जिसके लिए पंजीकरण 14 अप्रैल से शुरू हो गया है। हर साल, लाखों की संख्या में यात्री पहलगाम पहाड़ियों में अमरनाथ गुफा के दर्शन करने के लिए कश्मीर घाटी आते हैं, जो अनंतनाग जिले के पहलगाम और गंदरबल जिले के बालटाल मार्गों पर कई दिनों तक चलते हैं। 3 जुलाई से शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा को देखते हुए गृह मंत्रालय (एमएचए) ने तीर्थयात्रा मार्गों और आस-पास के इलाकों की सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती को मंजूरी दे दी है। एक सुचारू और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए जम्मू कश्मीर में अर्धसैनिक बलों की कुल 581 कंपनियां तैनात की जाएंगी।

एमएचए ने जम्मू कश्मीर प्रशासन और पुलिस को क्षेत्र में पहले से तैनात 156 सीएपीएफ कंपनियों का उपयोग करने के लिए अधिकृत किया है। इनमें 91 सीआरपीएफ, 30 एसएसबी, 15 सीआईएसएफ, 13 बीएसएफ और 7 आईटीबीपी इकाइयां शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक में लगभग 75 से 80 कर्मी हैं। एमएचए 10 जून तक अतिरिक्त 425 कंपनियां भेजेगा, जिसमें 130 बीएसएफ, 128 सीआरपीएफ (5 महिला इकाइयों सहित), 67 एसएसबी, 55 आईटीबीपी और 45 सीआईएसएफ कंपनियां शामिल होंगी। ये सुरक्षा बल 9 अगस्त को यात्रा के समापन तक ड्यूटी पर रहेंगे, जिसके बाद उन्हें हटा दिया जाएगा। तैनात बलों को गुफा मंदिर की सुरक्षा, तीर्थयात्रियों के काफिले का प्रबंधन, संवेदनशील हिस्सों पर नियंत्रण और बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर निरंतर उपस्थिति बनाए रखने का काम सौंपा जाएगा। दूसरी ओर ग्रामीण स्वच्छता विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दोनों मार्गों पर यात्रियों को स्वच्छता सुविधाएं प्रदान करने के लिए, सरकार का ग्रामीण स्वच्छता विभाग 4045 पूर्वनिर्मित शौचालय, 845 स्नानघर और 80 सोक गड्ढे बनाने की योजना बना रहा है। ग्रामीण स्वच्छता महानिदेशक अनु मल्होत्रा ने कहा, विभाग अमरनाथ यात्रा के दौरान पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे और सेवाओं का निर्माण करने के लिए महीनों पहले स्वच्छता अभ्यास शुरू करता है।

भाजपा विधायक ऑपरेशन सिंदूर पर बयानबाजी के चलते चर्चा में

जम्मू, 29 मई (ब्यूरो)। उधमपुर से भाजपा विधायक रणबीर सिंह पठानिया अपने एक बयान के चलते चर्चा में आ गए हैं। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि भाजपा विधायक ने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़े करते हुए भारतीय वायु सेना के शौर्य का अपमान किया है। इस संदर्भ में उनके एक बयान का वीडियो भी वायरल हो रहा है। हालांकि, भाजपा विधायक का दावा है कि यह वीडियो झूठा और एडिटेड है, उन्होंने कभी भी पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना की कार्रवाई पर सवाल नहीं उठाए।

पत्रकारों से बात करते हुए रणबीर सिंह पठानिया ने बताया कि वह उधमपुर से करीब 40 किमी दूर अपने पैतृक गांव में हैं। उन्होंने कहा कि उनके इस बयान को तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया है। वहीं, रणबीर सिंह पठानिया ने एक वीडियो जारी करते हुए कहा कि भारत माता की जय, भारतीय सेना की जय, इंडियन एयरफोर्स की जय। भारत की सेनाओं ने देश के जनमानस का सिर ऊंचा रखा है। हम उनके प्रति कृतज्ञ हैं, क्योंकि चंद दिनों में ही हमारी सेना ने पाकिस्तान को घुटनों पर लाकर उसे सीजफायर की भीख मांगने पर मजबूर कर दिया।

वायरल वीडियो को उधमपुर ईस्ट के विधायक ने वीडियो को झूठा बताते हुए दावा किया है कि वो किसी स्थानीय विषय को लेकर बात कर रहे थे। एक लोकल विषय को लेकर विरोध बैठक में इस संदर्भ में चर्चा हुई कि भारतीय संविधान के तहत सरकार या सरकार का कोई भी तंत्र (आर्मी/एयरफोर्स आदि) किसी की भी जमीन नहीं ले सकता। हालांकि, कुछ विरोधियों ने तिल का ताड़ बनाते हुए उनके बयान को एडिट कर के चलाया है और गलत नरेटिव बनाने की कोशिश की गई है। विधायक रणबीर पठानिया का कहना है कि जनता सब जानती है। उन्होंने कहा कि मैंने भारतीय सेना और एयरफोर्स के खिलाफ कभी एक शब्द नहीं कहा, न ही किसी इंटरव्यू में ऐसा कोई पॉइंट रखा है, जिसपर सवाल खड़े हो सकें। कुछ शरारती लोगों ने मेरी छवि खराब करने के मकसद से मेरे बयान को तोड़ा-मरोड़ा है। हमने इसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

इसी कड़ी में विधायक ने लोगों से निवेदन किया है कि वायरल एडिटेड वीडियो को बिना सोचे-समझे शेयर न करें। इस वीडियो पर कार्रवाई चल रही है। इस नाजुक समय में, जब भारतीय सेना ने पूरे देश का मान बढ़ाया है, कुछ लोग सस्ती राजनीति करते हुए और कुछ व्यूज के लिए गलत वीडियो चला रहे हैं।

दरअसल, जिस बयान के एडिटेड होने का विधायक दावा कर रहे हैं, उसमें उन्हें कहते हुए सुना जा सकता है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एयरफोर्स स्टेशन पर क्या हुआ था, यह सब जानते हैं। नालायकी होगी इनकी और यह लोग सोए होंगे। कसूर इन लोगों का है, हमारा नहीं और हम लोगों ने इन्हें पलकों पर बिठा रखा है। दरअसल, रणबीर सिंह पठानिया उधमपुर में एयरफोर्स स्टेशन की ओर से जारी की गई एक नोटिस के विरोध में बात कर रहे थे। इस नोटिस में एयरफोर्स स्टेशन ने पास की सड़क का चौड़ीकरण करने के लिए वहां बनी दुकानों और घरों को खाली करने के निर्देश दिए थे।

इस नोटिस के विरोध में उधमपुर में लोग सड़कों पर थे, जिनके समर्थन में रणवीर सिंह पठानिया भी उतर आए। यहां आए लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब उधमपुर में यह एयरपोर्ट आया तो बिना किसी मुआवजे के उन्हें कनेक्टिविटी के यह सड़क दी गई। उन्होंने कहा कि कानून कहता है कि किसी की जमीन तब तक नहीं ली जा सकती, जब तक उसे सरकार एक्वायर ना करें और उसका कंपनसेशन लोगों को न मिले। उन्होंने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सबके ध्यान में है कि एयरफोर्स स्टेशन पर क्या हुआ। उन्होंने कहा कि नालायकी होगी इनकी और सोए यह लोग होंगे। कसूर इन लोगों का है हमारा नहीं और हम लोगों ने इन्हें पलकों पर बिठा कर रखा।

उच्चतम न्यायालय में तीन नव नियुक्त न्यायाधीश शुक्रवार को लेंगे शपथ

नई दिल्ली 29 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय में तीन नये न्यायाधीश नियुक्त किये गये हैं जो शुक्रवार को पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया, गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई और बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर को पदोन्नत कर उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

शीर्ष अदालत की ओर से गुरुवार को जारी एक अधिसूचना के अनुसार इन तीनों न्यायाधीशों को न्यायालय परिसर के प्रशासनिक खंड स्थित ऑडिटोरियम में पूर्वाह्न साढे दस बजे एक समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी जायगी।

इससे पहले केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने आज ही अपने 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट में तीनों न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में केंद्र सरकार की ओर से जारी अधिसूचना की जानकारी दी थी।

तीनों न्यायाधीशों के शपथ ग्रहण करने के साथ ही उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या बढ़कर 34 हो जाएगी। शीर्ष अदालत के लिए न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या इतनी ही है।

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने सोमवार को तीनों न्यायाधीशों की पदोन्नति की सिफारिश की थी।

रतलाम-नागदा रेलखंड को मिलेगी नई रफ्तार

तीसरी और चौथी लाइन से जुड़ेगा विकास का ट्रैक

परियोजना से मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और दिल्ली को पश्चिमी तट के बंदरगाहों से मिलेगी बेहतर कनेक्टिविटी

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री गति शक्ति मास्टर प्लान के अंतर्गत रतलाम-नागदा रेलखंड की तीसरी और चौथी रेल लाइन को मंजूरी के उपलक्ष्य में रेल भवन, नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की घोषणा की। इस अवसर पर मंच पर उज्जैन-अलोट के सांसद श्री अनिल फिरोजिया उपस्थित थे, जबकि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअली इस कार्यक्रम से जुड़े। उनके साथ राज्य सरकार के मंत्री श्री चेतन्य कश्यप, सांसद श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान, विधायक श्री मथुरा लाल डामर और विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह चौहान भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

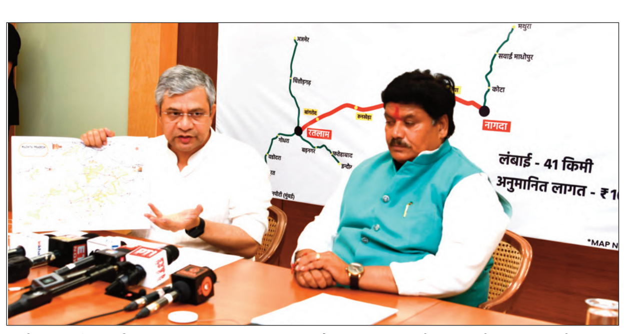

रेल मंत्री ने बताया कि यह परियोजना मध्य प्रदेश के विकास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में बुनियादी ढांचे को गति देने के लिए लगातार नई परियोजनाओं को स्वीकृति दी जा रही है। 41 किलोमीटर लंबा रतलाम-नागदा रेल सेक्शन अब तीसरी और चौथी लाइन के साथ चार ट्रैकों वाला बन जाएगा, जिसकी कुल लागत 1,018 करोड़ निर्धारित की गई है।

रतलाम जंक्शन देश के उन महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शनों में शामिल है, जहां से उत्तर (नागदा), दक्षिण (वडोदरा), पूर्व (इंदौर) और पश्चिम (चित्तौड़गढ़) की ओर सीधी रेल कनेक्टिविटी है। इस परियोजना से मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और दिल्ली को पश्चिमी तट के बंदरगाहों से तेज और सुगम कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे लॉजिस्टिक्स लागत में कमी और आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी।

रेल मंत्री ने बताया कि यह परियोजना 'जीरो कार्बन' लक्ष्य की दिशा में भी बड़ा कदम है। इससे हर वर्ष लगभग 38 करोड़ किलोग्राम सीओ× उत्सर्जन में कमी आएगी, जो लगभग 1.5 करोड़ पेड़ों के बराबर है। 11वें वर्ष तक यह संख्या बढ़कर 16.5 करोड़ पेड़ों के बराबर होगी। साथ ही, 7.5 करोड़ लीटर डीज़ल की बचत भी संभव होगी।

इस परियोजना से लगभग 27 लाख मानव-दिवस का रोज़गार भी सृजित होगा। इसके अलावा यह रतलाम क्षेत्र से नागदा थर्मल पावर प्लांट, विस्कोस फाइबर एवं केमिकल प्लांट जैसे औद्योगिक इकाइयों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। कृषि उत्पादों, कोयला, कंटेनर और पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन में भी गति और कुशलता आएगी।

परियोजना से खजुराहो, ग्वालियर, कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, ओंकारेश्वर, सांची, उज्जैन, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, अमरकंटक और भीम जन्मभूमि जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों को जोड़ने में मदद मिलेगी, जिससे राज्य के पर्यटन उद्योग को नया बल मिलेगा।

रेल मंत्री ने यह भी बताया कि हाल ही में दिल्ली से डॉ. अंबेडकर नगर के लिए एक नई ट्रेन सेवा शुरू की गई है। इसके साथ ही रीवा-सतना-जबलपुर-पुणे, जबलपुर-रायपुर और ग्वालियर-पुणे-भोपाल-बेंगलुरु के लिए तीन और नई ट्रेन सेवाओं को भी मंजूरी दी जा चुकी है। इनकी समय-सारणी तय हो चुकी है और ये जल्द शुरू की जाएंगी।

पाकिस्तान के बातचीत के प्रस्ताव पर भारत का रुख और कड़ा

नई दिल्ली 29 मई (एजेंसियां)। भारत ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ के भारत के साथ आतंकवाद सहित हर मुद्दे पर बातचीत की खुली पेशकश पर अपना रुख और साफ करते हुए आज कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर भारत द्वारा सौंपी गयी सूची के आधार पर आतंकवादियों को हमारे हवाले करने तथा जम्मू कश्मीर से उसके अवैध कब्जे वाला हिस्सा खाली करने के बारे में ही बात की जाएगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री द्वारा उनके विदेश दौरे के दौरान भारत के साथ बातचीत की बार बार की जा रही पेशकश के बारे में भारत की प्रतिक्रिया पूछे जाने पर कहा, जहाँ तक पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों का सवाल है, हमारा रुख स्पष्ट है। हमारे बीच कोई भी संबंध या संपर्क द्विपक्षीय होना चाहिए। हम दोहराना चाहेंगे कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। उन्हें भारत को उन कुख्यात आतंकवादियों को सौंपना होगा, जिनके रिकॉर्ड और सूची हमने कुछ साल पहले उन्हें सौंपी थी। जम्मू-कश्मीर पर बातचीत इस पर होगी कि जम्मू कश्मीर के उसके अवैध कब्जे वाले इलाका पाकिस्तान खाली करके हमें कब सौंपेगा। श्री जायसवाल ने कहा, जहाँ तक सिंधु जल संधि का सवाल है, यह तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन विश्वसनीय ढंग से और पूरी तरह से बंद नहीं कर देता। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, आतंक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते, आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, और पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।

पाकिस्तान में ऑपरेशन सिन्दूर के बाद लश्करे तैयबा के आतंकवादियों द्वारा जगह जगह जलसे करने और उनमें पाकिस्तान सरकार के नेताओं एवं सेना के अफसरों की मौजूदगी के बारे में एक सवाल के जवाब में प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवादियों का हिमामंडन करना, उन्हें माला पहना कर स्वागत सत्कार करना और उन्हें बड़े मंच प्रदान करना हमारे लिये कतई आश्चर्य की बात नहीं है। इससे यह फिर से पुष्टि होती है कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को सरकार एवं सेना का समर्थन प्राप्त है।

पाकिस्तानी गिरोह से जुड़े तीन साइबर अपराधी गिरफ्तार

रायबरेली से हुआ था दो करोड़ का लेनदेन

रायबरेली, 29 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान समेत कई देशों में संचालित साइबर ठग गिरोह के सरगना रहीम से जुड़े तीन और साइबर अपराधी गिरफ्तार किए गए। पुलिस का दावा है कि ये सभी सीज खाता खुलवाने और रायबरेली में एजेंट संजय पांडेय से मिलकर पैसों का हिसाब करने आए थे। इसी दौरान सभी पकड़ लिए गए। गिरफ्तार तमिलनाडु निवासी जावेद चेन्नई में वनाबिल बिजनेस सॉल्यूशन के नाम से कंपनी चलाता था। कंपनी के नाम से खुलवाए गए खातों में साइबर ठग के पैसों का लेनदेन किया जाता था।

रायबरेली जिले की पुलिस ने अप्रैल माह 2025 में साइबर अपराधी संजय पांडेय, सोनू पांडेय, दुर्गेश और दीपक सिंह व सत्यम मिश्रा को गिरफ्तार करके जेल भेजे थे। इन अपराधियों के तार पाकिस्तान के रहने वाले रहीम से जुड़े थे। विदेश में बैठकर रहीम ने पकड़े गए अपराधियों के माध्यम से भारत में बैंकों खाता खुलवाता था। इन्हीं खातों में साइबर अपराध के पैसों का लेनदेन करता था। जांच में यह बात सामने आई थी कि रहीम और उसके सदस्यों का नेटवर्क भारत के अलावा दुबई, नेपाल, पाकिस्तान तक फैला है। साथ ही जांच में राज्यों में फर्जी दस्तावेज से बैंक खाते खुलवाए गए थे, जिनमें 162 करोड़. का लेनदेन हुआ था। मामला उजागर होने पर चार राज्यों के खाते पुलिस ने सीज करा दिए थे।

अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा के मुताबिक तमिलनाडु प्रांत के सेलवा विनगर कोडुगैयुर चेन्नई निवासी जावेद जलाल, एनएसके नगर अरुमवक्कम चेन्नई निवासी मथीअजागन और बिहार प्रांत के सिवान जिले के माधोपुर निवासी दिलशाद आलम को गिरफ्तार किया गया है। जावेद वनाबिल बिजनेस सॉल्यूशन कंपनी का निदेशक है। साथ ही दिलशाद भी कंपनी में काम करता है। जांच में पाया गया है कि जावेद की कंपनी के एचडीएफसी बैंक खाते में कुल दो करोड़ 34 लाख 700 रुपए रायबरेली से कैश डिपॉजिट मशीन (सीडीएम) के माध्यम से भेजे गए थे। खाते का कुल लेनदेन 142 करोड़ रुपए पाया गया। एएसपी के मुताबिक बैंक खाते सीज होने पर तीनों अपराधियों का रायबरेली आकर पुलिस की मदद से खाता खुलवाने और जेल जा चुके एजेंट संजय पांडेय से रुपयों का हिसाब करने का इरादा था। मुखबिर की सूचना पर डीह इलाके से तीनों को पकड़ लिया गया। पुलिस का दावा है कि अपराधियों को एजेंट संजय पांडेय के जेल जाने की जानकारी नहीं थी।

वनाबिल बिजनेस सॉल्यूशन कंपनी चेन्नई के अन्य खातों के बारे में जानकारी जुटाई गई तो चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस अफसरों के मुताबिक कंपनी के नाम से एक्सिस बैंक के दो खातों में कुल 907 करोड़ रुपए के लेनदेन की बात सामने आई। एक खाते में 639 करोड़ और 268 करोड़ का लेनदेन हुआ है। इसमें से ज्यादातर पैसा साइबर ठगी का होना बताया जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी जावेद जलाल ने पूछताछ में बताया कि वह मथीअजागन के साथ 2018 में निक्सटीजेन सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड ब्रांच केके नगर मदुरई तमिलनाडु नामक कंपनी में काम करते थे। महताब आलम निवासी माधोपुर सिवान राज्य बिहार से हम लोगों की दोस्ती हुई थी। महताब कंपनी में काफी पैसा हम दोनों के माध्यम से ट्रांसफर कराता था, जहां हम अपनी कंपनी का कमीशन काटकर महताब आलम द्वारा बताए गए अन्य खातों में भेज देते थे। चूंकि महीनेभर में ही कई करोड़ का लेनदेन हो जाता था, जिसमें लाखों का कमीशन हमारी कंपनी को मिल जाता था। कमीशन के पैसों के लालच में मैंने व मेरे साथी मथीअजागन ने महताब आलम के आर्थिक सहयोग से चेन्नई में वनाबिल बिजनेस सॉल्यूशन कंपनी बनाई थी। इसके बाद हम लोग साइबर ठग अपराध गैंग से जुड़ गए।

बिना अनुमति बनाई जा रही मस्जिद ध्वस्त की गई

सहारनपुर, 29 मई (एजेंसियां)। सहारनपुर में चिलकाना स्थित गांव भोजपुर तगा में अवैध रूप से बनाए जा रहे धार्मिक स्थल को जिला प्रशासन एवं पुलिस ने जिला पंचायत के आदेश पर बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। मौके पर एसडीएम सदर, एएसपी, आरआरएफ, पीएसी सहित जिले के कई थानों की पुलिस मौजूद रही। ग्रामीणों ने ध्वस्तीकरण का विरोध नहीं किया। गांव में चप्पे चप्पे पर पुलिस तैनात रही।

भोजपुर तगा के इस्तखार, नदीम और एहतेशाम पुत्रगण मुख्तार गांव के बाहरी छोर पर अपनी भूमि पर मस्जिद का निर्माण कर रहे थे। सूचना पुलिस को मिली तो तत्कालीन थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे थे और निर्माण कार्य बंद करा दिया था। निर्माण की जानकारी जिला प्रशासन तथा जिला पंचायत को भी दे दी गई थी। जिला पंचायत के अवर अभियंता आदेश कुमार ने बताया कि निर्माणकर्ताओं को जिला पंचायत द्वारा सात मई को बिना अनुमति धार्मिक स्थल बनाने का नोटिस किया गया था। निर्माणकर्ताओं ने जिला पंचायत को निर्माण न करने पर अपनी सहमति दे दी थी। इसके बावजूद यह लोग गुपचुप तरीके से धार्मिक स्थल का निर्माण कर रहे थे। लिंटर डाले जाने की तैयारी की जा रही थी।

बृहस्पतिवार को अचानक गांव में पुलिस की गतिविधियां तेज हो गईं। गांव में जगह-जगह पुलिस नजर आने लगी। दोपहर करीब 12 बजे एसडीएम सदर सुबोध कुमार, एएसपी मनोज यादव, जिला पंचायत के जेई आदेश कुमार सहित अनेक अधिकारी तीन बुलडोजर लेकर निर्माण स्थल पर पहुंचे। अधिकारियों के आदेश पर निर्माणाधीन धार्मिक स्थल को गिराने की कार्रवाई शुरू कर दी गई, जो कि करीब डेढ़ घंटा तक चली। एसडीएम सदर सुबोध कुमार ने बताया कि बिना अनुमति निर्माण करने पर पुलिस प्रशासन द्वारा 107/16 की कार्रवाई की गई थी। उसके बावजूद निर्माण जारी था। उसी के बाद यह कार्रवाई की गई है।

एएसपी मनोज कुमार यादव ने बताया कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गांव में आरअ-ारएफ, पीएसी सहित थाना मंडी, थाना कोतवाली देहात, थाना सरसावा, थाना चिलकाना पुलिस तैनात की गई थी। ध्वस्तीकरण का कार्य शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया। गांव में किसी तरह का विरोध न हो, इसके लिए प्रशासन ने पहले पूरे गांव में ड्रोन कैमरे से निगरानी की। गांव की गलियों में भारी पुलिस बल तैनात रहा। किसी को भी निर्माण स्थल की तरफ जाने की अनुमति नहीं दी गई। गांव में आने वाले सभी रास्तों पर पुलिस बल तैनात रहा। गलियों में पूरी तरह सन्नाटा छाया रहा।

चांदी व्यवसायी की कार से बरामद हुई भारी रकम

नोट गिनने के लिए आयकर विभाग को मंगानी पड़ी मशीन

मथुरा, 29 मई (एजेंसियां)। मथुरा के मांट में यमुना एक्सप्रेस-वे के जाबरा टोल प्लाजा से माठ पुलिस और आयकर विभाग की टीम ने एक कार से डेढ़ करोड़ रुपए एवं 450 ग्राम सोने के बिस्कुट बरामद किए हैं। आयकर विभाग की टीम को रुपए गिनने में दो घंटे लग गये। व्यवसायी दिल्ली से चांदी लाकर आगरा में बेचने के बाद रुपए लेकर वापस जा रहा था।

बुधवार को आयकर विभाग एवं मांट पुलिस ने स्विफ्ट कार से एक करोड़, उन्नीस लाख, अस्सी हज़ार रुपए बरामद किए गए। इतना ही नहीं कार में सोने के बिस्कुट भी मिले, जिनका वजन करीब आधा किलो निकला। उप निदेशक आयकर अन्वेषण आगरा हार्दिक अग्रवाल ने बताया कि मथुरा के थाना गोविंद नगर क्षेत्र के माधव कुंज निवासी दीपक खंडेलवाल दिल्ली से चांदी लाकर आगरा में बेचते हैं। वह चांदी बिक्री के रुपए लेकर दिल्ली जा रहे थे। सूचना पर मांट थाना प्रभारी निरीक्षक जसबीर सिंह से टोल प्लाजा पर नाकाबंदी कराई। मथुरा की तरफ से आ रही स्विफ्ट कार को रोककर तलाशी ली। उसमें रुपए मिलने की सूचना पर आगरा से आयकर विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। चांदी व्यवसायी दीपक खंडेलवाल के साथ पूछताछ की जा रही है। नोटिस देकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। टीम में आयकर अधिकारी लोकेश उत्प्रेति, आयकर निरीक्षक रंजन सैनी, घनश्याम राठौर, संदीप गुप्ता, शिवम श्रीवास्तव शामिल रहे।

कार से बरामद की गई रकम को गिनने के लिए आयकर विभाग ने मशीन लगाई। करीब दो घंटे में रुपए गिने जा सके। वहीं व्यवसायी दीपक खंडेलवाल ने बताया की वह दिल्ली के चांदनी चौक से सोना और चांदी लाकर आगरा में बेचने का कार्य करता है। जो टैक्स बचता है, वही उसका मुनाफा होता है।

अहिल्याबाई होल्कर जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान

सुरक्षा का भरोसा विकास और विरासत को आगे बढ़ाता है: योगी

लखनऊ, 29 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन धर्म के लिए लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर द्वारा किए गए कार्य हम सबके लिए एक नई प्रेरणा है। यही प्रेरणा हमें इस बात के लिए प्रेरित करती है कि सुशासन की आधारशिला विरासत बनेगी। साथ ही सुशासन की व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए निष्पक्ष न्याय की कसौटी पर खड़ा उतरते हुए सबको सुरक्षा प्रदान करने की वचनबद्धता को आगे बढ़ाना पड़ेगा। सबके मन में सुरक्षा का भाव ही विकास और विरासत के अभियान को आगे बढ़ाता है।

सीएम योगी ने गुरुवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय में आयोजित पुण्यश्लोक पूज्य देवी अहिल्याबाई होल्कर जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान-2025 को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि जब हम भारत की बात करते हैं तो जैसे हमारे यहां पर्व और त्योहारों की लंबी श्रृंखला है, ऐसे ही महापुरुषों की भी लंबी श्रृंखला हमें देखने को मिलती है, जिनका प्रेरणादायी व्यक्तित्व एवं कृतित्व समाज को एक नई संजीवनी प्रदान करता है। सीएम योगी ने कहा कि गार्गी और मैत्री जैसी विदुषी नारियों का स्मरण हर भारतीय करता है। उसी श्रृंखला में आज से तीन सौ वर्ष पूर्व महाराष्ट्र के एक छोटे से गांव में एक बालिका जन्म लेती है, जो मालवा के होल्कर साम्राज्य की साम्राज्ञी बनती है, लेकिन वह अपनी अखिल भारतीय दृष्टि से भारत के विरासत की ऐसी आधारशिला रख देती हैं, जो नए भारत के निर्माण में अपना योगदान कर रही है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरासत और विकास का अभियान वही अभियान है, जिसकी आधारशिला लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने रखी थी। उस समय के भारत की तुलना में उनका साम्राज्य काफी छोटा था। लेकिन साम्राज्य की सीमाओं के बाहर जाकर उन्होंने आक्रांताओं के द्वारा तोड़े गए मंदिरों की पुनर्स्थापना करके सनातन धर्म की नींव को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि हमारा यह सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लोकमाता के त्रिशताब्दी जन्म महोत्सव से जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उनके द्वारा विरासत के साथ विकास एवं लोक कल्याण के कार्यों को करीब जानने एवं समझने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में संचालित एक जिला एक उत्पाद योजना लोकमाता के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि को व्यक्त करता है। क्योंकि इसके माध्यम से हमारी सरकार परम्परागत हस्तशिल्पियों एवं कारीगरों को नया जीवन प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने महारानी लक्ष्मीबाई, वीरांगना उदा देवी, वीरांगना झलकारी बाई और वीरांगना अवंतीबाई के नाम पर पीएसी की नई बटालियन का गठन किया है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस बल में यूपी की बालिकाओं के लिए 20 फीसदी अनिवार्य आरक्षण की व्यवस्था करना उसी अभियान का हिस्सा है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने आधी आबादी के लिए शुरू किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक हजार वर्ष पहले विदेशी आक्रांत सलार मसूद गाजी के हमलों को बेनकाब करने वाले महाराज सुहेलदेव को भारत के समाज ने एक प्रकार से विस्मृत कर दिया था। सालार मसूद मोहम्मद गजनवी का भांजा था, जिसने सोमनाथ मंदिर को कई बार लूटा और तोड़ा था। श्रीराम जन्मभूमि पर पहला हमला सलार मसूद ने ही किया था। उन्होंने कहा कि 1033 ईस्वी में मंदिरों को तोड़ने के उद्देश्य एक बार फिर जब सलार मसूद भारत आया तो महाराज सुहेलदेव के नेतृत्व में उसकी ऐसी दुर्गति की गई कि अगले 150 वर्षों तक कोई विदेशी आक्रांता भारत आने की हिम्मत नहीं कर पाया। उन्होंने कहा कि विदेशी दासता के शिकार सत्ता लोलुप लोगों ने इतिहास पन्नों से महाराज सुहेलदेव के योगदान को गायब कर दिया था।

अजेय थीं देवी अहिल्याबाई होल्कर: बीएल संतोष

लखनऊ, 29 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष ने कहा, महारानी अहिल्याबाई होल्कर अजेय थीं, वे कभी कोई युद्ध नहीं हारीं। धर्म-संस्कृति के पुनरुत्थान के लिए उन्होंने बहुत बड़ा योगदान दिया। काशी में यदि मंदिर है तो उसका एकमात्र कारण अहिल्याबाई होल्कर हैं। यदि वे नहीं होतीं तो काशी में मंदिर का यह रूप नहीं देख सकते थे। हालांकि मोदी-योगी के कार्यकाल में अभी बहुत कुछ मिलने वाला है। मणिकर्णिका घाट के निर्माण में उनका बड़ा योगदान है। हरिद्वार, प्रयाग, अयोध्या में सरयू घाट का निर्माण अहिल्याबाई होल्कर ने किया। सोमनाथ, कांची, रामेश्वरम, भीमाशंकर, श्रीशैलम में इन्होंने धर्मशालाओं का निर्माण, पीने के पानी, भंडारा की व्यवस्था की। पुजारियों के पूजा की जो व्यवस्था की, वह आज भी चालू है।

संतोष ने रामायण की चर्चा से बात की शुरुआत की, फिर अहिल्याबाई होल्कर के पुण्यश्लोक उपाधि की चर्चा की। उन्होंने बताया कि अहिल्याबाई होल्कर का जीवन, साधना, कृतित्व, समाज, किसानों, महिलाओं, आर्थिक व्यवहार, पड़ोसी राज्यों के साथ मिलकर भी बहुत पुण्य का कार्य किया। अहिल्या बाई होल्कर के जीवन की हर पंक्ति पुण्यश्लोक जैसी है। उनकी कहानी सुनते-सुनते बड़े-बड़े इतिहासकारों ने अहिल्याबाई होल्कर को रानी, लोकमाता, लोकमंगल, प्रजावत्सला के बाद पुण्यश्लोक भी लिखा। उन्होंने कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि हमने स्कूल-कॉलेज में अहिल्याबाई के बारे में नहीं पढ़ा। शासन करने वाले लोगों ने लंबे समय तक शिवाजी, महाराणा प्रताप, अहिल्याबाई होल्कर के बारे में पाठ्यक्रम में आने नहीं दिया। देश में 300 साल पहले जब महिला सशक्तिकरण का नाम ही नहीं था, तब एक रानी ने इतना बड़ा काम किया। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर को आज मिजोरम, मेघालय से लेकर कर्नाटक, अंडमान निकोबार, केरल तक लोग याद कर रहे हैं। मुरादाबाद, उत्तराखंड, कर्नाटक में उनकी प्रतिमा स्थापित हुई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में

यूपी सरकार और ऑस्ट्रेलिया के मोनाश विवि में हुआ करार

लखनऊ, 29 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय और यूपी सरकार के बीच बृहस्पतिवार को एमओयू साइन किया गया। इस दौरान सीएम योगी भी मौजूद रहे। यह एमओयू प्रदेश के बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्रों एवं अध्यापनरत शिक्षकों के लिए शोध-अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहयोग के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा को केवल डिग्री अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि राज्य के समग्र विकास की धुरी मानती है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी राज्य के शिक्षा तंत्र में गुणवत्ता, नवाचार और वैश्विक दृष्टिकोण का समावेश करेगी और युवाओं को विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने इस एमओयू को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप बताते हुए कहा कि यह बहुआयामी अधिगम, कौशल विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को गति देगा। उन्होंने वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ प्रदेश की पूर्व सहभागिता का उल्लेख करते हुए कहा कि अब मोनाश यूनिवर्सिटी के साथ यह गठबंधन शिक्षा के वैश्विक मानकों की ओर एक और बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा कि इस सहयोग का केंद्र गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय होगा, जो इस साझेदारी को धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के कुलपति को इस उत्तरदायित्व का सफल निर्वहन सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया।

इंदिरा नहर में पानी कम होने से परेशान थीं डॉल्फिनें

डॉल्फिनों को रेस्क्यू कर घाघरा में छोड़ा गया

लखनऊ, 29 मई (एजेंसियां)। इंदिरा नहर में बहकर आईं डॉल्फिन मछलियों के कुनबे को वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू करके घाघरा नदी में छोड़ दिया। इंदिरा नहर में जलस्तर कम होने से डॉल्फिन व्याकुल होने लगी थीं। लेकिन, समय रहते वन विभाग की टीम ने उन्हें रेस्क्यू कर लिया। राजधानी लखनऊ में नगराम इलाके से गुजरने वाली इंदिरा नहर में बुधवार को बहकर आई डॉल्फिन मछलियों के कुनबे के छह सदस्यों को वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया। इसके बाद उन्हें सुरक्षित घाघरा नदी में पहुंचा दिया गया। शारदा की सहायक पोषक नहर (इंदिरा नहर) के हेड से डॉल्फिन मछलियों का कुनबा नगराम इलाके में पहुंच गया। यहां जल स्तर कम होने से ये मछलियां व्याकुल होने लगीं।

इसकी सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग को दी थी। इस पर लखनऊ मंडल की अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. रेणु सिंह के निर्देश पर डीएफओ सितांशु पांडेय ने तत्परता दिखाई। इसके बाद उप प्रभागीय वन अधिकारी मोहनलालगंज-चंदन चौधरी की टीम, सरोजनीनगर रेंज की टीम व वन सुरक्षा बल की टीमों की साझी मशक्कत से इंदिरा नहर के अचलीखेड़ा बैराज क्षेत्र में फंसी हुई इन छह डॉल्फिनों को सुरक्षित बचाकर उनके प्राकृतिक आवास घाघरा नदी बाराबंकी में पहुंचा दिया गया। तकनीकी सहायता व पशु-चिकित्सीय विशेषज्ञता के लिए टीएसए इंडिया की टीम की भी भूमिका रही।

ऑपरेशन पांच चरणों में हुआ, जिसमें वन विभाग की टीम ने सतर्कता और तकनीकी दक्षता के साथ पहले चरण में एक मादा डॉल्फिन को सुरक्षित बाहर निकाला गया। दूसरे चरण में एक मादा डॉल्फिन और उसके एक शावक को, तीसरे और चौथे चरण में दो और मादा डॉल्फिनों को बचाया गया। आखिरी व पांचवें चरण में एक नवजात डॉल्फिन शावक को सुरक्षित बचा कर, घाघरा नदी में छोड़ दिया गया।

संपादकीय

नए भारत में बुनियादी सवाल

भारत अब 357 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था है। आजाद भारत ने 'शून्य' से अपना सफर शुरू किया था, क्योंकि हम सुई तक का उत्पादन करने में असमर्थ थे। सात दशकों की 'अजेय' यात्रा के बाद आज भारत हवाई जहाज भी बनाता है और विश्व की चौथी सबसे बड़ी घोषित अर्थव्यवस्था है। नई अर्थव्यवस्था के कुछ पहलू, आयाम और अहम सवाल छूट गए थे, जिनका मूल्यांकन और विश्लेषण आज कर रहे हैं। नीति आयोग के मुताबिक, देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 60 फीसदी हिस्सेदारी शहरों की है और 40 फीसदी योगदान ग्रामीण क्षेत्रों का है, लेकिन आज भी देश की 45-46 फीसदी कामकाजी आबादी खेती पर ही निर्भर है। उसकी आय का बुनियादी स्रोत खेती ही है, लेकिन जीडीपी में खेती का योगदान मात्र 16 फीसदी रह गया है, जो कभी 50 फीसदी होता था। देश का औसत किसान गरीब और कर्जदार है, आत्महत्या करने को विवश है। प्रधानमंत्री की किसान सम्मान के तौर पर 6000 रुपए सालाना की खैरात बांटनी पड़ रही है। आजाद देश में न तो किसान की आय बढ़ी है और न ही उसकी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी दी गई है। लगातार मामला लटकता रहा है। भारत सरकार स्पष्ट क्यों नहीं करती? जीडीपी में सबसे अधिक 53.66 फीसदी योगदान सर्विस सेक्टर का है। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का योगदान करीब 31 फीसदी है। हालांकि 99 फीसदी से अधिक मोबाइल अब भारत में ही बनते हैं। करीब 300 फैक्टरियां काम कर रही हैं। इस संदर्भ में 'एप्पल' और 'सैमसंग' सरीखी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के नाम उल्लेखनीय हैं, जिनके मोबाइल, आईफोन भारत में ही बन रहे हैं, लेकिन भारत अभी चीन की तरह 'मैन्युफैक्चरिंग हब' नहीं बन सका है। दुनिया की सर्वोच्च पांच अर्थव्यवस्थाओं में भारत में ही श्रम-बल का औसत सबसे कम है। महिला श्रम-बल का औसत 41.7 फीसदी है। दोनों लिंगों का औसत श्रम-बल भी करीब 42 फीसदी है। अर्थात शेष आबादी के पास काम नहीं है या वह बिल्कुल बेरोजगार है। नतीजा यह है कि देश में बेरोजगारी दर 4.9 फीसदी है, जो चीन के बाद (5.1 फीसदी) सर्वाधिक है। भारत में 15-29 वर्ष के आयु-वर्ग को सबसे उर्वर माना जाता है। वह देश की अर्थव्यवस्था का बुनियादी लाभांश है, लेकिन उस आयु-वर्ग में भी बेरोजगारी 16 फीसदी से अधिक है। यह चिंतित और संवेदनशील सवाल है। बेशक भारत आज मिसाइल, हेलीकॉप्टर और रक्षा-उपकरणों का इतना उत्पादन करने लगा है कि 50 से अधिक देशों को निर्यात कर रहा है। यह सूची बढ़ती जा रही है, लिहाजा रक्षा-क्षेत्र से भारत का राजस्व भी बढ़ रहा है। आज देश में करीब 1.5 लाख वर्ग किलोमीटर का मजबूत, आधुनिक बुनियादी ढांचा है, जिसमें निरंतर विस्तार हो रहा है। देश में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़ कर 159 हो गई है। नए हवाई अड्डे भी निर्माणाधीन और योजनारत हैं। 2025 में देश में मेट्रो रेल नेटवर्क 1011 किलोमीटर का हो गया है। देश में औसत व्यक्ति के पास डिजिटल लॉकर और यूपीआई की सुविधा है। भारत में विदेशी मुद्रा का भंडार करीब 690 अरब डॉलर है और नई अर्थव्यवस्था की घोषणा के बाद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी बढ़ रहा है, लेकिन यह भी अहम सवाल है कि भारतीय अरबपति और उनकी कंपनियां विदेशों में अधिक निवेश क्यों कर रही हैं? बेशक भारत आज 357 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था है, लेकिन शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में आज भी जीडीपी का क्रमशः 3 और 2 फीसदी ही खर्च क्यों किया जा रहा है? यह कमोबेश 5-6 फीसदी तो होना ही चाहिए। आईएमएफ की रपट में कहा गया है कि भारत खपत के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं है। यही इसकी ताकत है। भारत की अर्थव्यवस्था उपभोग पर आश्रित है, जबकि चीन की अर्थव्यवस्था निर्यात पर आधारित है। हम एक लोकतांत्रिक देश हैं, लिहाजा हमारी अर्थव्यवस्था खुली है। चीन एक कम्युनिस्ट देश है, जो लगभग तानाशाही के करीब है, लिहाजा उसकी अर्थव्यवस्था बंद और रहस्यमयी है। उपभोग बढ़ेगा, तो बाजार में मांग और खरीद बढ़ेगी, नतीजतन उत्पादन बढ़ेगा। उसी तरह अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा। कुछ सवाल यथार्थमयी हैं, उनका समाधान दिया जाना चाहिए। यह भी सच है कि आर्थिकी के मामले में अमरीका और चीन हमसे काफी ज्यादा आगे हैं। अमरीका का मुकाबला करने के लिए भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। इसी तरह चीन भी हमसे लगभग दोगुना आगे है। भारत को भी मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए ठोस प्रयास होने चाहिएं। मेड इन इंडिया इस लक्ष्य को साधने के लिए एक कुंजी हो सकती है।

सात दशकों की 'अजेय' यात्रा के बाद आज भारत हवाई जहाज भी बनाता है और विश्व की चौथी सबसे बड़ी घोषित अर्थव्यवस्था है। नई अर्थव्यवस्था के कुछ पहलू, आयाम और अहम सवाल छूट गए थे, जिनका मूल्यांकन और विश्लेषण आज कर रहे हैं। नीति आयोग के मुताबिक, देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 60 फीसदी हिस्सेदारी शहरों की है और 40 फीसदी योगदान ग्रामीण क्षेत्रों का है, लेकिन आज भी देश की 45-46 फीसदी कामकाजी आबादी खेती पर ही निर्भर है। उसकी आय का बुनियादी स्रोत खेती ही है, लेकिन जीडीपी में खेती का योगदान मात्र 16 फीसदी रह गया है, जो कभी 50 फीसदी होता था। देश का औसत किसान गरीब और कर्जदार है, आत्महत्या करने को विवश है। प्रधानमंत्री की किसान सम्मान के तौर पर 6000 रुपए सालाना की खैरात बांटनी पड़ रही है। आजाद देश में न तो किसान की आय बढ़ी है और न ही उसकी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी दी गई है।

पिछले दस सालों से जम्मू-कश्मीर को छोड़कर देश का शेष हिस्सा आतंकवाद की मार से बचा रहा

आतंकवाद को आतंकित करने की मोदी नीति

सैन्य नीति में कहा जाता है, आक्रमण ही सबसे बढ़िया रक्षा है। अब ऐसा लगता है कि मोदी सरकार इस नीति पर चल पड़ी है। पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे आतंकवाद के खिलाफ हम पिछले 45 सालों से बचाव की नीति पर चल रहे थे। इसका नतीजा यह था कि आतंकवादी पूरे देश में दनदनाते घूम रहे थे। इतने बड़े देश में सभी को सुरक्षा देना संभव नहीं है, इसलिए गुप्तचर एजेंसियों और सुरक्षा बलों की भरपूर कोशिशों के बावजूद भारत लगातार आतंकवादी हमले झेल रहा था। आतंकवाद के कारण भारत के 20000 निर्दोष नागरिकों को असमय अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। इसके अलावा भारत की जो आर्थिक हानि हुई है और उसके विकास को चोट पहुंची है, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। आतंकवाद के बारे में कहा भी जाता है कि आतंकवादी हमले से बचने के लिए सुरक्षाबलों को हर बार कामयाब होना पड़ता है लेकिन आतंकवादियों को सिर्फ एक बार कामयाब होने की जरूरत होती है। 1980 से लेकर अब तक भारत के कोने-कोने में आतंकवादी हमले होते रहे हैं। 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्यवाही शुरू की गई जिसके परिणामस्वरूप आतंकवाद को जम्मू-कश्मीर तक सीमित कर दिया गया। पिछले दस सालों से जम्मू-कश्मीर को छोड़कर देश का शेष हिस्सा आतंकवाद की मार से बचा रहा है। इसके बावजूद जम्मू-कश्मीर में आज भी आतंकवादी हमले जारी हैं। अब मोदी सरकार ने तय कर लिया है कि आतंकवाद को पूरे देश से समाप्त कर देना है और इसके लिए आतंकवादियों के आका पाकिस्तान के खिलाफ कार्यवाही करने का मन बना लिया गया है। पाकिस्तान बड़े-बड़े आतंकवादी हमलों के बाद भारत की प्रतिक्रिया से ये मान चुका था कि भारत एक कमजोर राज्य है। इसके खिलाफ बड़े से बड़ा हमला कर दो लेकिन वो कुछ करने वाला नहीं है। आतंकवाद के इतिहास में दो बार ऐसा हुआ है जब पाकिस्तान ने भारत पर सीधा हमला किया है। एक बार लोकतंत्र के मंदिर संसद को निशाना बनाया गया और दूसरी बार देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बड़ा आतंकवादी हमला करके 166 भारतीय नागरिकों को मौत के घाट उतार दिया गया। ये ऐसे दो मौके थे जब पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की जरूरत थी लेकिन तत्कालीन सरकारें इसमें नाकामयाब रही। 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद 2016 में उरी में हुए आतंकवादी हमले के बाद पहली बार भारत सरकार ने पाकिस्तान को जवाब दिया। पीओके में भारतीय सेना ने घुसकर आतंकवादी कैंप को उड़ा दिया। दूसरी बार 2019 में पुलवामा में बड़ा आतंकवादी हमला करके 40 सीआरपीएफ जवानों को शहीद कर दिया गया। मोदी सरकार ने इसके जवाब में पाकिस्तान स्थित बालाकोट में आतंकवादी कैंप पर हवाई हमला करके आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया। इन दो कार्यवाहियों से भारत ने पाकिस्तान को बताया कि हम अब आतंकवादी हमलों पर चुप नहीं बैठेंगे बल्कि उसका जवाब देंगे। आतंकवादियों को पाकिस्तान में घुसकर मारा जायेगा। पाकिस्तान ने इसे गंभीरता से नहीं लिया

पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे आतंकवाद के खिलाफ हम पिछले 45 सालों से बचाव की नीति पर चल रहे थे। इसका नतीजा यह था कि आतंकवादी पूरे देश में दनदनाते घूम रहे थे। इतने बड़े देश में सभी को सुरक्षा देना संभव नहीं है, इसलिए गुप्तचर एजेंसियों और सुरक्षा बलों की भरपूर कोशिशों के बावजूद भारत लगातार आतंकवादी हमले झेल रहा था। आतंकवाद के कारण भारत के 20000 निर्दोष नागरिकों को असमय अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। इसके अलावा भारत की जो आर्थिक हानि हुई है और उसके विकास को चोट पहुंची है, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। आतंकवाद के बारे में कहा भी जाता है कि आतंकवादी हमले से बचने के लिए सुरक्षाबलों को हर बार कामयाब होना पड़ता है लेकिन आतंकवादियों को सिर्फ एक बार कामयाब होने की जरूरत होती है।

और 22 अप्रैल 2025 में कश्मीर घाटी के पहलगाम में बड़ा आतंकवादी हमला करके 26 निर्दोष लोगों की हत्या करवा दी। इस हमले के बाद भारत सरकार ने जो कार्यवाही की है, उसने बता दिया है कि अब जवाब बड़ा होगा और कितना बड़ा होगा, ये हम तय करेंगे। 26 लोगों के बदले 9 आतंकवादी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया गया। इसके जवाब में जब पाकिस्तानी सेना ने भारत के 26 शहरों पर हमला किया तो पाकिस्तानी सेना के 11 सैन्य हवाई अड्डों को तबाह कर दिया गया। इसके अलावा पाकिस्तानी सेना को बड़ा नुकसान पहुंचाया गया है। भारत ने 2025 में आतंकवाद के खिलाफ नई नीति बना ली है। 2016 और 2019 में की गई कार्यवाही आतंकवादी हमले का बदला लेने की कार्यवाही प्रतीत होती है लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत की गई कार्यवाही को आतंकवादी हमले का बदला नहीं कहा जा सकता बल्कि ये कार्यवाही पाकिस्तान को दंड देने की कार्यवाही है। प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा कर दी है कि अब वो आतंकवादी और उनके नेता, पाकिस्तान की सेना और सरकार को एक मानते हैं। अब अगर भारत पर आतंकवादी हमला होगा तो भारत उसका दंड सिर्फ आतंकवादियो को नहीं देगा बल्कि पाकिस्तान की सेना और सरकार को भी उसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी। ऑपरेशन सिंदूर ने पहली बार आतंकवादियो, पाकिस्तान की सेना और सरकार को आतंकित कर दिया है। अब भारत पर आतंकवादी हमले का डर भारत से ज्यादा पाकिस्तान को हो रहा है। ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी अब आतंकवाद के खिलाफ आतंक का इस्तेमाल करना चाहते हैं। वास्तव में आतंकवादी और उनके आका पाकिस्तान को यही भाषा समझ आती है। जैसे पहले भारत सरकार हर समय आतंकवादी हमले से डरी रहती थी अब आतंकवादी हमले का डर पाकिस्तान के आतंकियों और उसकी सेना एवं सरकार को सता रहा है। मोदी सरकार ने घोषणा कर दी है कि अब वो आतंकवादी हमले को एक्ट ऑफ वॉर की नजर से देखेगी और उसका जवाब सैन्य कार्यवाही के रूप में देगी। कार्यवाही की मात्रा और तरीका भारतीय सेना तय करेगी। वैसे मोदी सरकार को पाकिस्तान पर पूरा भरोसा है कि वो फिर आतंकवादी हमला करवा सकता है। यही कारण है कि भारत सरकार ने घोषणा की है कि ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है, सिर्फ रोका गया है। ऑपरेशन सिंदूर को जारी रखने की बात कहकर पाकिस्तान को संदेश दे दिया गया है कि इस बार आतंकवादी हमले का बड़ा जवाब दिया जाएगा। भारत जैसे बड़े देश के लिए पाकिस्तान जैसे छोटे देश से बदला लेने की बात करना सही नहीं लगता है। इसलिए भारत दुनिया को संदेश देना चाहता है कि अब वो बदला नहीं लेगा बल्कि पाकिस्तान को ऐसा दंड देगा कि वो भविष्य में भारत पर हमला करने से पहले सौ बार सोचे। वास्तव में भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और पाकिस्तान के साथ अपनी तुलना नहीं चाहता है। भारत पाकिस्तान सहित अपने दुश्मनों के मन में ऐसा खौफ पैदा करना चाहता है कि वो भारत की तरफ आंख उठाकर देखने की हिम्मत ही न कर सकें। सिर्फ तीन दिन के युद्ध में भारत ने पाकिस्तानी सेना की रक्षा और आक्रमण करने की क्षमता ही खत्म कर दी। 10 मई को पाकिस्तान ऐसी हालत में पहुंच गया था कि वो न तो भारत पर हमला कर सकता था न ही भारतीय हमले को रोक सकता था। सिर्फ कुछ घंटो में पाकिस्तानी सेना की ऐसी हालत करके भारत ने संदेश दिया है कि अब भी वक्त है रूक जाओ अन्यथा अगली कार्यवाही कई गुना बड़ी हो सकती है। इस बार तो भारत ने युद्ध-विराम कर लिया लेकिन अगली बार हो सकता है कि युद्ध-विराम तक पाकिस्तान की पूरी सेना बर्बाद कर दी जाये। सिंधू जल समझौता भी निलंबित रखा गया है ताकि पाकिस्तान को सुधरने का मौका दिया जाए। भारत ने कहा है कि अगर पाकिस्तान की सरकार आतंकवाद के खिलाफ ऐसी कार्यवाही करती है जिसका बड़ा असर हो तो भारत इस समझौते पर बात करने को तैयार है। मोदी ने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि आतंकवाद रोकने तक पाकिस्तान से कोई बात नहीं होगी। भारत ने तय कर लिया है कि अब आतंकवाद को जड़ से खत्म करना है और ऐसा सिर्फ पाकिस्तान के द्वारा आतंकवाद की नीति को छोड़ने पर ही होगा। नक्सलवाद के खिलाफ भारत ने आक्रामक कार्यवाही करके उसको जड़ से उखाड़ने का फैसला कर लिया है और उसका परिणाम सामने है। अब भारत आतंकवाद के खिलाफ भी पूरी तरह से आक्रामक हो गया है। पीएम मोदी ने पाकिस्तानी जनता को सम्बोधित करते हुआ कहा है कि सुख-चैन की रोटी खाओ अन्यथा मेरी गोली तो है। इसका सीधा मतलब है कि अब भारत आतंकवाद से अपने देश की रक्षा नहीं करेगा बल्कि आतंकवाद पर आक्रमण करेगा और उसको जड़ से मिटा देगा। अगर पाकिस्तान नहीं सुधरा तो उसके अस्तित्व को खतरा पैदा हो सकता है। अब भारत की नीति आतंकियों और उनके आका पाकिस्तान को आतंकित करने की है। अब भारत नहीं, उन्हें डरना होगा कि अगर आतंकवादी हमला किया तो अंजाम सोच से परे होगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय सेना को मोदी सरकार ने 11 साल में इतना शक्तिशाली बना दिया है कि पाकिस्तान की सेना उसके मुकाबले बहुत कमजोर दिखाई दे रही है। मोदी सरकार लगातार भारतीय सेना को ताकतवर बना रही है ताकि भारत के दुश्मनों में आतंक बना रहे कि भारत पर हमला करने का क्या अंजाम हो सकता है। आज जैसी कार्यवाही भारतीय सेना से पाकिस्तानी सेना पर की है, क्या ऐसी कार्यवाही भारतीय सेना 2019 में कर सकती थी।

देश दुनिया से

कृषि विश्वविद्यालय के पेंशनरों की सुध लो

पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, लुधियाना ने पालमपुर में 3 अगस्त, 1966 को अपना तीसरा परिसर खोला, एक कृषि महाविद्यालय के रूप में, ताकि पर्वतीय खेती पर विशेष ध्यान दिया जा सके। कुलपति एएल फलेचर, आईसीएस ने इसका उद्घाटन किया घुग्गर (पालमपुर) में एक किराए के भवन में। डा. हेतराम कालिया इस कालेज के पहले डीन बने। फिर सन-1968 में एग्रीकल्चर कालेज पालमपुर के अपने भवन का उद्घाटन भारत के तत्कालीन उप प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने किया सन-1968 में। एक नवंबर, 1978 को हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर की स्थापना हुई। उद्घाटन राष्ट्रपति नीलम संजीवा रेड्डी के कर कमलों से हुआ। शांता कुमार तब हिमाचल के मुख्यमंत्री थे और इस संस्था के सूत्रधार संरक्षक थे। उस समय दो ही महाविद्यालय थे अर्थात कृषि महाविद्यालय और बेसिक साईंस कालेज। बाद में होम साईंस एवं वैटरिनरी कालेज की स्थापना भी हुई। एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग कालेज भी खुलना था, परंतु खुल नहीं पाया। सन-1970 तक पालमपुर परिसर पंजाब कृषि विश्वविद्यालय का हिस्सा था। सन-1970 से 1978 तक यह हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी का अंग था। सोलन का राजकीय कृषि महाविद्यालय भी साथ ही था। और 1978 में कृषि विश्वविद्यालय स्थापित होने पर कृषि शिक्षा, अनुसंधान तथा प्रसार की गतिविधियां उत्कर्ष पर थीं और विश्वविद्यालय की ख्याति न केवल प्रदेश में, अपितु देश-विदेश में भी फैलने लगी थी। आज भी पालमपुर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक देश के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हैं। भरी पूरी यूनिवर्सिटी और आज आप देखें, यहां भवन तो हैं और भी बन रहे हैं, छात्र तो हैं, लेकिन अध्यापक बहुत कम। अनुसंधान के लिए भी संसाधन कम हुए हैं। एक ही एडवाइजर के पास छह-छह, सात-सात पीएचडी स्टुडेंट्स। कर्मचारी टीचिंग स्टाफ भी बहुत कम बचा है। पेंशनर 1800 के लगभग हैं। प्रसार शिक्षा निदेशलय में एक निदेशक और एक वैज्ञानिक हैं। कभी यह भरा रहता था, हलचल रहती थी। पेंशनर्ज त्राहिमाम त्राहिमाम करते पेंशन सैल के बार-बार चक्कर लगाते हैं, क्योंकि कुछ भी समय पर नहीं मिलने की आशंका बनी रहती है। यूनिवर्सिटी की आर्थिक स्थिति मरणासन्न है। वर्तमान में 515 कर्मचारी हैं तथा 1700 के करीब पेंशनर फैमिली पेंशनर हैं, जिनके लिए हिमाचल सरकार से 11.2 करोड़ मासिक ग्रांट मिलती है और खर्चा होता है 13.10 करोड़। प्रति मास दो करोड़ से अधिक कम मिलता है सरकार से। एक सौ पंद्रह पेंशनर्ज की लीव एनकैशमेंट के साढ़े बारह करोड़ रुपए देने बाकी हैं। और बाईस के बाद की कम्युटेशन राशि 27 करोड़ पेंडिंग है। एरियर्ज मेडिकल रिइम्बर्समेंट के बिलों का भुगतान तो 2022 के बाद हुआ ही नहीं। और भी बहुत से एरियर्ज हैं जिन्हें देने का यूनिवर्सिटी नाम ही नहीं लेती। सन-2016 और 2022 के बीच जो लोग रिटायर हुए, उन्हें पूरा भुगतान नहीं हुआ। सन-2023 में जो लोग टीचर-नान टीचर्ज रिटायर हुए हैं, उन्हें तो कुछ भी नहीं मिला और न ही मिलने की अभी कोई उम्मीद दिखाई देती है। व्यक्तिगत तथा पेंशनर्ज सभा हिमाचल हाईकोर्ट में यूनिवर्सिटी के विरुद्ध बार-बार जा रही है, परंतु कुछ बात बन नहीं रही है। और आश्चर्य की बात तो यह है कि जहां कोर्ट कोई निर्णय पेंशनर्ज के हक में दे भी देती है, तो यूनिवर्सिटी ने अब यह लिख कर देना शुरू कर दिया है कि यूनिवर्सिटी को जब सरकार से पैसा आ जाएगा तब हम रिलीज कर देंगे। ऐसी स्थिति में पेंशनर करें तो क्या करें? कोई न कोई निदान तो निकालना पड़ेगा ही। कभी सुनते थे कि अमुक प्रदेश में कर्मचारियों-अधिकारियों को रिटायरल बेनिफिट नहीं मिले तो वहां के पेंशनर्ज ने अपने-अपने दफ्तर या कार्यस्थल पर ताले लगा लिए और तब तक अपना कब्जा नहीं छोड़ा, जब तक उन्हें उनका बकाया नहीं मिल गया। लेकिन जिन लोगों ने इस विश्वविद्यालय को अपने तन-मन प्राण से सींचा है, उनके साथ ऐसा व्यवहार तो नहीं ही कर सकते। पैसा ही सब कुछ नहीं, परंतु रिटायरमेंट के बाद पैसा ही बहुत कुछ हो जाता है। सन-23 में सेवानिवृत्त हुए प्रोफैसरों-कर्मचारियों को कोई भी वित्तीय लाभ न मिलना संशय तो पैदा करता है कि कहीं पेंशन भी बंद न हो जाए। हिमाचल सरकार ने ओल्ड पेंशन स्कीम दोबारा लागू करके प्रशंसनीय काम तो किया ही है, परंतु उसे ओल्ड पेंशन नियमों के अंतर्गत रिटायर हुए पेंशनरों की नियमित पेंशन एवं रिटायरल बेनिफिट्स का समय पर भुगतान सुनिश्चित करना ही होगा। कुछ वर्ष पहले हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय सभा ने यूनिवर्सिटी एवं हिमाचल सरकार से आग्रह किया था कि समस्या का कोई पक्का एवं टिकाऊ समाधान निकालना चाहिए और यह भी सुझाया था कि पंतनगर एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी तथा हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी की तर्ज पर कृषि विश्वविद्यालय के पेंशनर्ज को पेंशन का भुगतान सरकारी ट्रेजरी के माध्यम से शुरू कर दिया जाए। इससे लिटिगेशन भी कम होगी तथा आवंटन में व्यवस्था तथा पेंशनर्ज में आश्वस्ति और संतोष भी हो जाएगा। देर आए दुरुस्त आए, अब भी इस योजना को लागू कर देना चाहिए, ताकि पेंशनर्ज को इंसाफ मिल जाए।

कुछ अलग

सच का वायरस

वे रोज मिलते रोज हैं, सो कल फिर मिले। पर मुंह पर मास्क लगाए तो मैं डरा कि कहीं फिर कोई वायरस तो नहीं आ गया होगा? अब सर्दी खांसी होने पर मुंह पर मास्क लगाने के दिन गए। बदतमीजियां करके मुंह छिपाने के दिन गए। अब तो जनाब! अव्वल दर्जे की बदतमीजियां करने के बाद नजरें झुकाने के बदले मुंह फाड़ फाड़ मंचों पर मुस्कुराने के दिन हैं। वैसे वायरसशील समाज में कोई वायरस आते कौनसी देर लगती है? वायरस को समाज में आने के लिए कौनसी समाज की परमिशन लेनी होती है? अब तो भाई साहब! आदरणीय से आदरणीय बिन परमिशन के बिजली के खंभे से सीधा बिजली का कनेक्शन ले लेते हैं। जल शक्ति विभाग की मेन पानी की पाइप से आदरणीय से आदरणीय बिन परमिशन पानी का कनेक्शन ले लेते हैं। अब परमिशन नहीं, मिशन का जमाना है। वैसे छोटी मोटी बीमारियां अब मेरे घर की परमानेंट सदस्य हो गई हैं। वे मेरे साथ वैसे ही घुलमिल गई हैं जैसे चाय में चीनी। शरबत में पानी। या फिर बुढ़ापे में जवानी। जिस दिन घर का कोई समझदार मुझसे पूरी शिद्दत से सीना तान पूरे आत्मविश्वास से झूठ नहीं कह लेता, लगता है, जिंदगी का वह दिन बेकार गया। जिस दिन घर का कोई समझदार सीना तान पूरी शिद्दत से मेरा उल्लू नहीं बना लेता, लगता है, जिंदगी का वह दिन बेकार गया। जिस दिन घर का कोई समझदार से समझदार पूरी शिद्दत से सीना तान सिर गर्व से उठाए, मुझसे बदतमीजी नहीं कर लेता, लगता है, जिंदगी का वह दिन बेकार गया। इसलिए जिंदगी में रवानगी के लिए आपस में पूरी निष्ठा से झूठ बोलते रहना चाहिए। सिर झुकाए नहीं, अपितु सिर उठाए बदतमीजियां होती रहनी चाहिएं। ऐसा होने पर कम से कम एक दूसरे से जुड़े रहने का अहसास बना रहता है। आखिर जब मुझसे उनके मुंह पर मास्क लगाने का कारण सॉल्व न हुआ तो मैंने उनसे पूछ ही लिया, 'बंधु! अब मुंह पर ये मास्क क्यों? क्या ये निकट भविष्य में आने वाले किसी वायरस के आने की चेतावनी है या...?' तो वे मुझे कोने जैसे में ले जाकर अपने मुंह पर से मास्क हटा बोले, 'यार! मुझमें सच बोलने का वायरस आ गया है। वायरसों के जितने भी प्रकार हैं, सच का वायरस उन सबमें सबसे खतरनाक होता है दोस्त! जिसमें ये वायरस आ जाता है, वह न चैन से मर पाता है, न चैन से जी पाता है। न सच कह पाता है, न चुप रह पाता है। मैं जितनी कोशिश करता हूं कि सच जानते हुए भी सच न कहूं, पर ये वायरस बदतमीज उतना ही मेरा मुंह खुलवा सच बकवाने लग जाता है। अपनों के बीच बहुत फजीहत करवा दी है इस वायरस ने अब मेरी।

आप का नजरिया

बिच्छू चारों तरफ

विमल नेगी मौत प्रकरण के बिच्छू चारों तरफ घूम रहे हैं और इसलिए परिस्थितियां 'काटो तो खून नहीं' जैसी होने लगी हैं। जो फाइल जांच की गरिमा में, प्रदेश की कानून व्यवस्था को प्रमाणित कर सकती थी, वहां अब कुछ पुलिस के छींटे और कुछ सियासत के धब्बे उभर आए हैं। कहीं अदालत ने अपनी आशंकाओं के चलते सीबीआई को निमंत्रण दे दिया, तो कहीं अपनी ही कसौटियों में फंसी राज्य की व्यवस्था पर सरकार के स्पष्टीकरण भी सामने आ रहे हैं। सीबीआई का ऐसे किसी प्रदेश में नाम ही काफी है, जहां सरकार विपक्षी पार्टी की धार से बनी हो। अब निष्पक्षता की दुहाई पर राज्य को अपने सरोकार दिखाते हुए, सीबीआई की अदालत तक नेक नीयत दिखानी होगी। दिल्ली से लौटे मुख्यमंत्री के वक्तव्यों में हिमाचल गूंज रहा है। वहां साफ-सफाइयों का दौर, बेवफाइयों से हर्ष महाजन का राज्यसभा पहुंचने के दौर में और भी वजह हैं कि इस दौर के टकराव को टूटने से बचाया जाए। सियासत के मंच पर गुडिया कांड के बाद नेगी मौत प्रकरण का पारा चढ़ रहा है। हमलावर भाजपा ने गुडिया कांड के हर पहलू से जिस तरह तत्कालीन कांग्रेस को हल्का किया था, ठीक वही दबाव आज की परिस्थियों के पल्ले पड़ा है। यहां सरकारी जांच के तीन पैमाने अगर अदालत में खनके हैं, तो डीजीपी, ओंकार शर्मा और एसपी शिमला के कृतित्व में वर्तमान राज्य सरकार का व्यक्तित्व फंसा है। ऐसा प्रतीत होता है कि अब प्रतिक्रियाओं के ऊंट अपनी करवटें बदल रहे हैं। जिस नेगी मौत प्रकरण के पीछे तीन-तीन अधिकारियों की जांच परख घूम रही थी, वह अब जांच के ऐसे दौर की ओर घूम गई है, जहां प्रदेश की व्यवस्था को अग्निपरीक्षा देनी होगी। हर अधिकारी अपने दायित्व में सांप और सीढ़ी का खेल बना कर लूडो की गिट्टियां फेंट रहा था। एक जांच के तीन मुखौटे और तीन जुबानें आखिर किसे डरा और किसे काट रही थीं, यह अब सीबीआई जांच की ऐसी परिधि है, जो हिमाचल के कानूनी दूध को छान सकती है। अंततः एक अधिकारी की संदिग्ध मौत के कारणों की जांच इतनी क्यों उलझ गई कि अदालत ने हिमाचल पुलिस की जांच को ही छानते हुए, नए सिरे से सीबीआई के सुपुर्द सारा विश्वास सौंप दिया। पुलिस बनाम अदालत के फरमान, जो कहानी पेश कर चुके हैं, वहां हिमाचल का आशंकित होना स्वाभाविक है। विमल नेगी मौत प्रकरण की आगामी जांच जिन पहलुओं पर होगी, वहां कई साये और संदेह पहले से ही मौजूद हैं। गुडिया कांड के बाद नेगी मौत प्रकरण का सीबीआई तक पहुंचना पुलिस व्यवस्था पर प्रश्न उठा रहा है। हिमाचल के माहौल में आ रही गिरावट के कई कारण व पात्र हो सकते हैं, लेकिन इन सबके बीच राजनीति की अपनी गिरावट भी है। प्रदेश के आदर्श जब सियासत और सत्ता की कठपुतली बनकर नाच रहे हैं, तो शक्तियों के कई संगठन चारों तरफ दखल देना चाहते हैं। जब राज्य की पद्धतियों में राजनीतिक आचरण सबसे शक्तिशाली प्रतीक बन जाए, तो हर फर्ज और हर धर्म में इसका हस्तक्षेप बढ़ जाता है।

दृष्टि कोण

प्राकृतिक-अप्राकृतिक उथल-पुथल से डगमग दुनिया

भारत और पाकिस्तान के मध्य सैन्य संघर्ष, देश व दुनिया में राजनीतिक-सामरिक उथल-पुथल, देश के अंदर उपस्थित विरोधी शक्तियों की भारतविरोधी गतिविधियां, कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू में पहली बार छत्तीस से भी अधिक घंटों तक हुई तेज मूसलाधार वर्षा, वर्षा के कारण अस्त-व्यस्त व परास्त प्रांत, इस कारण 8-9 लोगों की मृत्यु, राजधानी दिल्ली सहित पूर्वोत्तर दक्षिण-पश्चिम व मध्य भारत में वातावरण का अकल्पनीय परिवर्तन, सिंगापुर व हांगकांग में कोरोना के रोगियों में वृद्धि, दुनियाभर में एक बार पुनः कोरोना के परिवर्तित विषाणु के संक्रमण की आशंकाएं, मौसम का अति अप्रत्याशित असंतुलन, तेज हवाएं, आंधी-तूफान, धूल से भरा हुआ वायुमंडल, धुंध से लिपटा हुआ नभ व क्षितिज, कहीं अत्यधिक घुटनभरा पर्यावरण तो कहीं सहन करने की सीमा से अधिक गर्मी, कहीं किसी भूभाग या पर्वतीय क्षेत्र में शीताधिकता, ये सभी घटनाक्रम प्रतिदिन ही जीवन को प्राकृतिक विप्लव से अस्थिर कर रहे हैं। मानवीय जीवन के पूर्ण विनाश का पूर्वाभ्यास निरंतर इसी प्रकार हो रहा है। ऐसे में बार-बार याद आता है कि कभी किसी स्थिर समयकाल में ऋतुओं की छह श्रेणियां होती थीं। प्रत्येक श्रेणी अपनी संपूर्ण अवधि की जलवायु को अपनी प्राकृतिक विशिष्टता के साथ अनुरक्षित रखा करती थी। तब प्राकृतिक असंतुलन की चिंता दैनिक चिंता नहीं होती थी। कितना जीवनोचित कालखंड रहा होगा वह! उस समयावधि में जिन्होंने जीवन व्यतीत किया होगा, वे वास्तव में प्राकृतिक रूप में भाग्यशाली रहे होंगे। किंतु अब ऐसा जीवन नहीं है। अब मनुष्य का ऐसा भाग्य नहीं। प्राकृतिक उथल-पुथल की अधिकता के बाद भी अधिसंख्य मनुष्यों के मन-मस्तिष्क भावी जीवन-परिस्थितियों के लिए विशेष रूप में जागरूक नहीं हैं। उनकी निरंतर बढ़ती भौतिक इच्छाएं-अभिलाषाएं उन्हें ये तक सोचने-विचारने का अवसर नहीं दे रहीं कि एक दिन उनका जीवन जलवायु विकृतियों के भयंकर दुष्चक्र में बंधकर उन्हें निरुपाय पीड़ित छोड़ देगा। जीवन की प्रमुख आवश्यकताओं खाद्यान्न और जल के स्रोतों, संसाधनों और प्रचक्र पर पंचतत्त्वों की अस्थिरता एवं विकृतता का सर्वाधिक दुष्प्रभाव हुआ है। परिणामस्वरूप न तो सहज श्वासें लेने योग्य वायुमंडल उपस्थित है और न ही पौष्टिक खाद्यान्न व जल उपलब्ध है। ऐसे में मानव का तन और मन दोनों ही असाध्य रोगों से घिर रहे हैं। जो मर-खप रहा है वह भूला-बिसरा हो जा रहा है और जो जी रहे हैं वे अपने अनुसार, अपनी मस्ती में बस जैसे-तैसे जी ही रहे हैं। मानवीय जीवन की यह कैसी दुर्गति है! निरंतर निकृष्ट होता मौसम हतप्रभ करता है। इस वर्ष मई माह भी विचित्र ढंग से परिवर्तित होता रहा। बैसाख और ज्येष्ठ के संगम की यह माहावधि भी अप्रतिम रूप लिए रही। इस अवधि में प्रत्यक्ष रूप में तो ग्रीष्म ताप में कमी हुई। यदा-कदा शीतल वायु प्रवाह होता रहा। घन विस्फोटों के उपरांत किसी एक पर्वतीय अथवा समतल नगरीय स्थान पर तीव्र धाराओं के साथ वर्षण हुआ। आंधी-तूफान आया। प्रातःकाल-संध्याकाल की जलवायु वातानुकूलित प्रतीत हुई। साथ ही दोपहर व अपराह्न काल के ग्रीष्म ताप में अत्यधिक वृद्धि भी हुई। राजधानी दिल्ली सहित पूर्व, पश्चिमोत्तर और दक्षिण व मध्य भारत में अंधड़-तूफान आए। तेज हवाएं चलीं। तीव्र वर्षण हुआ। घन विस्फोट के कारण एक ही स्थान पर अत्यधिक तीव्र वर्षा हुई। जलवायु की ऐसी दशा केवल भारतवर्ष में ही नहीं थी। विश्व स्तर पर हर दृष्टि में अग्रणी देश अमरीका के अनेक भूभागों पर स्थित नगरों-महानगरों पर भी ऐसी ही पारिस्थितिकीय अस्थिरता परिव्याप्त रही। इस देश में 15 से 17 मई के मध्य और विशेषकर 16 मई को आए तूफान और बवंडर के कारण 27 लोगों की मृत्यु हो गई। ध्वस्त क्षेत्रों में धरातल पर कार्यरत राहत बल के कर्मियों ने आशंका व्यक्त की है कि मृतकों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। वहां दक्षिण-पूर्वी केंटुकी, लारेल काउंटी, मिसौरी, विस्कान्सिन, ग्रेट लेक्स, टेक्सास, सेंट लुई क्षेत्रों में अप्रत्याशित जलवायु परिवर्तन के कारण आधुनिकता की व्यवस्थाएं पूर्ण रूप में ध्वस्त हो गईं। विशाल वृक्ष जड़ से उखड़ गए। आवासीय भवन ध्वस्त हो गए। विनाशकारी मौसम में नगर के नगर उजड़ गए, अस्त-व्यस्त हो गए। इस परिस्थिति में जीवित बचे और टूटे-फूटे घरों, भवनों व भग्नावशेषों में फंसे हुए लोगों की हरसंभव माध्यम से खोज की गई। इस प्राकृतिक उथल-पुथल में वहां विद्युतापूर्ति बाधित हो गई। प्रतिकूल मौसम के संबंध में अमरीका का उल्लेख करना इसलिए आवश्यक होता है क्योंकि विगत सौ-डेढ़ सौ वर्षों में इसी देश ने विश्व के सभी देशों को वैज्ञानिक आविष्कारों, औद्योगिक उत्पादन और विज्ञान के अभिशापित पथ पर चलने के लिए सर्वाधिक दुष्प्रेरित किया है।

ट्रंप के ट्रैफिक पर ट्रेड कोर्ट के तीन जजों के पैनल ने रोक लगाई, कहा–यह अवैध

वाशिंगटन, 29 मई (एजेंसियां)।

यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड के तीन जजों के पैनल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झटका देते हुए उनके कुछ देशों के खिलाफ लगाए गए अत्यधिक ट्रैफिक को रोक दिया।

फैसले में कहा गया कि राष्ट्रपति ने संघीय कानून के तहत इस तरह का टैरिफ जारी करने में अपने अधिकारों का अतिक्रमण किया। यह ट्रैफिक अवैध है।

खबर के अनुसार, जजों के पैनल ने बुधवार को यह फैसला सुनाया। इस फैसले ने पिछले महीने लिबरेशन डे पर व्यापारिक साझेदारों पर लगाए गए इस तरह के टैरिफ को रोक दिया है। पैनल ने चीन, मैक्सिको और कनाडा पर लगाए गए टैरिफ पर भी रोक लगा दी है।

ट्रंप प्रशासन ने 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्ति अधिनियम हवाला देते हुए टैरिफ को उचित ठहराया है। मगर जजों के पैनल ने इस तर्क को खारिज कर दिया। फैसले में कहा गया कि कांग्रेस से पारित किसी भी कानून के लिए राष्ट्रपति को टैरिफ निर्धारित करने का व्यापक अधिकार देना असंवैधानिक होगा। साथ ही यह टैरिफ राष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्ति अधिनियम के तहत अधिकृत नहीं हैं। ऐसा इसलिए कि इस तरह का टैरिफ गैर–आपातकालीन कानून के तहत आना चाहिए।

ट्रंप प्रशासन ने संकेत दिया कि वह इस फैसले को संघीय सर्किट अपील न्यायालय में चुनौती देगा। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने टैरिफ के कारणों का बचाव करते हुए फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों के साथ अमेरिका के व्यापार घाटे ने राष्ट्रीय आपातकाल पैदा कर दिया है। इससे अमेरिकी समुदाय को काफी नुकसान हुआ है।

देसाई ने ने कहा कि इन जजों को यह तय नहीं करना चाहिए कि राष्ट्रीय आपातकाल को कैसे ठीक से परिभाषित किया जाए। राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका को प्राथमिकता देने का वचन दिया है। वह इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। टैरिफ ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के एजेंडे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

न्यूज ब्रीफ

हिन्दू राष्ट्र और राजशाही के पक्ष में मनीषा कोइराला का पुनर्जागरण का आह्वान

काठमांडू। बॉलीवुड अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने नेपाल में हिन्दू राष्ट्र और संवैधानिक राजतंत्र की

आवश्यकता पर जोर देते हुए इसके पुनर्स्थापना के लिए पुनर्जागरण अभियान के लिए आह्वान किया है। राजशाही के पक्ष में आज से शुरू हो रहे अनिश्चितकालीन प्रदर्शन से ठीक पहले मनीषा कोइराला ने कहा कि राजसंस्था दलगत व्यवस्था से ऊपर है। अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने एक लंबा चौड़ा फेसबुक पोस्ट डालते हुए राजतंत्र और हिन्दू राष्ट्र के पक्ष में बयान दिया है। अपनी फेसबुक पोस्ट में लिखते हुए मनीषा कोइराला ने कहा कि संवैधानिक राजतंत्र दलगत व्यवस्था से ऊपर है और यह राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है जो राजनीतिक दल अपने स्वभाव से कभी उस मुकाम तक नहीं पहुंच सकते हैं। कोइराला ने लिखा है कि राजतंत्र हमारे सनातन धर्म और इतिहास में गहरे रूप से जुड़ा हुआ है। यह एक ऐसा संस्थागत आधार है जो हमारे मौलिक पहचान को दर्शाता है। मनीषा कोइराला ने कहा कि नेपाल को विश्व का एकमात्र शांतिपूर्ण हिन्दू अधिराज्य के रूप में अपनी पहचान को पुनः स्थापित करना पड़ेगा। जहां शासन बल या कट्टरता से नहीं बल्कि आध्यात्मिक मूल्य, सांस्कृतिक निरंतरता और राष्ट्रीय एकता से निर्देशित हो सके। मनीषा ने कहा है कि वर्तमान राजनीतिक प्रणाली में भ्रष्टाचार अपनी जड़े जमा चुका है। ऐसे में हमें एक गैर राजनीतिक संस्था चाहिए जो देश की जनता, हमारे सांस्कृतिक मूल्य मान्यताओं और राष्ट्र की रक्षा के लिए संतुलन और नियंत्रण का काम कर सके। उन्होंने कहा है कि यह विभाजन का नहीं बल्कि राष्ट्रीय पुनर्जागरण का आह्वान है। मनीषा ने लिखा है कि हमें नहीं भूलना चाहिए कि हम केवल एक ऐसा गणतंत्र नहीं जो अनंत राजनीतिक खेलों में उलझा हुआ है बल्कि हम एक गौरवशाली सभ्यता है जिसकी विशिष्ट पहचान है और भविष्य के प्रति पवित्र जिम्मेदारी है।

ढाका में सचिवालय कर्मचारियों ने अध्यादेश के विरोध में एक घंटे तक नहीं किया कामकाज

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित सचिवालय के कर्मचारी अंतरिम सरकार के सुलह के दावों को धता बताते हुए आज सुबह 10 से 11 बजे तक कामकाज नहीं किया। यह कर्मचारी पिछले दिनों घोषित किए सरकारी सेवा (संशोधन) अध्यादेश–2025 का विरोध कर रहे हैं। पिछले सप्ताह सचिवालय स्टाफ और अंतरिम सरकार के बीच टकराव की वजह से स्थिति विस्फोटक रही। अंतरिम सरकार को सचिवालय में अर्ध सैन्यबलों की तैनाती करनी पड़ी। खबर के अनुसार, आज सचिवालय में विभिन्न मंत्रालयों के कर्मचारियों ने सरकारी सेवा (संशोधन) अध्यादेश–2025 के विरोध में एक घंटे तक कामकाज नहीं किया। इस अवधि में बांग्लादेश सचिवालय अधिकारी एवं कर्मचारी एकता मंच के आह्वान पर प्रदर्शन किया गया। मंच ने घोषणा की है कि जब तक अध्यादेश वापस नहीं लिया जाता, तब तक प्रतिदिन एक घंटे तक कामकाज बंद रखा जाएगा। सचिवालय अधिकारी एवं कर्मचारी एकता मंच के नेता नजरुल इस्लाम ने कहा कि सभी कर्मचारी शांतिपूर्ण विरोध में विश्वास करते हैं। इसीलिए विवादास्पद अध्यादेश को निरस्त करने की मांग करते हुए आज एक घंटे का काम बंद रखा है। यह सिलसिला जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने रविवार शाम लोक सेवा (संशोधन) अध्यादेश–2025 जारी कर उसे लागू किया है। इसके मसौदे को अंतरिम सरकार की सलाहकार परिषद ने 22 मई को मंजूरी दी थी।

शहबाज अजरबैजान में सिंधु जल संधि का मुद्दा उठा ताजिकिस्तान रवाना

बाकू (अजरबैजान)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अजरबैजान की यात्रा समाप्त कर ताजिकिस्तान

के लिए रवाना हो गए। उन्होंने अजरबैजान में भारत के साथ दशकों पुरानी सिंधु जल संधि को स्थगित करने का मुद्दा उठाया। मगर इसे स्थगित क्यों किया इस पर गोलमोल बात की। उन्होंने कहा कि भारत पहलगाम पर हुए आतंकी हमले का दोष पाकिस्तान पर मढ़ रहा है पर उसके साक्ष्य नहीं दे रहा। शहबाज ने अजरबैजान में राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव से मुलाकात की। अलीयेव ने त्रिपक्षीय (पाकिस्तान, तुर्किये और अजरबैजान) शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान में 2 बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की। इस अवसर पर शहबाज ने अपने हमदर्दों के बीच मासूम बनते हुए कहा कि भारत पाकिस्तान का पानी रोकना चाहता है। इसे कभी नहीं होने दिया जाएगा। सिंधु का पानी पाकिस्तान की जीवन रेखा है। शबहाज ताजिकिस्तान में दो दिन रुकेंगे। वह वहां के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। व्यापार, ऊर्जा और निवेश पर चर्चा करेंगे। उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

पाकिस्तान आतंकवादियों को भारत भेजकर कराता है खूनखराबा, मकसद हिन्दू–मुस्लिम दंगे भड़काना

सऊदी अरब में एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने कहा- इस मुल्क को एफएटीएफ की ग्रे सूची में रखना जरूरी

रियाद (सऊदी) अरब , 29 मई (एजेंसियां)।

भारत दुनिया के प्रमुख देशों में पहलगाम में आतंकी हमला कराने वाले आतंकवाद पोषक पड़ोसी पाकिस्तान के कुटिल चेहरे से कलई उतार रहा है। इन दिनों भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्य कई देशों की यात्रा पर हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब में है। इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने रियाद में कहा कि आतंकवादी समूहों के वित्तपोषण पर अंकुश लगाने के लिए पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे सूची में वापस रखा जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान शराफत का लबादा ओढ़कर दुनिया के धोखा दे रहा है। सच यह है कि आतंकवादी संगठनों को पाकिस्तान में प्रशिक्षित किया जा रहा है और वे भारत में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। ओवैसी ने एक तस्वीर दिखाते हुए कहा कि इसमें पाकिस्तान के सेना प्रमुख के बगल में एक कुख्यात आतंकवादी बैठा हुआ है। इससे साबित होता है कि पाकिस्तान आतंकवादियों का साथ देता है।

उन्होंने कहा कि असीम मुनीर को पाकिस्तान में फील्ड मार्शल बनाया गया तब उसके बगल में आतंकवादी मोहम्मद एहसान बैठा था। इस फील्ड मार्शल के साथ हाथ मिलाते हुए उसकी तस्वीरें हैं। पाकिस्तान में आतंकवादी फल–फूल रहे हैं। पाकिस्तान का इरादा आतंकवादियों के माध्यम से भारत को अस्थिर करना है। इसका मकसद है कि भारत में और अधिक हिंदू–मुस्लिम दंगे हों। उन्होंने कहा कि मुंबई हमले के बाद पाकिस्तान को सारे साक्ष्य दिए गए। ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान नंबर एक का झूठा है। उसने पहले दावा किया कि मुख्य आरोपी साजिद मीर मर चुका है। बाद में उसने कुबूल किया कि एफएटीएफ की जांच के तहत वह जीवित है। इस प्रतिनिधिमंडल में

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, भाजपा सांसद फंगनन कोन्याक, भाजपा सांसद रेखा शर्मा, सांसद सतनाम सिंह संधू, गुलाम नबी आजाद और राजदूत हर्ष श्रृंगला भी शामिल हैं। दुनिया भर में भेजे गए सभी प्रतिनिधिमंडल का प्रमुख उद्देश्य 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर भारत की प्रतिक्रिया और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ इसकी व्यापक लड़ाई के बारे में अंतरराष्ट्रीय भागीदारों को जानकारी देना है। पनामा सिटी में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो और विदेशमंत्री जेवियर मार्टिनेज आचा से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद विदेशमंत्री आचा ने कहा कि आतंकवाद के मामले में वह भारत के साथ हैं। पनामा किसी भी तरह के आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करता। पनामा लोकतांत्रिक देश हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। पनामा किसी भी तरह के आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मिलकर लड़ेगा। एथेंस (ग्रीस) द्रमुख सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में शामिल राजद सांसद प्रेम चंद गुप्ता ने कहा कि यह खुशी की बात है कि लोगों ने हमारी बात को समझा। लोग भी समझते हैं कि आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए एक बीमारी है। उससे ठीक से नहीं निपटा गया तो वो सबको परेशान करेगी। कनिमोझी ने कहा कि हम यह बताने में सक्षम रहे हैं कि पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद से भारत को नुकसान पहुंचा रहा है। यूरोपीय संघ और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को संज्ञान लेना चाहिए और जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। रोम (इटली) में भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि नेशनल असेंबली और सीनेट में भारत कॉकस के साथ हमारी बहुत अच्छी बैठक हुई। इटली ने शांति और सौहार्द के लिए हमारे साथ काम करने की अपनी प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया है। दूसरे सदस्य गुलाम अली खटाना ने कहा कि हमारा प्रतिनिधिमंडल कल रात इटली पहुंचा और यहां थिंक टैंक, चैंबर ऑफ डेप्युटीज (इटली की संसद का निचला सदन) और सांसदों के साथ हमारी अच्छी बातचीत हुई। परिणाम सकारात्मक रहे। हमने आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता के भारत के रुख और ऑपरेशन सिंदूर के महत्व को सामने रखा। इस बीच शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में ग्रुप 4 का प्रतिनिधिमंडल आउटरीच कार्यक्रम के तहत सिएरा लियोन पहुंच चुका है। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत सिएरा लियोन में भारत के उच्चायुक्त बैसनब चरण प्रधान ने किया।

ऑपरेशन के बाद बेसुध और गंभीर बीमारी से जूझ रहे 300 से अधिक बच्चों का किया यौन शोषण

पेरिस ,29 मई (एजेंसियां)।

फ्रांस के एक जल्लाद डॉक्टर ने करीब 300 बच्चों का यौन शोषण किया है। जिनमें से 256 पीड़ित 15 साल से कम उम्र के थे। अदालत में डॉक्टर ले स्कुअर्ने ने खुद स्वीकार किया कि उसने 1989 से 2014 के बीच ये घृणित अपराध किए, जिनमें कई बार पीड़ित बच्चे बेहोशी की हालत में या ऑपरेशन के बाद थे।

फ्रांस की एक अदालत ने देश को झकझोर देने वाले सबसे बड़े यौन शोषण मामलों में से एक में 74 वर्षीय रिटायर्ड सर्जन को 20 साल की जेल की सजा सुनाई है। वह 25 वर्षों तक अस्पतालों में काम करते हुए करीब 300 मरीजों का यौन शोषण और रेप करता रहा, पीड़ितों में ज़्यादातर बच्चे थे। डॉक्टर ने अदालत ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसके पास एक डायरी भी मिली है, जिसमें उसने खुद को यौन विकृति से ग्रसित इंसान बताया और यह भी लिखा कि यह टैग उसे खुशी देता है। ले स्कुअर्ने ने अदालत में अपने अपराध स्वीकार करते हुए कहा, मैंने जो किया, वो अक्षम्य है। मैं इन लोगों और उनके परिवारों से माफी चाहता हूं। उन्होंने जो सहा है, वो जीवनभर उनके साथ रहेगा। हालांकि, पीड़ितों और उनके वकीलों ने इस पर भरोसा नहीं किया। पीड़ितों की ओर से वकालत कर रहे एक वकील थॉमस डेलाबी ने कोर्ट में कहा, तुम दुनिया के सबसे बड़े बाल यौन अपराधी हो।

पीड़ित तुम्हें कभी माफ नहीं करेंगे। 2017 में एक 6 साल की बच्ची के साथ बलात्कार के आरोप में उसकी दोबारा गिरफ्तारी के बाद, पुलिस को उसके पास से इलेक्ट्रॉनिक डायरी मिली, जिसमें उसने दशकों तक किए गए अपराधों का पूरा ब्योरा लिखा था। डायरी में उसने खुद को यौन विकृति से ग्रस्त इंसान बताया और लिखा– मुझे इस पर बहुत खुशी है। डॉक्टर ले स्कुअर्ने को पहले 2020 में चार बच्चों के यौन शोषण के लिए दोषी ठहराया गया था, जिनमें उसकी दो भतीजियां भी शामिल थीं। वह पहले से ही 15 साल की सजा काट रहा था। अब यह नई सजा अधिकतम 20 साल की है, जो फ्रांस के कानून के तहत लगातार नहीं जुड़ती।

अंतरिक्ष दूरबीन जेम्स वेब ने खींची ब्रह्मांड की सबसे गहराई वाली तस्वीरें

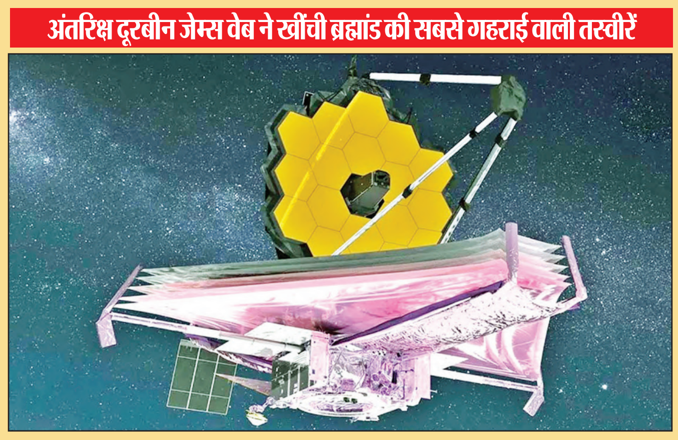

दुनिया की सबसे बेहतरीन अंतरिक्ष दूरबीन जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने ब्रह्मांड की अब तक की सबसे गहरी तस्वीर खींची है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने इस तस्वीर में घुमावदार रौशनी की जो आड़ी–टेढ़ी कमानें दिख रही हैं, वे ब्रह्मांड के शुरुआती दौर की आकाश गंगा हैं। इन रहस्यमयी तस्वीरों को खींचने में टेलीस्कोप को 120 से ज्यादा घंटे लगे। जो अब तक किसी एक लक्ष्य पर टेलीस्कोप का सबसे लंबा फोकस है। ईएसए के मुताबिक यह वेब की अब तक की सबसे गहरी निगाह है किसी एक लक्ष्य पर। तस्वीर में दिखीं घुमावदार रौशनी ये ब्रह्मांड के शुरुआत की आकाशगंगाएं तस्वीर के बीचों–बीच एक विशाल गैलेक्सी क्लस्टर नजर आता है, जो पृथ्वी से 4.5 अरब प्रकाशवर्ष दूर है, लेकिन वैज्ञानिकों का असली ध्यान इस क्लस्टर पर नहीं, इसके पीछे की चीज़ों पर है। इतना बड़ा खगोलीय पिंड अपने पीछे मौजूद आकाशगंगाओं की रोशनी को मोड़ देता है। इसे गुरुत्वीय लेंसिंग कहते हैं। एक तरह की प्राकृतिक दूरबीन जो दूर की रोशनी को बड़ा और स्पष्ट दिखाती है।
इस वजह से इस तस्वीर में जो घुमावदार रोशन कमानें नजर आ रही हैं, वे वास्तव में वह आकाशगंगाएं हैं जो ब्रह्मांड की शुरुआत में अस्तित्व में आई थीं।

चीन अपने फायदे के लिए पाकिस्तान को फिर देने जा रहा कर्ज

बीजिंग, 29 मई (एजेंसियां)।

चीन बड़ी ही चालाकी से पाकिस्तान का यूज कर रहा है। उसे नहीं पता कि आने वाले समय में पाकिस्तान किस गड्ढे में गिरेगा। विदेशी मुद्रा भंडार को डबल डिजिट में बनाए रखने के लिए इस्लामाबाद को अरबों की सौगात मिलने जा रही है। संकट में डूबे मुल्क को राहत जरूर मिलेगी, लेकिन इस डील के पीछे ड्रैगन की दिलचस्प रणनीति छिपी है– एक ऐसा कदम जो केवल कर्ज नहीं, कई संकेत भी देता है। बता दें कि पाकिस्तान ने हाल ही में चीन के कमर्शियल बैंकों से लिए गए 1.3 अरब डॉलर के कर्ज की किश्तें लौटा दी हैं। अब चीन ने भरोसा दिलाया है कि ये रकम फिर से युआन में पाकिस्तान को दी जाएगी। इसके अलावा, जून में पाकिस्तान को 2.1 अरब डॉलर (करीब 15 अरब युआन) की एक और सिंडिकेट लोन की अदायगी करनी है, जिसे चीन फिर से युआन में ही रीलेंड करेगा।

चीन लंबे समय से चाहता है कि उसकी करेंसी 'युआन'अंतरराष्ट्रीय व्यापार में डॉलर का विकल्प बने। पाकिस्तान जैसे कमजोर लेकिन रणनीतिक सहयोगी देश को युआन में कर्ज देकर वह अपनी करेंसी की पकड़ मजबूत कर रहा है। जब किसी देश को बार–बार कर्ज देकर उसकी अर्थव्यवस्था को टिकाया जाता है और वो भी अपनी मुद्रा में, तो उस पर राजनीतिक और आर्थिक दबाव बनाना आसान हो जाता है। पाकिस्तान पहले ही चीन से 4 अरब डॉलर की नकद जमा, 5.4 अरब डॉलर के कमर्शियल लोन और 4.3 अरब डॉलर की ट्रेड फाइनेंस सुविधा ले चुका है। सूत्रों के मुताबिक, चीन ने इस बार ब्याज दर के दो विकल्प दिए हैं– या तो फिक्स्ड ब्याज दर चुनी जाए, या फिर फ्लोटिंग रेट, लेकिन वो भी शिबोर से हटकर, यानी चीन की अपनी शर्तों पर। आईएमएफ के अनुसार, पाकिस्तान की विदेशी मुद्रा स्थिति अभी भी बेहद नाजुक है। मौजूदा वित्त वर्ष के अंत तक उसे 14 अरब अमेरिकी डॉलर का रिज़र्व लक्ष्य हासिल करना है। ड्रुस्त्र ने यह भी कहा कि बाहरी कमर्शियल लोन की संभावना फिलहाल सीमित है, और पाकिस्तान का अगला 'पांडा बॉन्ड' भी सिर्फ छोटा प्रयास होगा।

एलन मस्क का ट्रंप प्रशासन से अलग होने का एलान, कहा-छोड़ रहा हूं वाशिंगटन

वाशिंगटन, 29 मई (एजेंसियां)।

आखिर जिस बात का डर था, वही हुआ। कुछ समय से ट्रंप प्रशासन की कछ नीतियों से नाराज चल रहे टेस्ला के सीईओ एलन मस्क सरकार से अलग गए। वह सरकारी दक्षता विभाग का राजपाट छोड़कर अपने कारोबार की दुनिया में लौट गए। इस साल जनवरी में एक अंतराल के बाद दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने सरकारी दक्षता विभाग का गठन कर उसकी जिम्मेदारी मस्क को सौंपी थी। इस विभाग के गठन का मकसद सरकारी खर्चों में कटौती करना था। मस्क ने कहा कि वह वाशिंगटन छोड़ रहे हैं।

एलन मस्क ने कहा कि वे अपनी कंपनियों पर अधिक समय बिताने के लिए अब सरकार से अलग हो रहे हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों के अनुसार मस्क और राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अभी भी अच्छे संबंध हुए हैं। लेकिन उन्होंने (मस्क) यह स्पष्ट कर दिया है कि वे वाशिंगटन और संघीय

नौकरशाही को उलटने के दौरान आई बाधाओं से निराश हैं।

मस्क ने राष्ट्रपति ट्रंप के घरेलू नीति कानून पर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि इससे राष्ट्रीय घाटा बढ़ेगा। उन्होंने प्रशासन के अधिकारियों से एक कंपनी की शिकायत की। इस कंपनी से मध्य पूर्व में एक कृत्रिम–बुद्धिमत्ता डेटा सेंटर बनाने के लिए एक समझौता किया गया था। इस कंपनी ने ट्रंप की राजनीति के संचालन के लिए 100 मिलियन डॉलर का वादा किया था। ट्रंप का आरोप है कि इस कंपनी ने यह रकम अब तक नहीं दी। कभी खुद को ट्रंप का भरोसेमंद दोस्त बताने वाले मस्क ने अब उनसे कुछ फासला बना लिया है। उनका कहना है कि वे अब अपनी कंपनियों पर ध्यान देंगे।

टेस्ला सीईओ एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से खुद को अलग करने की घोषणा बुधवार को एक्स पर की। पिछले दिनों मस्क ने ट्रंप के बिग ब्यूटीफुल टैक्स बिल की खुलकर आलोचना की थी। मस्क ने एक्स पर लिखा कि उनका विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में निर्धारित समय समाप्त हो रहा है। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को व्यर्थ व्यय को कम करने के अवसर के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

राजनीतिक चतुराई से जरदारी ने परवेज मुशर्रफ से इस्तीफा दिलाया और फिर...

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के मौजूदा राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अपने पहले कार्यकाल की शुरुआत बड़ी ही राजनीतिक चतुराई से की थी। उन्होंने अगस्त 2008 में तत्कालीन राष्ट्रपति और पूर्व सैन्य शासक परवेज मुशर्रफ से इस्तीफा दिलाया था। यह मुमकिन हुआ जब जरदारी ने मुशर्रफ के चुने हुए उत्तराधिकारी, जनरल अशफाक परवेज कयानी का समर्थन हासिल कर अपने गठबंधन सहयोगी नवाज शरीफ को भी मात दे दी। यह खुलासा जरदारी के पूर्व प्रवक्ता फर्हतुल्लाह बाबर ने अपनी किताब द जरदारी प्रेसिडेंसी में किया है, जिसका हवाला पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट में किया गया है। बाबर लिखते हैं कि 2008 के आम चुनावों के बाद, जब जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) ने मुशर्रफ के खिलाफ महाभियोग की योजना बनाई, तब जरदारी ने सबसे पहले सेना प्रमुख कयानी से संपर्क किया। कयानी को अक्टूबर 2007 में उपसेना प्रमुख बनाकर नवंबर में सेना प्रमुख बनाया गया। कयानी ने मुशर्रफ को हटाने पर कोई आपत्ति नहीं जाहिर की। उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए पीपीपी के नेता अफताब शबान मिरानी का नाम भी सुझाया था, लेकिन जरदारी की नजर खुद राष्ट्रपति बनने पर थी। सेना का समर्थन मिलने पर जरदारी ने अपने विश्वस्त नेताओं से प्रांतीय विधानसभाओं में महाभियोग का प्रस्ताव पारित करवाने को कह दिया। साथ ही सेवानिवृत्त मेजर जनरल महमूद अली दुर्रानी के माध्यम से मुशर्रफ को संदेश दिया कि वह इस्तीफा दें, नहीं महाभियोग का सामना करें। मुशर्रफ ने शुरू में चेतावनी को नजरअंदाज किया, लेकिन अंततः उन्होंने अगस्त 2008 के मध्य में इस्तीफा दे दिया।

प्रज्ञान ओझा बने द लेजेनज़ी टी-10 के लीग कमिश्नर

जयपुर,29 मई (एजेंसियां) । जयपुर में 25 जून से शुरू हो रही टेनिस बॉल क्रिकेट लीग द लेजेनज़ी टी 10 के लिए पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा को कमिश्नर नियुक्त किया गया है। 24 टेस्ट, 18 वनडे और 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके प्रज्ञान लीग के संचालन की देखरेख और इस नए तरह की प्रतियोगिता की सफलता व विकास को सुनिश्चित करेंगे। द लेजेनज़ी टी 10 का विज़न भारत के स्ट्रीट क्रिकेटर्स को मंच प्रदान करना है। 'गली से टीवी तक' के नारे पर केंद्रित यह लीग जुनून को पहचान में बदलने का अवसर देती है। लीग के बारे में बात करते हुए लीग कमिश्नर प्रज्ञान ओझा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, द लेजेनज़ी टी10 का हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूं। यह ऐसा मंच है जो ग्रासरूट क्रिकेट को बड़ी पहचान से जोड़ता है। मैं भी ऐसे जुनूनी खिलाड़ियों के साथ काम करने और कुछ खास बनाने को लेकर बहुत उत्सुक हूं।

द लेजेनज़ी टी 10 के चेयरमैन वेंकटेश प्रसाद ने कहा, हमने अपने स्थानीय पार्कों और गलियों में बहुत सारी असाधारण प्रतिभाएं देखी हैं। द लेजेनज़ी टी 10 का मंच ऐसी ही युवा प्रतिभाओं के लिए है, जिनमें अद्भुत कौशल और प्रदर्शन की भूख है। हमारा लक्ष्य एक ऐसा मंच तैयार करना है जो टेनिस बॉल क्रिकेट को हमेशा के लिए बदल कर रख देगा। लीग में चार चांद लगाने के लिए पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इरफान पठान भी इससे जुड़े रहेंगे, जो न ही सिर्फ खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे, बल्कि मैदान पर उनके साथ खेलते भी नजर आएंगे। इच्छुक खिलाड़ी अपना 6 गेंदों का वीडियो और नामांकन शुल्क जमा कर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन कराने वाले हर खिलाड़ी को द लेजेनज़ी टी10 क्रिकेट बैट स्मृति चिन्ह के रूप में दिया जाएगा। इनमें से शीर्ष 5,000 खिलाड़ियों को चयनित करके उन्हें सिल्वर टिकट दिया जाएगा, जिससे वे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु और इंदौर में आयोजित होने वाले ट्रायल्स में भाग ले सकेंगे। इन खिलाड़ियों को एक साल की ऑनलाइन क्रिकेट ट्रेनिंग मॉड्यूल तक विशेष पहुंच भी दी जाएगी। ट्रायल्स से चुने गए सर्वश्रेष्ठ 150 खिलाड़ियों को गोल्डन टिकट मिलेगा, जिनमें से 72 खिलाड़ी ऑक्शन के माध्यम से डायमंड टिकट प्राप्त करेंगे और द लेजेनज़ी टी10 लीग में खेलेंगे। बाकी 78 खिलाड़ी गोल्डन टिकट बनाए रखेंगे और अगले सीज़न में सीधे खेलने का मौका पाएंगे।

बीबीएल : जैमी ओवर्टन की एडिलेड स्ट्राइकर्स में वापसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के ऑलराउंडर जैमी ओवर्टन बिग बैश लीग (बीबीएल) के अगले सीज़न में एक बार फिर एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए खेलते नज़र आएंगे। फ्रेंचाइज़ी ने उन्हें आगामी ओवरसीज़ ड्राफ्ट से पहले इंटरनेशनल प्री-साइनिंग के तहत टीम में शामिल कर लिया है। ओवर्टन पिछले दो सीज़न में स्ट्राइकर्स के लिए 18 मुकाबले खेल चुके हैं और उन्हें पिछले सीज़न का मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) भी चुना गया था। उन्होंने अब तक 27 विकेट चटकाए हैं और 8.81 की इकॉनमी से गेंदबाज़ी की है। वहीं बल्लेबाज़ी में भी उन्होंने शानदार फिनिशर की भूमिका निभाई, 276 रन बनाए जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 150.81 रहा। सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ पिछले सीज़न के मुकाबले में उन्होंने सिर्फ 14 गेंदों में नाबाद 32 रन ठोके थे।

न्यूज़ ब्रीफ

सितंबर में भारत दौरे पर आएगी ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम, चेन्नई में खेले जाएंगे तीन वनडे मुकाबले

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम सितंबर में भारत का दौरा करेगी, जहां दोनों टीमें तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेंगी। यह मुकाबले चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 14, 17 और 20 सितंबर को खेले जाएंगे। यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए भारत में होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप की अहम तैयारी मानी जा रही है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार (29 मई) को उक्त घोषणा की। ऑस्ट्रेलिया ए और साउथ अफ्रीका ए की पुरुष टीमें भी भारत दौरे पर आएंगी महिला सीरीज के अलावा ऑस्ट्रेलिया ए की पुरुष टीम भी भारत दौरे पर आएगी, जहां वह दो अनौपचारिक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेगी। दोनों चार दिवसीय टेस्ट मुकाबले लखनऊ में 16-19 और 23-26 सितंबर के बीच खेले जाएंगे। इसके बाद तीन एकदिवसीय मुकाबले 30 सितंबर, 3 अक्टूबर और 5 अक्टूबर को कानपुर में होंगे। दक्षिण अफ्रीका ए की पुरुष टीम का दौरा अक्टूबर-नवंबर में होगा और उनके सभी मुकाबले बेंगलुरु में आयोजित किए जाएंगे। दो अनौपचारिक टेस्ट मैच बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 30 अक्टूबर से 2 नवंबर और 6-9 नवंबर के बीच खेले जाएंगे। इसके बाद तीन एकदिवसीय मुकाबले क्रमशः 13, 16 और 19 नवंबर को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होंगे। यह सभी मुकाबले घरेलू खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन मौका होंगे अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुद को साबित करने का।

पीएसी पश्चिमी जोन हॉकी प्रतियोगिता दूसरे दिन भी जारी

मुरादाबाद। 24वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद में आयोजित हो रही 28वीं अंतर्वाहिनी पीएसी पश्चिमी जोन हॉकी प्रतियोगिता गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रही। आज विभिन्न जोन की टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल तथा सेमीफाइनल मैच खेले गए। आयोजन सचिव सेना नायक रमेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि पहले क्वार्टर फाइनल मैच में 43वीं वाहिनी एटा ने 8वीं वाहिनी बरेली को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में 28वीं वाहिनी इटावा और 49वीं वाहिनी गौतमबुद्धनगर के मध्य दूसरा क्वार्टर फाइनल खेला गया जिसमें 28वीं वाहिनी ने 49वीं वाहिनी को पेनाल्टी शूटआउट में 2-0 से हराकर मैच अपने नाम किया। उसके उपरांत तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच मेजबान 24वीं वाहिनी मुरादाबाद और 38वीं वाहिनी अलीगढ़ के मध्य खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में 24वीं वाहिनी ने 38वीं वाहिनी को पेनाल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। चौथा क्वार्टर फाइनल मैच 15वीं वाहिनी आगरा और 47वीं वाहिनी गाजियाबाद के मध्य खेला गया जिसमें 15वीं वाहिनी ने 47वीं वाहिनी को 7-0 से करारी शिकस्त देकर सेमी फाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल के मैच जीतने क्वार्टरफाइनल जीतने वाली टीमों के मध्य खेले जाएंगे।

सिंगापुर ओपन 2025: सात्विक-चिराग क्वार्टरफाइनल में, सिंधु, प्रणय और ट्रिसा-गायत्री बाहर

नई दिल्ली। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सिंगापुर ओपन 2025 (बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट) के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को खेले गए प्री-क्वार्टर मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया के साबर करयामन गुटामा और मुहम्मद रेजा पहलवी इस्फहानी को एक घंटे 14 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 19-21, 21-16, 21-18 से हराया। हालांकि, पुरुष सिंगल्स में भारत के एच.एस. प्रणय को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ सीधे गेमों में हार का सामना करना पड़ा। वह 42 मिनट चले मैच में 16-21, 14-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। महिला सिंगल्स में पी.वी. सिंधु भी अपने प्री-क्वार्टर मुकाबले में चीन की चेन यू फेई से हार गईं। तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में सिंधु 9-21, 21-18, 16-21 से पराजित हुईं। महिला युगल में ट्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी को चीन की जिया यी फैन और झांग शूशियान के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में 8-21, 10-21 से हार मिली। मिक्स्ड डबल्स में भारत की रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी हांगकांग के तांग चुन मैन और त्से यिंग सुट से 10-21, 16-21 से हारकर बाहर हो गई।

9 साल बाद फाइनल में पहुँचा बेंगलुरु

पंजाब किंग्स ने घुटने टेके, क्वालिफायर-1 में शर्मनाक हार

मुल्लांपुर,29 मई (एजेंसियां) । इंडियन प्रीमियर लीग के 2025 सीजन को पहली फाइनलिस्ट टीम मिल गई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने क्वालिफायर-1 में पंजाब किंग्स को बेहद आसान मुकाबले में रौंदते हुए फाइनल में एंट्री मार ली है। उसने पहले कातिलाना गेंदबाजी करते हुए पंजाब किंग्स को सिर्फ 14.1 ओवरों में 101 रनों पर समेटा तो इसके बाद विराट कोहली का विकेट जल्दी गिरने के बावजूद धमाकेदार अंदाज में सिर्फ 10 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया। आरसीबी के गेंदबाजों के आगे श्रेयस अय्यर के धाकड़ सूरमाओं ने घुटने टेक दिए। दूसरी ओर, फिल साल्ट ने 27 गेंदों में 6 चौके और 3 छक्के उड़ाते हुए नाबाद 56 रनों की पारी खेली। इस तरह 2016 के बाद विराट कोहली की टीम पहली बार फाइनल में पहुंचने में कामयाब रही है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। उन्हें पता था कि उनके पास जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार हैं तो यह अच्छा फैसला हो सकता है और सही भी साबित हुआ। पंजाब किंग्स के लिए मैच विनर साबित रहे प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, जोश इंग्लिस, नेहल वढेरा के अलावा कप्तान श्रेयस अय्यर भी आते गए और अपना विकेट गिफ्ट करते गए।

पंजाब के 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। प्रभसिमरन सिंह के 18 रनों के अलावा मार्कस स्टोइनिस ने 26 और अजमतुल्ला ने 18 रनों की पारी खेली। यही तीन बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू सके। जोश हेजलवुड (21/3), भुवनेश्वर कुमार (17/1) और यश दियाल (21/3) ने शुरुआत में पंजाब के होश उड़ाए तो आखिरी में सुयश शर्मा ने 3 विकेट लेकर पंजाब की हालत पतली कर दी।

लक्ष्य छोटा था तो माना जा रहा था कि विराट कोहली की टीम तेजी से रन बनाने की कोशिश करेगी। ऐसा हुआ भी। फिल साल्ट ने एक रन से खाता खोला तो विराट कोहली ने अर्शदीप सिंह को दो चौके ठोक दिए। हालांकि, वह 6.8 फीट लंबे कद के काइल जैमीसन की गेंद पर जोश इंग्लिस के हाथों लपके गए। इसके बाद मयंक अग्रवाल भी 13 गेंदों में 19 रन बनाकर लौट गए। हालांकि, फिल साल्ट ने कमाल की बैटिंग की और कप्तान रजत पाटीदार के साथ मिलकर टीम को 10 ओवरों में ही जीत दिला दी। रजत पाटीदार 15 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि 8 गेंदों में एक चौका और एक छक्का लगाया।

वूमेन अंडर-15, 19, 23 व वूमेन सीनियर वर्ग के हुए प्रारम्भिक चयन ट्रायल

मुरादाबाद,29 मई (एजेंसियां) । पूर्व रणजी खिलाड़ी एव डिस्ट्रिक स्पोर्टर्स एसोसिएशन (डीएसए) के सचिव विजय गुप्ता एडवोकेट ने गुरुवार को बताया कि उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की वूमेन अंडर-15, 19, 23 व सीनियर वर्ग के चयन ट्रायल डीएसए द्वारा स्प्रिंगफ़ील्ड क्रिकेट अकैडमी के खेल के मैदान पर आज हुआ। इसमें मुरादाबाद, अमरोहा एवं संभल जिले की पंजीकृत वूमेन खिलाड़ियों के प्रारम्भिक चयन ट्रायल समस्त खेल सुविधाओं के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। विजय गुप्ता ने आगे बताया कि ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों ने पूरे कौशल के साथ अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया। जिसमें चयनकर्ताओं द्वारा कई प्रतिभावान खिलाड़ियों को भी चिन्हित किया गया। जिसमें कई कम आयु के बालिकाओं ने अपने खेल से सभी को प्रभावित किया। डी एस ए मुरादाबाद द्वारा नामित चयन समिति में मुजफ्फरनगर से आए वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी मयंक गौतम, पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता, वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी प्रदीप टंडन द्वारा खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखा गया व परखा गया और अधिक से अधिक खिलाड़ियों का चयन किया गया। मौहम्मद हसीन, चमन सिंह, मिर्जा दानिश, बाकर जैदी, सोनू कुमार कोच व अन्य अभिभावक मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय योग ओलम्पियाड में चमकी मुरादाबाद की छात्रा रोनी और छात्र नैतिक

मुरादाबाद। राज्य स्तरीय योग ओलम्पियाड में मुरादाबाद के राजकीय कन्या इंटर कालेज की छात्रा रोनी और जीजी हिंदू इंटर कॉलेज के छात्र नैतिक ने शानदार प्रदर्शन कर पीतलनगरी मुरादाबाद का मान बढ़ाया है। दोनों खिलाड़ियों का गुरुवार को अपने-अपने कालेज पहुंचने पर स्वागत अभिनंदन किया गया। मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर लखनऊ में खेली गई प्रतियोगिता में रोनी ने सभी प्रतिभागियों को चित्त करते हुए पहला स्थान हासिल किया है। वहीं नैतिक ने चौथा स्थान हासिल किया है। दोनों खिलाड़ी तमिलनाडु में होने वाले राष्ट्रीय योग ओलम्पियाड में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। दोनों खिलाड़ी तमिलनाडु में होने वाले राष्ट्रीय योग ओलम्पियाड में करेंगे उप्र का प्रतिनिधित्व रोनी और नैतिक की इस उपलब्धि पर संयुक्त शिक्षा निदेशक मनोज कुमार द्विवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडेय और मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर ने उनकी सराहना की।

एशियाई ऑल-स्टार्स ने प्रदर्शनी मैच में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराया

मैनचेस्टर यूनाइटेड को बुधवार को कुआलालंपुर स्थित बुकित जलिल मैदान में खेले गए एक प्रदर्शनी फुटबॉल मुकाबले में दक्षिण-पूर्व एशिया के चुनिंदा खिलाड़ियों की टीम एशियन ऑल-स्टार्स से 0-1 की हार झेलनी पड़ी। म्यांमार की पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कप्तान मौंग मौंग ल्विन ने 71वें मिनट में एकमात्र गोल कर अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। दर्शकों की हूटिंग का सामना, कोच अमोरीम ने मानी टीम की कमजोरी कोच रुबेन अमोरीम की टीम को मुकाबले की अंतिम सीटी बजने के बाद दर्शकों की नाराज़गी का सामना करना पड़ा। कुछ समर्थक तो मुकाबला समाप्त होने से पहले ही मैदान छोड़कर चले गए। मैच के बाद अमोरीम ने कहा, हम धीमी गति से खेले और हमारे अंदर अभी यह भावना नहीं है कि हम हर अभ्यास सत्र या हर खेल में जीत दर्ज करें। दर्शकों की नाराज़गी ज़रूरी है, ताकि हमें अपनी कमियाँ समझ में आएं। पहले भाग में ऑल-स्टार्स का आक्रामक खेल 32 डिग्री सेल्सियस (90 फ़ॉरेनहाइट) की गर्मी में शुरू हुए इस मुकाबले के पहले भाग में दक्षिण-पूर्व एशियाई खिलाड़ियों की टीम अधिक आक्रामक नजर आई।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए रवाना

भारतीय पुरुष हॉकी टीम 7 से 22 जून तक एम्सटेलवीन और एंटवर्प में खेलेगी मैच

बेंगलूरु ,29 मई (एजेंसियां) । भारतीय पुरुष हॉकी टीम 28 मई की रात बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए रवाना हो गई। यह चरण 7 से 22 जून के बीच नीदरलैंड के एम्सटेलवीन और बेल्जियम के एंटवर्प में खेला जाएगा।

भारत अपने यूरोपीय चरण की शुरुआत नीदरलैंड के खिलाफ दो लगातार मुकाबलों से करेगा, जो 7 और 9 जून को वागनेर स्टेडियम, एम्सटेलवीन में खेले जाएंगे। इसके बाद 11 और 12 जून को अर्जेंटीना के खिलाफ डबल हेडर मुकाबले होंगे, जिनका आयोजन भी एम्सटेलवीन में ही होगा।

टीम इसके बाद बेल्जियम के एंटवर्प रवाना होगी, जहां 14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। इसके बाद भारत 21 और 22 जून को मेज़बान बेल्जियम के खिलाफ अपने अभियान का समापन करेगा। टीम के रवाना होने से पहले कप्तान और अनुभवी ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने कहा, यह यूरोपीय चरण हमारे लिए बेहद अहम है क्योंकि हमें दुनिया की कुछ बेहतरीन टीमों से भिड़ना है। भुवनेश्वर चरण में हमारे कुछ मिश्रित नतीजे रहे थे, लेकिन हम अंक तालिका में अच्छी स्थिति में हैं और अब हम इस प्रदर्शन को और बेहतर करना चाहते हैं। हमारा लक्ष्य अधिकतम अंक जुटाकर अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना है।

उपकप्तान हार्दिक सिंह ने कहा, पिछले कुछ हफ्तों में हमारा ट्रेनिंग कैंप काफी प्रभावी रहा है। मुझे भरोसा है कि खिलाड़ी यूरोप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। टीम का माहौल काफी सकारात्मक है और सभी एक-दूसरे को बेहतर खेलने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। ये मुकाबले हमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खुद को परखने का बेहतरीन मौका देंगे।

भारत इस समय अंक तालिका में 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और उसकी निगाहें एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए जगह बनाने पर टिकी हैं।

नॉर्वे शतरंज 2025: गुकेश की जबरदस्त वापसी, राउंड 3 में हिकारु नाकामुरा को हराया

स्टावेंजर,29 मई (एजेंसियां) ।

विश्व चैंपियन गुकेश डोमरराजू ने नॉर्वे शतरंज 2025 के तीसरे राउंड में वर्ल्ड नंबर 2 हिकारू नाकामुरा को एक बराबरी के एंडगेम में हराकर शानदार वापसी की। शुरुआती दो राउंड में लगातार हार के बाद यह जीत भारतीय शतरंज सनसनी के लिए बेहद जरूरी और सुकून देने वाली रही, जिससे उन्होंने अपने खिताबी इरादों को फिर से मजबूत कर दिया।

कैरुआना की वापसी, अर्जुन एरिगैसी को हराकर हासिल किया तीसरा स्थान

फबियानो कैरुआना ने भी पहले राउंड में हार के बाद जोरदार वापसी करते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इस बार उन्होंने भारत के अर्जुन एरिगैसी को मात दी। इस जीत के साथ कैरुआना ने लाइव रेटिंग में अर्जुन से वर्ल्ड नंबर 3 की पोजिशन छीन ली है।

कार्लसन और वेई यी के बीच ड्रॉ, आर्मागेडन में वेई की शानदार चाल

वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और वेई यी के बीच मुकाबला क्लासिकल गेम में ड्रॉ रहा। हालांकि कार्लसन ने ओपनिंग से थोड़ी बढ़त बनाई थी, लेकिन वेई यी की मजबूत डिफेंस के आगे वे कुछ खास हासिल नहीं कर सके। आर्मागेडन में वेई यी ने एक शानदार चाल चली और जटिल पोजिशन में कार्लसन से गलती करवा दी। नतीजा यह रहा कि वेई ने यह मुकाबला खूबसूरती से जीत लिया।

नॉर्वे शतरंज वुमेंस: हंपी कोनेरू की दमदार जीत, अन्ना मुझिचुक शीर्ष पर कायम

नॉर्वे शतरंज वुमेंस टूर्नामेंट में एक बार फिर भारतीय ग्रैंडमास्टर हंपी कोनेरू ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सारा सादात खादेमअलशरियेह के खिलाफ ओपनिंग से ही बेहतर स्थिति बनाई और धीरे-धीरे दबाव बनाते हुए जीत दर्ज की।

बाकी दो मुकाबले, टिंगजी लेई बनाम अन्ना मुझिचुक और वैषाली रमेशबाबू बनाम जू वेनजुन, आर्मागेडन में गए, जो इस प्रतियोगिता के कड़े मुकाबले को दर्शाते हैं। इन आर्मागेडन गेम्स में अन्ना मुझिचुक और जू वेनजुन ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए। अन्ना मुझिचुक इस जीत के साथ महिला वर्ग में शीर्ष पर बनी हुई हैं।

विदेश सचिव विक्रम ने वाशिंगटन में अमेरिकी उपमंत्री जेफरी से की मुलाकात

वाशिंगटन, 29 मई (एजेंसियां)। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अमेरिकी उपमंत्री जेफरी केसलर से वाशिंगटन में महत्वपूर्ण मुलाकात की। चर्चा में उभरती प्रौद्योगिकियों और उभरती क्षेत्रों में भारत-अमेरिका सहयोग को बढ़ाने पर विचार व्यक्त किए गए। भारतीय दूतावास ने साझा किया कि मिसरी ने तकनीकी और व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने की बात कही। इससे पहले भारतीय मंत्रालय ने एक बयान जारी किया था कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के फॉलो-अप के तौर पर है। इस दौरे पर विक्रम मिसरी ने अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की थी और भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने के लिए कहा। उन्होंने भी इंडिया-यूएस कॉम्पैक्ट के साथ एक नयी साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए समझौते पर चर्चा की। यह सम्मेलन भारत और अमेरिका के बीच ताकतवर साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है और दोनों देशों के बीच वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यापारिक जीवन में नए दरवाजे खोल सकता है।

भारत-अमेरिका सहयोग को बढ़ाने पर विचार व्यक्त किए गए

टीसीएस के सीईओ को सैलरी पैकेज 26.52 करोड़ मिला

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के सीईओ और एमडी के. कृतिवासन को वित्त वर्ष 2024-25 में 26.52 करोड़ रुपये का वेतन मिला है। यह वित्त वर्ष 2023-24 के मुकाबले 4.6 प्रतिशत अधिक है। कृतिवासन के सैलरी में 1.39 करोड़ रुपये का वेतन, 2.13 करोड़ रुपये के लाभ, भत्ते एवं सुविधाएं, 23 करोड़ रुपये का कमीशन शामिल है। वित्त वर्ष 2024 तक एचसीएलटेक के सीईओ सी. विजयकुमार सबसे अधिक वेतन पाने वाले भारतीय आईटी सीईओ थे। विजयकुमार को 84.16 करोड़ रुपये सैलरी पैकेज मिला। सैलरी में 1.39 करोड़ वेतन, 2.13 करोड़ लाभ, भत्ते एवं सुविधाएं शामिल इसी तरह, इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख ने वित्त वर्ष 24 में 66.25 करोड़ रुपये कमाए, जबकि विप्रो के नवनियुक्त सीईओ श्रीनि पल्लिया को 50 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का पैकेज मिला। बता दें कि श्रीनि पल्लिया की इसी साल नियुक्ति हुई है।

न्यूज़ ब्रीफ

सेबी पूर्व प्रमुख के खिलाफ लोकपाल ने खारिज किए सभी आरोप

मुंबई। सेबी की पूर्व प्रमुख माधबी पुरी बुच के खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों को भारत के लोकपाल ने खारिज कर दिया है। लोकपाल ने हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के आधार पर बताया कि उन आरोपों में कोई सत्यापन योग्य साक्ष्य नहीं मिले, और ये आरोप सिर्फ अनुमानों और धारणाओं पर आधारित थे। हिंडनबर्ग रिपोर्ट में उनके पति धवल बुच के साथ जुड़े वित्तीय लेन-देन के संदेह और कई कंपनियों से कथित संबंधों के आरोप सामने आए थे। लेकिन लोकपाल ने इन सभी आरोपों को मान्यता से रखा इनकार कर दिया। जस्टिस ए.एम. खानविलकर की अध्यक्षता में छह सदस्यीय पीठ ने घोषणा की कि शिकायतें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत जांच योग्य नहीं हैं और कानूनी रूप से जांच शुरू करने की कोई पर्याप्त वजह नहीं है। इसके चलते सभी आरोप खारिज कर दिए गए हैं। लोकपाल ने यह उल्लेख किया कि उन्हें पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिला, और इससे जांच की आधारिक निगरानी नहीं की जा सकती।

इंडसइंड बैंक के पांच अधिकारियों के खिलाफ इनसाइडर ट्रेडिंग का आरोप

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इंडसइंड बैंक के पूर्व सीईओ सुमंत कठपालिया सहित पांच वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ इनसाइडर ट्रेडिंग के गंभीर आरोपों के चलते कड़ी कार्रवाई की है। सेबी की जांच में परिणाम सामने आने के बाद बैंक के शेयरों में तेज गिरावट आई थी। सेबी ने पांच अधिकारियों के खिलाफ शेयर बाजार में ट्रेडिंग पर प्रतिबंध लगाया है और उनके बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। इसके साथ ही सेबी ने 19.7 करोड़ रुपए के अवैध लाभ को भी जब्त करने का आदेश दिया है। अधिकारियों के बैंक खातों को भी किया फ्रीज इंडसइंड बैंक द्वारा 1,529 करोड़ रुपए के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में गड़बड़ी के खुलासे के बाद सेबी ने यह जांच शुरू की थी। इस घटना के परिणामस्वरूप सभी पांच अधिकारियों पर आगे की कार्रवाई तक सिक्योरिटीज में ट्रेडिंग से रोक लगाई गई है। इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोपों के चलते इंडसइंड बैंक एक बार फिर विवादों के घेरे में है, जिससे बैंक की सार्वजनिक छवि पर सवाल उठ रहे हैं।

खरीफ की 14 फसलों की एमएसपी बढ़ी किसान क्रेडिट कार्ड पर कम ब्याज में मिलेगा लोन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने धान, कपास, सोयाबीन, अरहर समेत खरीफ की 14 फसलों की मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) बढ़ा दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने इस फैसले को मंजूरी दी है। धान की नई एमएसपी 2,369 रुपए तय की गई है, जो पिछली एमएसपी से 69 रुपए ज्यादा है। कपास की नई एमएसपी 7,710 रुपए तय की गई है और इसकी एक दूसरी किस्म की नई एमएसपी 8,110 रुपए हो गई है। नई एमएसपी से सरकार पर 2 लाख 7 हजार करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। इससे पहले की तुलना में यह 7 हजार करोड़ रुपए ज्यादा है। मंत्री ने बताया कि एमएसपी फसल की लागत से कम से कम 50 फीसदी ज्यादा होना चाहिए। इस फैसले के साथ ही किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की ब्याज सब्सिडी योजना को भी बढ़ावा मिलेगा। इस योजना की जानकारी के मुताबिक किसान केसीसी से 3 लाख रुपए तक का लोन 7 फीसदी ब्याज पर ले सकेंगे, जिसमें बैंकों को 1.5 फीसदी ब्याज सब्सिडी मिलेगी। अगर किसान समय पर चुका देते हैं लोन तो 3 फीसदी तक का प्रोत्साहन भी मिलेगा, जिससे उनका ब्याज मात्र 4 फीसदी रह जाएगा। सरकार ने महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जो कुल अनुमानित लागत 3,399 करोड़ रुपए है। ये परियोजना 2029-30 तक पूरी की जाएंगी। किसी भी देश के विकास के लिए कृषि और रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इससे सरकार के विकास और किसानों के लिए सुधार की दिशा में एक नया कदम उठाया गया है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशियाई बाजार में तेजी का माहौल

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान गिरावट का माहौल बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने ट्रंप सरकार द्वारा 2 अप्रैल को जारी किए गए रेसिप्रोकल टैरिफ पॉलिसी को अवैध बताते हुए इस पर रोक लगा दी है। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने इस फैसले के खिलाफ फेडरल कोर्ट में अपील की है और रेसिप्रोकल टैरिफ की व्यवस्था को आर्थिक आपातकाल से निपटने के लिए लिया गया फैसला बताया है। इस अपील के बावजूद यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड के इस फैसले के कारण दुनिया भर के शेयर बाजारों में उत्साह का माहौल बना हुआ नजर आ रहा है। इसके पूर्व पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में निराशा का माहौल बना हुआ था, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए थे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,888.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ था।

इसी तरह नैस्डेक ने 0.51 प्रतिशत टूट कर 19,100.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। वहीं यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड का फैसला आ जाने के कारण डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 563.87 अंक यानी 1.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 42,662.57 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,726.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,788.10 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 188.30 अंक यानी 0.78 प्रतिशत लुढ़क कर 24,038.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में उत्साह नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। वहीं इंडोनेशिया के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में कारोबार नहीं हो रहा है। एशियाई बाजारों में इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स फिलहाल 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,900.87 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,808 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 149.40 अंक यानी 0.64 प्रतिशत उछल कर 23,407.71 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,719.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह निक्केई इंडेक्स 596.09 अंक यानी 1.58 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,318.49 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,170.46 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.71 प्रतिशत उछल कर 3,363.97 अंक के स्तर पर और ताईवान वेटेड इंडेक्स 123.07 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ 21,480.79 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

आरबीआई का बही-खाता वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 76.25 लाख करोड़ हुआ

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का 31 मार्च 2025 तक बही-खाते का आकार सालाना आधार पर 8.20 प्रतिशत बढ़कर 76.25 लाख करोड़ रुपये हो गया। जिसकी वजह से केंद्र सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का भारी लाभ हासिल हुआ है। आरबीआई की गुरुवार को जारी वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि संपत्ति के मामले में वृद्धि सोने, घरेलू निवेश एवं विदेशी निवेश में क्रमश: 52.09 प्रतिशत, 14.32 प्रतिशत और 1.70 प्रतिशत की वृद्धि के कारण हुई। इस दौरान आय में 22.77 प्रतिशत और व्यय में 7.76 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष का अंत 2,68,590.07 करोड़ रुपये के समग्र अधिशेष के साथ हुआ।

31 मार्च 2024 तक 70,47,703.21 करोड़ रुपये था

जबकि पिछले वर्ष यह 2,10,873.99 करोड़ रुपये था, जिसके परिणामस्वरूप 27.37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट के अनुसार बही-खाते का आकार 5,77,718.72 करोड़ रुपये या 8.20 प्रतिशत बढ़कर 31 मार्च 2025 तक 76,25,421.93 करोड़ रुपये हो गया। यह 31 मार्च 2024 तक 70,47,703.21 करोड़ रुपये था। देनदारियों के संबंध में आरबीआई ने कहा कि यह वृद्धि जारी नोट, पुनर्मूल्यांकन खातों एवं अन्य देनदारियों में क्रमश: 6.03 प्रतिशत, 17.32 प्रतिशत और 23.31 प्रतिशत की वृद्धि के कारण हुई। रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च 2025 तक घरेलू परिसंपत्तियों का हिस्सा 25.73 प्रतिशत था। वहीं विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, सोना तथा भारत के बाहर वित्तीय संस्थानों को दिए गए ऋण एवं अग्रिम राशि कुल परिसंपत्तियों का 74.27 प्रतिशत थीं। वहीं 31 मार्च 2024 तक यह क्रमश: 23.31 प्रतिशत और 76.69 प्रतिशत थी। इसमें कहा गया है कि 44,861.70 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया और उसे आकस्मिकता निधि (सीएफ) में स्थानांतरित कर दिया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अब समझ आ ...

इसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की, जिनका भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। इस जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचा, जिनमें एयर बेस, रडार साइट्स, और कमांड सेंटर शामिल हैं। इससे घबराए पाकिस्तान ने 10 मई को भारत के सामने सीजफायर का प्रस्ताव रखा, जिसे दोनों देशों ने आपसी चर्चा के बाद लागू कर लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की धरती पर सत्तारूढ़ ममता बनर्जी की सरकार को जमकर घेरा। अलीपुरद्वार में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने तृणमूल कांग्रेस के शासन पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद में जो कुछ हुआ, मालदा में जो कुछ हुआ, वह यहां की तृणमूल कांग्रेस की हिंदुओं के प्रति निर्ममता का नतीजा है। बंगाल की जनता को अब टीएमसी सरकार के सिस्टम पर भरोसा नहीं है। यहां की जनता के पास अब सिर्फ कोर्ट का ही आसरा है। इसलिए पूरा बंगाल कह रहा है, बंगाल में मची चीख-पुकार, नहीं चाहिए निर्मम सरकार!

प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी में भारत नए सामर्थ्य के साथ समृद्धि की नई गाथा लिख रहा है। आज देश का हर नागरिक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए दिन रात जुटा है। विकसित भारत बनाने के लिए पश्चिम बंगाल का भी विकसित होना बहुत जरूरी है। इसलिए पश्चिम बंगाल को भी नई ऊर्जा के साथ जुटना है। बंगाल को फिर उसी भूमिका में आना होगा, जो कभी यहां की पहचान थी। इसके लिए जरूरी है कि पश्चिम बंगाल फिर से शिक्षा का, ज्ञान-विज्ञान का केंद्र बनें। बंगाल मेक इन इंडिया का एक बहुत बड़ा सेंटर बने। बंगाल अपनी विरासत पर गर्व करते हुए, उसे संरक्षित करते हुए तेज गति से आगे बढ़े।पीएम मोदी ने कहा, केंद्र की भाजपा सरकार इसी संकल्प के साथ काम कर रही है। भाजपा पूर्वोदय की नीति पर चल रही है। बीते दशक में यहां के विकास के लिए भाजपा सरकार ने हजारों-करोड़ का निवेश किया है। आज पश्चिम बंगाल एक साथ कई संकटों से घिरा हुआ है। एक संकट समाज में फैली हिंसा और अराजकता का है। दूसरा संकट माताओं बहनों को असुरक्षा का है, उनके साथ हो रहे जघन्य अपराधों का है। तीसरा संकट नौजवानों में फैल रही घोर निराशा का है, बेतहाशा बेरोजगारी का है। चौथा संकट घनघोर भ्रष्टाचार का है, यहां के सिस्टम पर लगातार कम होते जन-विश्वास का है। पांचवां संकट गरीबों का हक छीनने वाली सत्ताधारी पार्टी की स्वार्थी राजनीति का है। युवा, गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार भ्रष्टाचार की मार झेल रहे हैं। हमने देखा है कि भ्रष्टाचार किस तरह विनाश की ओर ले जाता है, खासकर पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में। टीएमसी सरकार ने हजारों शिक्षकों और उनके परिवारों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। यह सिर्फ कुछ हजार शिक्षकों का विनाश नहीं है, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था बिगड़ रही है। अभी भी वे अपनी गलतियों को स्वीकार करने से इनकार करते हैं, इसके बजाय अदालतों को दोष देते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज देशभर में 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को 5 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। मैं तो चाहता हूं कि पश्चिम बंगाल में भी 70 वर्ष से ऊपर के सभी बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिले। लेकिन टीएमसी सरकार ये नहीं करने दे रही है।

पीओके एक...

मेक इन इंडिया भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा का एक अनिवार्य घटक है। अगर हमारे पास यह क्षमता नहीं होती, तो भारत की सेनाएं निचले पाकिस्तान से लेकर पीओके तक आतंकवाद के खिलाफ इतनी प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पातीं।

राजनाथ सिंह ने कहा, आतंकवाद का कारोबार चलाना लागत प्रभावी नहीं है। आज पाकिस्तान को एहसास हो गया है कि उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। हमने आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति और प्रतिक्रिया दोनों को नया स्वरूप दिया है। हमने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों और बातचीत के दायरे को नए सिरे से निर्धारित किया है। अब जब भी बातचीत होगी, तो वह सिर्फ आतंकवाद और पीओके पर होगी। मेरा मानना है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लोग हमारे अपने हैं, हमारे परिवार का हिस्सा हैं। हम एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध हैं। हमें पूरा विश्वास है कि हमारे जो भाई आज भौगोलिक और राजनीतिक रूप से हमसे अलग हो गए हैं, वे भी किसी न किसी दिन भारत की मुख्यधारा में लौट आएंगे।

दक्षिणा में गुरु...

दिव्यांग विश्वविद्यालय के छात्रों को उपहार दिए और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता साझा की। उन्होंने कहा, शस्त्र के साथ शास्त्र भी जरूरी है। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने पीएम मोदी की तारीफ की और रामचरितमानस को राष्ट्रीय ग्रंथ बनाने की मांग की।

कांग्रेस को ...

यहां तक कि करगिल की लड़ाई में भी हमने सीमापार नहीं की थी। इस बार न सिर्फ हमने सीमा पार किया बल्कि अंतरराष्ट्रीय सीमा भी पार किया। हमने पाकिस्तान के मध्य में स्थित पंजाब में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। कांग्रेस नेताओं की आलोचना के निशाने पर आए शशि थरूर ने भी पलटवार किया है। उन्होंने पनामा से सोशल मीडिया पर साझा अपनी एक पोस्ट में कहा कि पनामा में एक लंबे और सफल दिन के बाद मुझे मध्यरात्रि में ही कोलंबिया के लिए निकलना है। इसलिए मेरे पास इस सबके के लिए समय नहीं है, लेकिन जो अतिउत्साही लोग मेरे बयान की आलोचना कर रहे हैं, मैं उन्हें बता दूं कि मैं केवल आतंकवादी हमलों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के बारे में बात कर रहा था, न कि पिछले युद्धों के बारे में। मैंने बताया कि पूर्व में आतंकी हमलों का जवाब देते हुए हमने एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा का ध्यान रखा था, लेकिन हाल के वर्षों में इस सोच में बदलाव आया है। लेकिन हमेशा की तरह ट्रोल्स और मेरे आलोचक मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश करेंगे, लेकिन मेरे पास ज्यादा बेहतर चीजें हैं करने के लिए।

केटीआर और...

कविता का पत्र लीक होने के बारे में उनके भाई केटीआर ने कहा था कि पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र है और कोई भी केसीआर को पत्र लिख सकता है। केटीआर इन दिनों अपनी पार्टी के लिए समर्थन जुटाने के लिए विदेश के दौरे पर हैं। इसे लेकर भी कविता ने हमला बोला और कहा कि जब तेलंगाना में पार्टी जमीनी स्तर पर एकजुट नहीं है तो विदेश में किस बात का जश्न मनाया जा रहा है?

प्रभाकर राव...

रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है और उनका पासपोर्ट रद्द कर दिया गया है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने राव की अग्रिम जमानत याचिका का कड़ा विरोध किया। मामले की सुनवाई 5 अगस्त को निर्धारित की गई है।22 मई को हैदराबाद की एक अदालत ने फोन टैपिंग मामले में राव के खिलाफ आदेश जारी किया। आदेश के मुताबिक अगर राव 20 जून तक अदालत में पेश नहीं होते हैं तो उन्हें भगोड़ा घोषित किया जा सकता है। एसआईबी के निलंबित डीएसपी समेत चार पुलिस अधिकारियों को हैदराबाद पुलिस ने मार्च 2024 में गिरफ्तार किया था। इन पर विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स से खुफिया जानकारी मिटाने और पिछली बीआरएस सरकार के दौरान कथित तौर पर फोन टैपिंग का आरोप है। बाद में उन्हें जमानत मिल गई। पुलिस ने कहा था कि आरोपी उस कथित साजिश का हिस्सा हैं, जिसमें उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के नागरिकों पर निगरानी रखकर राजनीतिक उद्देश्यों के लिए एसआईबी के संसाधनों का दुरुपयोग किया।

पुलिस ने पहले कहा था कि मामले में आरोपी बनाए गए लोगों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर कई लोगों के प्रोफाइल अवैध रूप से बनाए।

उन पर एसआईबी में गुप्त रूप से निगरानी करने और कुछ लोगों के इशारे पर एक राजनीतिक पार्टी के पक्ष में पक्षपातपूर्ण तरीके से उनका इस्तेमाल करने, अपने अपराधों के सबूतों को गायब करने के लिए रिकॉर्ड नष्ट करने की साजिश रचने का आरोप है।

रवि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग में आज मनाई जाएगी विनायक चतुर्थी

इस बार विनायक चतुर्थी 30 मई को मनाई जाने वाली है। यह पर्व हर माह शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा की जाती है। इसके अलावा विशेष कार्यों में सफलता पाने के लिए व्रत भी रखा जाता है। भगवान गणेश सभी प्रकार के कष्टों को दूर करते हैं। ऐसे में विनायक चतुर्थी पर सच्चे मन से बप्पा की पूजा करने से सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हर माह शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि से एक दिन पूर्व विनायक चतुर्थी मनाई जाती है। यह दिन भगवान गणेश को समर्पित होता है। इस दिन भगवान गणेश की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं। इसके साथ ही कुंडली में बुध ग्रह मजबूत होता है। इस शुभ अवसर पर साधक श्रद्धा भाव से रिद्धि-सिद्धि के दाता भगवान गणेश की पूजा करते हैं। सनातन धर्म में भगवान गणेश की मांगलिक कार्यक्रमों सबसे पहले पूजा की जाती है। कृष्ण और शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर भक्त भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करते हैं। इस दिन व्रत रखने की भी परंपरा है, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहते हैं। चतुर्थी तिथि पर व्रत रख शुभ मुहूर्त में विधि-विधान से पूजा करने पर उनका आशीर्वाद मिलता है। वह जीवन से सारे कष्टों को हर लेते हैं।

विनायक चतुर्थी

वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 29 मई को रात 11: 58 मिनट से शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 30 मई को रात 09 बजकर 22 मिनट पर होगा। ऐसे में 30 मई को विनायक चतुर्थी को मनाई जाएगी।

शुभ योग

विनायक चतुर्थी पर दुर्लभ वृद्धि योग का संयोग बन रहा है। वृद्धि योग का संयोग दोपहर 12:58 मिनट से हो रहा है। इसके साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग का भी संयोग है। रवि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 05:24 मिनट से लेकर रात 09:29 मिनट तक है। इस योग में स्नान-दान कर भगवान गणेश की पूजा करने से आरोग्यता का वरदान मिलेगा। साथ ही सकल मनोरथ सिद्ध होंगे।

विनायक चतुर्थी पर चंद्रमा नहीं देखते

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, विनायक चतुर्थी के दिन चंद्रमा देखने से व्यक्ति पर कोई गलत आरोप लगते हैं। वह झूठे कलंक का भागी बनता है। ऐसे में उस दिन चंद्र दर्शन वर्जित है।

हर महीने पड़ती है दो चतुर्थी

हिन्दू पंचांग में हर महीने में दो चतुर्थी तिथि होती हैं। पूर्णिमा के बाद कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है तथा अमावस्या के बाद शुक्ल पक्ष में आने वाली चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहा जाता है। एक साल में लगभग 12 या 13 विनायकी चतुर्थी होती है। भारत के उत्तरी एवं दक्षिणी राज्यों में विनायकी चतुर्थी का त्योहार मनाया जाता है।

पूजा विधि

श्रद्धालू इस दिन सुबह जल्दी उठकर भगवान गणेशजी की पूजा करते हैं एवं व्रत रखते हैं। शाम के समय गणेशजी की प्रतिमा को ताजे फूलों से सजाया जाता है। चन्द्र दर्शन के बाद पूजा की जाती है एवं व्रत कथा पढ़ी जाती है। तथा इसके बाद ही विनायकी चतुर्थी का व्रत पूर्ण होता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

विनायक चतुर्थी का महत्व

विनायक चतुर्थी को वरद विनायक चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। भगवान से अपनी किसी भी मनोकामना की पूर्ति के आशीर्वाद को वरद कहते हैं। जो श्रद्धालु विनायक चतुर्थी का उपवास करते हैं भगवान गणेश उसे ज्ञान और धैर्य का आशीर्वाद देते हैं। ज्ञान और धैर्य दो ऐसे नैतिक गुण है जिसका महत्व सदियों से मनुष्य को ज्ञात है। जिस मनुष्य के पास यह गुण हैं वह जीवन में काफी उन्नति करता है और मनवान्छित फल प्राप्त करता है।

चतुर्थी पर दूर्वा चढ़ाने का मंत्र और नियम

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, विनायक चतुर्थी पर गणेश जी की विधिवत रूप से पूजा-अर्चना करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। गणेश जी की पूजा के दौरान उन्हें दूर्वा चढ़ाने का भी विशेष महत्व माना गया है। ऐसे में चलिए जानते हैं दूर्वा चढ़ाने के नियम और मंत्र।

विनायक चतुर्थी शुभ मुहूर्त

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 29 मई को रात 11 बजकर 18 मिनट पर शुरू हो रही है। वहीं इस तिथि का समापन 30 मई को रात 9 बजकर 22 मिनट पर होने जा रहा है। ऐसे में उदया तिथि को देखते हुए ज्येष्ठ माह की विनायक चतुर्थी शुक्रवार 30 मई को मनाई जाएगी। इस दौरान गणेश जी की पूजा का मुहूर्त कुछ इस प्रकार रहने वाला है।

विनायक चतुर्थी मुहूर्त - सुबह 10 बजकर 56 मिनट से दोपहर 1 बजकर 42 मिनट तक

दूर्वा चढ़ाने का महत्व

दूर्वा, जिसे दूब भी कहा जाता है, को त्रिदोष नाशक माना गया है। गणेश भगवान की पूजा में दूर्वा चढ़ाने के साथ ही मांगलिक कार्यों में भी दूर्वा का इस्तेमाल किया जाता है। इसके बिना कोई भी मांगलिक कार्य अधूरा होता है। आयुर्वेद में भी दूब के कई गुण बताए गए हैं, जो इसे विशेष बनाते हैं।

दूर्वा चढ़ाने के नियम

भगवान गणेश की पूजा में उन्हें 21 जोड़े (21 गाठें) दूर्वा अर्पित करनी चाहिए। ऐसा करना शुभ माना जाता है। इससे जातक को गणेश जी की कृपा मिलती है और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

दूर्वा चढ़ाते समय उसे साफ पानी से धो लेना चाहिए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि दूर्वा साफ जगह से तोड़नी चाहिए।

दूर्वा अर्पित करने का मंत्र

विनायक चतुर्थी की पूजा में गणेश भगवान को दूर्वा अर्तिप करते हुए 'श्री गणेशाय नमः दूर्वांकुरान् समर्पयामि' मंत्र का जप करना चाहिए। ऐसा करने से विघ्नहर्ता प्रसन्न होते हैं और साधक के जीवन के सभी विघ्न हर लेते हैं।

आज करें ये उपाय, कर्ज से मिलेगी मुक्ति रुके हुए काम होंगे पूरे

हर माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर विनायक चतुर्थी का व्रत किया जाता है। इस दिन पर गणेश जी की पूजा-अर्चना करने से साधक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। ऐसे में आप इस दिन पर गणपति जी की कृपा प्राप्ति के लिए ये काम जरूर करें।

पूजा में जरूर करें ये काम

विनायक चतुर्थी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और व्रत का संकल्प लें। पूजा के दौरान गणेश जी को दूर्वा, लाल फूल और सिंदूर अर्पित करें। इसी के साथ भोग के रूप में मोदक और लड्डुओं का भोग लगाएं। पूजा के दौरान ॐ गण गणपतये नमः मंत्र का जप करते रहें। शाम के समय चंद्रमा को अर्घ्य देकर अपने व्रत का पारण करें।

कर्ज से मिलेगी मुक्ति

अगर आप कर्ज की समस्या से परेशान हैं, तो विनायक चतुर्थी के दिन गणेश जी के समक्ष चौमुखी दीपक जरूर जलाएं। यह उपाय करने से आपको गणेश जी की कृपा मिलती है, जिससे कर्ज की समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

गणेश जी के मंत्र

विनायक चतुर्थी की पूजा में के दौरान गणेश जी के मंत्रों का जप जरूर करना चाहिए।

कदंताय विद्महे, वक्रतुंडाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात।।

ॐ गं गणपतये सर्व कार्य सिद्धि कुरु कुरु स्वाहा ।।

ॐ गंग गणपतये नमो नमः

वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरुमे देव सर्वकार्येषु सर्वदा।।
एकदंताय शुद्धाय सुमुखाय नमो नमः।
प्रपन्न जनपालाय प्रणतार्ति विनाशिने।।

व्रत करने के दौरान किन बातों का रखना चाहिए ध्यान, जानिए क्या न करें

जून के महीने में निर्जला एकादशी, रवि प्रदोष व्रत से लेकर गुप्त नवरात्रि तक कई व्रत और त्यौहार आने वाले हैं। इस समय में कई लोग व्रत रखेंगे। मगर, व्रत रखने के कुछ बुनियादी नियम होते हैं, जिनके बारे में कई लोगों को जानकारी नहीं होती है। जिनके पालन करने से आपका व्रत न सिर्फ पूर्ण होगा, बल्कि मनोरथ भी सफल होंगे। सबसे पहले आप जिस भी मनोरथ से व्रत करने जा रहे हैं, उसका संकल्प जरूर लें।

संकल्प लेने का मंत्र

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णु:, ॐ अद्य ब्रह्मणोऽह्नि द्वितीय परार्धे श्री श्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे, अष्टाविंशतितमे कलियुगे, कलिप्रथम चरणे जम्बूद्वीपे भरतखण्डे भारतवर्षे पुण्य (अपने नगर/गांव का नाम लें) क्षेत्रे बौद्धावतारे वीर विक्रमादित्यनृपते : 2082, तमेऽब्दे सिद्धार्थी नाम संवत्सरे उत्तरायने । ऋतो महामंगल्यप्रदे मासानां मासोत्तमे । मासे पक्षे ।। तिथौ । वासरे (गोत्र का नाम लें) गोत्रोत्पन्नोऽहं अमुकनामा (अपना नाम लें) सकलपापक्षयपूर्वकं सर्वारिष्ट शांतिनिमित्तं सर्वमंगलकामनया- श्रुतिस्मृत्योक्तफलप्राप्त्यर्थं मनेप्सित कार्य सिद्धयर्थं श्री ।। (जिस देवी।देवता की पूजा कर रहे हैं उनका नाम ले)पूजनं च अहं करिष्ये। तत्पूर्वागंत्वेन निर्विघ्नतापूर्वक कार्य सिद्धयर्थं यथामिलितोपचारे गणपति पूजनं करिष्ये।

इस मंत्र में खाली जगहों पर ऋतु का नाम, मास का नाम, पक्ष का नाम, तिथि, दिन, अपना नाम और अपने गोत्र का नाम बोलें। इसके बाद जिस देवी या देवता के लिए वह व्रत कर रहे हैं, उनका नाम बोलें। तभी व्रत का संकल्प पूरा होगा।

संकल्प लेते समय क्या करें

जिस समय आप व्रत का संकल्प ले रहे हैं, उस समय हाथ में थोड़ा सा जल, अक्षत, फूल, सुपारी, दक्षिणा जरूर लें। संकल्प का मंत्र पूरा होने के बाद इसे उस देवी या देवता की तस्वीर या मूर्ति के आगे छोड़ दें, जिसके लिए आप व्रत कर रहे हैं।

व्रत के दौरान क्या न करें

व्रत आरम्भ करने के बाद मन में काम, क्रोध, लोभ, मोह या आलस नहीं लाएं। यदि लंबे समय के लिए कोई व्रत करने का संकल्प लिया है, तो उसकी अवधि पूरी हो जाने पर उसका उद्यापन जरूर करें। ऐसा नहीं करने पर व्रत का फल नहीं मिलता और वह निष्फल हो जाता है।

चौथे बड़े मंगल पर दीपक से करें ये अचूक उपाय, घर में होगा सुख-शांति का वास

बड़े मंगल को हिंदू धर्म में बहुत ज्यादा शुभ माना जाता है। यह भगवान हनुमान को समर्पित है। इस साल ज्येष्ठ महीने का चौथा बड़ा मंगल 3 जून को पड़ रहा है। कहा जाता है कि इस दिन श्रद्धापूर्वक वीर हनुमान की उपासना करने से सभी इच्छाओं की पर्ति होती है, तो चलिए इस दिन से जुड़े कुछ अचूक उपाय के बारे में जानते हैं, जो इस प्रकार हैं।

चौथे बड़े मंगल का धार्मिक महत्व

बड़े मंगल पर हनुमान जी की पूजा से चमत्कारी लाभ देखने को मिलते हैं।

इस दिन लोग व्रत रखते हैं और विभिन्न तरह के पूजा नियमों का पालन करते हैं। कहा जाता है कि ज्येष्ठ महीने में भगवान हनुमान की पूजा से प्रभु श्रीराम प्रसन्न होते हैं, क्योंकि यह वही शुभ माह है जब इनकी मुलाकात हुई थी, इसलिए इस महीने के मंगलवारों को भी बहुत ज्यादा शुभ माना गया है।

चौथे बड़े मंगल पर घर के इन कोनों में जलाएं दीपक

घर के मुख्य द्वार पर - घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाना बहुत उत्तम माना जाता है। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इसके साथ ही जीवन में शुभता का आगमन होता है। ऐसे में शाम के समय मुख्य द्वार पर दीपक जरूर जलाएं।

पूजा घर - घर के मंदिर में भगवान हनुमान की प्रतिमा के सामने दीपक जलाना चाहिए। इससे वीर बजरंगी की कृपा मिलती है।

तुलसी के पास - अगर आपके घर में तुलसी का पौधा है, तो उसके पास भी एक दीपक जलाएं। कहा जाता है कि तुलसी में मां लक्ष्मी का वास होता है। इसलिए इस दिन इस स्थान पर दीपक जलाने से घर में सुख-शांति आती है।

रसोई में - रसोई घर में दीपक जलाने से घर में कभी अन्न-धन की कमी नहीं होती और बरकत बनी रहती है। इसके साथ ही मनचाहा फल मिलता है।

घर के आंगन में - इस दिन घर के आंगन में भी दीपक जलाएं। ऐसा माना जाता है कि इससे हनुमान जी की कृपा मिलती है। इसके साथ ही जीवन में खुशहाली आती है।

ईशान कोण - घर के ईशान कोण को देवताओं का स्थान माना जाता है। ऐसे में इस कोने में दीपक जलाने से घर में शुभता आती है।

सिंह राशि के जातकों को कब मिलेगी मायावी ग्रह से मुक्ति? ऐसे करें केतु को प्रसन्न

न्याय के देवता शनिदेव मीन राशि में विराजमान हैं। मीन राशि में शनिदेव का गोचर कई राशि के जातकों के लिए मंगलकारी साबित हो रहा है। वहीं, कई राशि के जातकों को शनि की ढैय्या और साढ़ेसाती से गुजरना पड़ रहा है। शनि की ढैय्या ढाई साल तक रहती है और साढ़ेसाती साढ़े सात साल तक रहती है।

मेष, मीन और कुंभ राशि के जातकों पर साढ़ेसाती चल रही है। वहीं, सिंह और धनु राशि के जातकों पर शनि की ढैय्या चल रही है। इसके साथ ही सिंह राशि के जातकों को मायावी ग्रह से दो-चार होना पड़ रहा है। लेकिन क्या आपको पता है कि सिंह राशि के जातकों को कब मायावी ग्रह केतु से मुक्ति मिलेगी?

सिंह राशि - आत्मा के कारक सूर्य देव सिंह राशि के स्वामी हैं और आराध्य जगत के पालनहार भगवान विष्णु हैं। इस राशि के जातकों पर सूर्य देव की विशेष कृपा बरसती है। उनकी कृपा से सिंह राशि वाले कारोबार में बेहतर करते हैं। सिंह राशि के जातक साहसी और ऊर्जावान होते हैं। इस राशि का शुभ रंग सुनहरा और शुभ अंक पांच है।

कब समाप्त होगी शनि की ढैय्या?

सिंह राशि के जातकों को 03 जून, 2027 को शनि की ढैय्या से मुक्ति मिलेगी। इस दिन न्याय के देवता शनिदेव राशि परिवर्तन करेंगे। शनिदेव के राशि परिवर्तन करने से कुंभ राशि के जातकों को शनि की साढ़ेसाती से मुक्ति मिल जाएगी। वहीं, मीन राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का तीसरा चरण शुरू होगा।

कब मिलेगी मायावी ग्रह से मुक्ति?

मायावी ग्रह केतु 05 दिसंबर, 2026 को राशि परिवर्तन करेंगे। इस दिन केतु सिंह राशि से निकलकर कर्क राशि में गोचर करेंगे। इस दिन से ही सिंह राशि के जातकों को मायावी ग्रह केतु से मुक्ति मिलेगी। वहीं, कुंभ राशि के जातकों को राहु से राहत मिलेगी।

करें ये उपाय-सिंह राशि के जातक रोजाना सूर्य देव को जल अर्पित करें। साथ ही सोमवार और शनिवार के दिन गंगाजल में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इसके साथ ही रोजाना पूजा के समय हनुमान चालीसा का पाठ करें। इन उपायों को करने से मायावी ग्रह केतु से मुक्ति मिलेगी।

घर में रखें ये पांच चीजें, कभी नहीं होगी धन की कमी

हर व्यक्ति पैसा कमाने की दौड़ में लगा हुआ है। मगर, कई बार काफी मेहनत करने के बाद भी काम चलाने भर की कमाई होती है। कई बार पैसा कमा भी लिया, तो वह किसी न किसी तरह के अचानक और अनावश्यक खर्च आने की वजह से पानी की तरह बह जाता है। अगर, आप भी मानते हैं कि आपके साथ भी ऐसा ही हो रहा है, तो संभव है कि किसी तरह के वास्तु दोष की वजह से ऐसा हो रहा हो। वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि आप मां लक्ष्मी की प्रिय कुछ चीजों को घर में रख लेते हैं, तो हो सकता है कि आपके घर में मां लक्ष्मी की कृपा बरसना शुरू हो जाए।

इन चीजों को लाने के लिए आपको बहुत ज्यादा पैसे भी खर्च करने की जरूरत नहीं है। यदि आप पूरी भक्ति और श्रद्धा के साथ शुक्रवार के दिन इन चीजों को घर में लाकर मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं, तो आपके घर में कलेश भी दूर होगा और धन-धान्य की कमी नहीं होगी। घर के वास्तु को इन चीजों से करें बैलेंस।

जानिए किन चीजों को लाना है

मां लक्ष्मी की कृपा हासिल करने के लिए आपको पांच कौड़ियां, चांदी का सिक्का, हल्दी की गांठ, श्री यंत्र और पिरामिड को अपने घर में रखना है। ये चीजें बाजार में आसानी से मिल भी जाएंगी और चांदी के सिक्के को छोड़कर बाकी सामान की कीमत भी अधिक नहीं है।

पांच कौड़ियां-ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार, मां लक्ष्मी को कौड़ी अति प्रिय होती है। पांच कौड़ियों पर हल्दी लगाकर उसे लाल कपड़े में बांधकर मां लक्ष्मी की मूर्ति के पास रख दें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा घर पर बनी रहती है।

चांदी का सिक्का और हल्दी -वास्तु शास्त्र के अनुसार, चांदी के सिक्के पर रोली लगाकर उसे उसे तिजोरी में रखने से धन की वृद्धि होती है। दीपावली के समय में लोग इसी लिए चांदी का सिक्का खरीदते हैं, ताकि मां लक्ष्मी का आशीर्वाद उनके घर पर बना रहे। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और धन स्थिर होता है। हल्दी की गांठ भी इसी तरह का काम करती है। इसे भी तिजोरी में रखने से धन में बरकत होती है।

पिरामिड-वास्तु शास्त्र में पिरामिड का बहुत महत्व है। पिरामिड का ज्यामितीय आकार इस तरह का होता है कि उसमें बहुत सकारात्मक ऊर्जा होती है। इसीलिए मिस्र में शवों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए पिरामिड बनाए जाते थे।

यदि आप भी अपने घर में क्रिस्टल, तांबे या किसी अन्य धातु का बना पिरामिड रखते हैं, तो आपके भी घर में पॉजिटिव एनर्जी का फ्लो बढ़ेगा। इससे घर के सभी सदस्यों के जीवन में खुशहाली आएगी।

श्री यंत्र -श्री यंत्र का सीधा संबंध लक्ष्मी जी से है। इसे ईशान कोण यानी पूर्व और उत्तर के बीच की दिशा में शुक्रवार के दिन मंदिर में स्थापित करने से घर में धन की बरकत बनी रहती है।

गद्दर तेलंगाना फिल्म पुरस्कार 2024 : अल्लू अर्जुन सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, कल्कि सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म

तेलंगाना सरकार ने 14 साल के अंतराल के बाद गुरुवार को गद्दर तेलंगाना फिल्म अवार्ड्स 2024 की घोषणा की। इस इवेंट का उद्देश्य तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री को बढ़ावा देना है। 'कल्कि 2898 एडी' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, जबकि अल्लू अर्जुन को पुष्पा-2 में उनके प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता घोषित किया गया है। तेलंगाना फिल्म विकास निगम (एफडीसी) के अध्यक्ष दिल राजू और वरिष्ठ अभिनेत्री जयसुधा ने मसाबटैंक स्थित समाचार भवन में संवाददाता सम्मेलन में 'गद्दर तेलंगाना फिल्म अवार्ड्स 2024' की घोषणा की। जयसुधा ने दिल राजू के साथ 15 सदस्यीय जूरी समिति की अध्यक्षता की, जिसने विजेताओं का चयन किया।

निवेता थॉमस को 35-चिन्ना कथा कडु के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार के लिए चुना गया है।

एस.जे. सूर्या को सारिपोडा सानिवारम के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार मिला, जबकि सरन्या प्रदीप को अंबाजीपेटा मैरिगे बैंड में उनके प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।

नाग अश्विन सिंगी रेड्डी को 'कल्कि 2898 ई.' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और भीम्स सेसिरेलो को 'रजाकार' के लिए सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक चुना गया।

सिड श्रीराम को फिल्म 'ऊरू पेरू भैरवकोना' के गीत 'निजामे ने चेबुतुन्ना' के लिए सर्वश्रेष्ठ मेल प्लेबैक सिंगर और श्रेया घोषाल को 'पुष्पा 2' के गीत 'सुसेती अग्गी रव्वा' के लिए सर्वश्रेष्ठ फीमेल प्लेबैक सिंगर के लिए चुना गया।

जूरी ने फिल्म 'मट्टू वडालारा-2' के लिए सत्या और वेनेला किशोर को सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता के पुरस्कार के लिए चुना है।

वेंकी एटलुरी को 'लकी भास्कर' के लिए सर्वश्रेष्ठ पटकथा लेखक चुना गया जबकि शिवा पलाडुगु को 'म्यूजिक शॉप मूर्ति' के लिए सर्वश्रेष्ठ कहानीकार चुना गया।

चंद्र बोस को 'राजू यादव' के लिए सर्वश्रेष्ठ गीतकार का पुरस्कार मिला जबकि विश्वनाथ रेड्डी को 'गामी' के लिए सर्वश्रेष्ठ छायाकार का पुरस्कार मिला।

अभिनेता दुलकर सलमान को 'लकी भास्कर', अनन्या नागल्ला को 'पोटल', सुजीत और संदीप को 'केए', प्रशांत रेड्डी और राजेश कल्लेपल्ली को 'राजू यादव' और फारिया अब्दुल्ला को 'मट्टू वडालारा-2' में रैप गीत के लिए विशेष जूरी पुरस्कार मिला। 'पोटल' और 'लकी भास्कर' को क्रमशः दूसरी और तीसरी सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म घोषित किया गया।

'कमेटी कुर्रोलु' को राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्भाव और दलित वर्गों के सामाजिक उत्थान पर सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म घोषित किया गया। जूरी ने '35 चिन्ना कथा कडु' को सर्वश्रेष्ठ बच्चों की फिल्म और 'रजाकार' को इतिहास पर सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म घोषित किया। येदु वामसी को 'कमेटी कुर्रोलु' के लिए सर्वश्रेष्ठ डेब्यू फीचर फिल्म निर्देशक चुना गया।

तेलंगाना के गठन के बाद से यह पहला आधिकारिक राज्य स्तरीय फिल्म पुरस्कार है। पिछली बार इस अवॉर्ड फंक्शन का आयोजन साल 2011 में किया गया था।

जयसुधा ने बताया कि जूरी को 11 श्रेणियों में पुरस्कारों के लिए 1,248 नामांकन प्राप्त हुए। पुरस्कार 14 जून को प्रदान किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पिछले साल घोषणा की थी कि तेलुगू सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए नंदी पुरस्कार का आयोजन फिर से किया जाएगा और इसका नाम बदलकर क्रांतिकारी कवि और गीतकार गुम्मादी विट्ठल राव उर्फ गदर के नाम पर रखा जाएगा, जिनका 2023 में निधन हो गया था।

सोहा अली खान ने सोशल मीडिया पर मालदीव वेकेशन की तस्वीरें साझा की

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोहा अली खान ने सोशल मीडिया पर मालदीव वेकेशन का खूबसूरत वीडियो शेयर किया। इन तस्वीरों में वह अपने परिवार के संग छुट्टियों का भरपूर आनंद लेती नजर आ रही हैं। सोहा अली खान ने हाल ही में मालदीव में अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाईं। उन्होंने वहां की खूबसूरत यादों से तैयार एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया।

वीडियो में सोहा, अपने पति कुणाल खेमू और बेटी इनाया नौमी खेमू के साथ क्वालिटी टाइम बिताती नजर आईं। उन्हें परिवार के साथ पूल में मस्ती करते और अलग-अलग वॉटर एक्टिविटीज का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है।

वीडियो में सोहा और कुणाल समुद्र किनारे आराम से टहलते दिख रहे हैं। वहीं, उनकी बेटी इनाया खुशी-खुशी साइकिलिंग कर रही है और आस-पास की खूबसूरती का आनंद ले रही है। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, जली हुई नाक, खुशी से भरा दिल और साल भर के लिए पर्याप्त विटामिन डी। सोहा ने अपने कैप्शन के जरिए बताया कि मालदीप में उन्होंने धूप में समय बिताया लेकिन उन्होंने खूब एन्जॉय किया और खुशी महसूस की। इसके आगे उन्होंने कहा कि इस वेकेशन पर उन्होंने इतनी धूप ले ली है कि अब साल भर उन्हें विटामिन डी की कमी नहीं होगी।

इस वीडियो में कुणाल के बर्थडे सेलिब्रेशन की कुछ झलकियां भी शामिल हैं, जिसमें वह बेटी इनाया के साथ बीच पर फिल्म देखते हुए नजर आए। बता दें कि सोहा ने इससे पहले कुणाल के बर्थडे सेलिब्रेशन को लेकर पोस्ट शेयर किया था।

सोहा ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में वह पति कुणाल का जन्मदिन अपनी बेटी इनाया के साथ मिलकर सेलिब्रेट करती दिखी थीं। तस्वीरों में सोहा और कुणाल अलग-अलग अंदाज में नजर आए। एक तस्वीर में वे रोमांटिक बर्थडे डिनर का लुत्फ ले रहे थे, तो दूसरी तस्वीर में वे बेटी इनाया के साथ समुद्र किनारे फिल्म देख रहे थे। वहीं, उन्होंने गहरे समंदर में मजेदार डाइविंग का अनुभव भी लिया।

विनय पाठक का खुलासा : मुन्ना भाई नहीं बल्कि खोसला का घोसला है बोमन ईरानी की पहली फिल्म

एक्टर विनय पाठक अपनी नई फिल्म चिड़िया की तैयारियों में जुटे हैं। उन्होंने अभिनेता बोमन ईरानी को लेकर आईएएनएस से बात की और बताया कि उन्होंने फिल्म 'खोसला का घोसला' के जरिए हिंदी सिनेमा में कदम रखा था, लेकिन लोग मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस. को उनकी पहली हिंदी फिल्म मानते हैं। विनय ने इसके पीछे का कारण भी बताया। विनय ने कहा कि फिल्म वितरण में दिक्कतें आने के कारण खोसला का घोसला की रिलीज में देरी हुई थी। यह फिल्म करीब 3 साल तक बंद पड़ी रही, इस दौरान बोमन ईरानी की फिल्म 'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.' रिलीज हो गई और इस तरह इस फिल्म को उनकी पहली फिल्म मानी जाती है।

विनय पाठक ने खोसला का घोसला में काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'खोसला का घोसला' की सबसे अच्छी बात यह थी कि मैं अपने दोस्तों के साथ काम कर रहा था। यह मुझे हर काम में सबसे ज्यादा खुशी देता है। उस वक्त रणवीर शौरी और मैं दोनों थे, फिर बोमन ईरानी भी आए। ये उनकी पहली फिल्म थी, लेकिन खोसला का घोसला' तीन साल तक रिलीज नहीं हुई, तब तक उनकी मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस. रिलीज हो गई। इस फिल्म में उनकी एक्टिंग को काफी पसंद किया गया और वे लोकप्रिय हो गए।

दिलचस्प बात यह है कि दोनों फिल्में खोसला का घोसला और मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस. बड़ी हिट साबित हुईं। ये दोनों फिल्में इंडस्ट्री की दुनिया में कदम रखने वाले निर्देशकों ने बनाई थीं। मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस. के निर्देशक सुपरस्टार राजकुमार हिरानी थे, जबकि खोसला का घोसला के निर्देशक दिबाकर बनर्जी थे, जो अपनी खास और अलग तरह की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। दोनों फिल्मों को नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स भी मिले और दोनों फिल्मों में बोमन ईरानी ने नकारात्मक या ग्रे शेड किरदार निभाया था। फिल्म 'चिड़िया' का निर्देशन मेहरान अमरोही ने किया है। यह 30 मई को थिएटर्स में रिलीज होगी।

गीता बसरा ने बताया, क्यों बनाई बॉलीवुड से दूरी, अभी तक है ये मलाल

अभिनेत्री गीता बसरा ने फिल्म इंडस्ट्री से दूर जाने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बॉलीवुड से दूरी बनाने के पीछे क्या वजह थी। अपने फिल्मी करियर पर रोशनी डालते हुए गीता बसरा ने बॉलीवुड में एक बाहरी व्यक्ति के रूप में अपने सामने आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें सपोर्ट नहीं मिला, जिस वजह से चार बड़ी फिल्में उनके हाथ से निकल गई। उन्होंने बताया कि पति, क्रिकेटर हरभजन सिंह से मिलने के बाद इंडस्ट्री की उनको लेकर धारणाएं बदल गईं, जिस वजह से कई फिल्में उनके हाथ से निकल गईं। फिल्म निर्माताओं ने मन में यह विचार कर लिया कि अब वह शादी करने जा रही हैं और उन्हें कई प्रोजेक्ट से दूर करना शुरू कर दिया था। गीता से पूछा गया कि जब उनका करियर आगे की ओर बढ़ रहा था, तब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से दूर जाने का फैसला क्यों लिया, तो गीता बसरा ने बताया कि जब वह हरभजन से मिलीं, तब उन्होंने अपना करियर शुरू ही किया था। बसरा ने बताया, जब मैं भज्जी से मिली, तब मैंने अपना करियर शुरू ही किया था। मैं इंडस्ट्री में नई थी। उस समय लोगों की मानसिकता अलग थी- आप किसी व्यक्ति के साथ सार्वजनिक रूप से दिख जाएं तो अफवाहें फैलने लगती थीं। यह सोच केवल दर्शकों तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि निर्माताओं, निर्देशकों और अभिनेताओं की भी ऐसी सोच थी। मेरी भज्जी से मुलाकात हुई और इसके बाद मेरे हाथ से चार फिल्में केवल इसलिए निकल गईं क्योंकि लोगों को लगा कि मैं शादी करने जा रही हूं। इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था, जिस वजह से मैं लोगों को समझा भी नहीं सकती थी। गीता ने राहत भरी सांस लेते हुए बताया, शुक्र है कि समय बदल चुका है। आज, कोई भी परवाह नहीं करता कि आप शादीशुदा हैं या आपके बच्चे हैं। जो

मायने रखता है वह है स्क्रीन पर आपका काम। जब गीता के पति और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह से पूछा गया कि उन्होंने कभी गीता बसरा को शादी के बाद फिल्मों में वापसी के लिए प्रोत्साहित किया, तो क्रिकेटर ने बताया कि यह फैसला पूरी तरह से उनका था। उन्होंने कभी भी उन पर कोई बंदिश नहीं लगाई और लाइमलाइट से दूर रहने के उनके फैसले का सम्मान किया। हरभजन ने कहा, जब भी उसे जीवन में कोई विकल्प चुनना पड़ा, मैंने हमेशा उसका साथ दिया और उसका समर्थन किया। लेकिन, सब कुछ भगवान की योजना के अनुसार होता है - हम कब, कहां और कितना कर सकते हैं, यह सब भगवान पर निर्भर करता है। मेरा काम उसे सपोर्ट और प्रोत्साहित करना है। गीता बसरा कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उन्हें दिल दिया है, द ट्रेन, जिला गाजियाबाद जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए पहचान मिली। साल 2016 में वह पंजाबी फिल्म लॉक में नजर आई थीं।

अजय देवगन की इस हरकत से सेट पर बेहोश हो गए थे लोग, लड्डू में मिला दी थी ये चीज

सुपरस्टार अजय देवगन को अगर बॉलीवुड का सबसे बड़ा प्रैंकस्टर कहा जाए तो किसी को भी कोई हैरानी नहीं होगी। अजय देवगन के साथ ही कई स्टार्स भी उनके प्रैंक के किस्से सुना चुके हैं। अजय सेट पर पर अक्सर ही शरारती अंदाज में नजर आते हैं। आज हम भी आपके लिए उनकी शरारत से भरा एक मजेदार किस्सा लेकर हाजिर हुए हैं, जब अजय देवगन सेट पर भांग से बने लड्डू लेकर पहुंच गए थे। इन्हें खाने के बाद सेट पर मौजूद कुछ लोग बेहोश हो गए थे।

भांग से बने लड्डू लेकर सेट पर पहुंचे थे अजय

अजय देवगन ने अपनी फिल्म 'ओमकारा' के सेट पर फिल्म की टीम के साथ बहुत बड़ा मजाक किया था। तब अजय भांग से बने लड्डू लेकर सेट पर गए थे। अजय देवगन से जुड़ा ये मजेदार किस्सा एक्ट्रेस और कॉस्ट्यूम डिजाइनर डॉली अहलूवालिया ने अपने एक इंटरव्यू में सुनाया था।

डॉली ने बताया था, अजय सेट पर भांग से बने लड्डू लाए थे और जिसने भी उन लड्डुओं को खाया, वो बेहोश हो गया। इस कारण फिल्म के डायरेक्टर विशाल भारद्वाज थोड़े परेशान हो गए थे। हालांकि, अजय ने कहा था कि

चिंता की बात नहीं है, वो ठीक हो जाएंगे। डॉली ने इस दौरान अजय को सबसे बड़ा प्रैंकस्टर भी कहा था।

ऐसा हुआ था 'ओमकारा' का हाल

ओमकारा 28 जुलाई 2006 को रिलीज हुई थी, जिसका डायरेक्शन विशाल भारद्वान ने किया था। अजय के साथ इस फिल्म का हिस्सा करीना कपूर खान, सैफ अली खान और विवेक ओबेरॉय जैसे स्टार्स भी थे। फिल्म को मेकर्स ने 25 करोड़ रुपये के बजट में बनाया था। लेकिन भारत में इसकी कमाई सिर्फ 23 करोड़ रुपये ही हो पाई थी। हालांकि वर्ल्डवाइड कलक्शन 42 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था।

सुपरहिट हुई अजय की 'रेड 2'

अजय देवगन की फिल्म 'रेड' का सीक्वल 'रेड 2' हाल ही में रिलीज हुआ है। रेड 2 में अजय को रितेश देशमुख टक्कर दे रहे हैं। दोनों के बीच की भिड़त दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। राजकुमार गुप्ता के डायरेक्शन में बनी ये पिक्चर बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है। फिल्म ने टिकट खिड़की पर 27 दिनों में 163 करोड़ रुपये कमा लिए है। जबकि इसका बजट सिर्फ 48 करोड़ रुपये है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। ग़लतफ़हमी या कोई ग़लत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएँ, ख़ास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैव–ाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते आप परेशान होगें आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और जरूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी–पत्री में सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। परिवार के साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़, थोड़ी छेड़–छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शांत और तनाव–रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। साथ ही इस राह में आने वाले गड्ढों और दिक़्क़तों से दिल छोटा न करें। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। बाहरी लोगों का हस्तक्षेप आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी उत्पन्न कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और अपनी योजनाओं के लिए आप पूरे सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। अपनी शारीरिक–ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी–तोड़ मेहनत कर जल्द–से–जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छो–टा–सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान–फ़रामोशी इसे तार–तार कर देती है। ऐसे काम हाथ में लें, जो रचनात्मक प्रकृती के हैं। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 मई 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 09:25 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु रात्रि 09:30 तक
योग : गण्ड दोपहर 12:56 तक
करण : वणिज प्रातः 10:17 तक
चन्द्रराशि : मिथुन सायं 03:43 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:35 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : विनायक चतुर्थी,
भद्रा प्रातः 10:15 रात्रि 09:25 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र से कृषि में क्रांति का बिगुल फूंका, कहा

किसान ही 'विकसित भारत' की असली ताकत

कुरुक्षेत्र, 29 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रव्यापी विकसित कृषि संकल्प अभियान की कड़ी में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र से विकसित कृषि संकल्प अभियान का आगाज किया। इस अभियान का उद्देश्य किसानों को नई तकनीक, योजना और नवाचार से जोड़कर कृषि क्षेत्र में सुधार लाना है। किसानों को खरीफ फसलों की वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी देना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व को समझाना और सरकारी योजनाओं व नीतियों का लाभ पहुंचाना है। इस अभियान के तहत किसानों से सीधा संवाद करके फीडबैक लेकर कृषि अनुसंधान को एक नई दिशा मिलेगी। आज से आगामी 12 जून तक प्रदेशभर में चलाया जा रहा यह अभियान, किसानों को सशक्त करने की प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय परिसर में हरियाणा के कृषि, बागवानी, मत्स्य और पशुपालन विभागों तथा आईसीएआर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए किसानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों की मेहनत, धैर्य और समर्पण से ही आज भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से हर किसान को नीति का सहभागी और नवाचार का भागीदार बनाएंगे। यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है, जो किसानों को ज्ञान, नवाचार और तकनीक से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। यह अभियान एक ऐसी त्रिवेणी है, जिसमें कृषि वैज्ञानिक, कृषि से जुड़े विभागों के अधिकारी और किसान एक–दूसरे से सीधा संवाद करेंगे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत' का जो संकल्प लिया है, उसमें हमारे अन्नदाता को एक प्रमुख स्तंभ माना है। एक विकसित, मजबूत और समृद्ध भारत तभी संभव होगा, जब हमारा किसान खुशहाल और आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की संयुक्त पहल है। उन्होंने कहा कि इस महा अभियान के तहत देशभर में 2 हजार से अधिक कृषि वैज्ञानिकों और कृषि अधिकारियों की टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें गांव–गांव जाकर लगभग डेढ करोड़ किसानों से सीधा संवाद करेंगी। यह अपने आप में कृषि क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा जनसंपर्क अभियान होगा। इस दौरान किसानों को स्थानीय जलवायु, मिट्टी और फसलों के अनुरूप विशेष सुझाव दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा कृषि प्रधान राज्य है। इस समय जलवायु परिवर्तन, जल संकट, भूमि की उपजाऊ शक्ति कम होना और बाजार की बदलती मांगें, ये सभी चुनौतियां आज हमारे सामने हैं। 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' इन्हीं चुनौतियों का सामना करने में किसानों को सशक्त बनाएगा। यह अभियान लैब से खेत तक, यानी कृषि अनुसंधान को सीधे हमारे किसानों के खेतों तक पहुंचाने का काम करेगा। कृषि वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी और प्रगतिशील किसान मिलकर राज्य के 1,380 गांवों और 109 ब्लॉकों को कवर करेंगे। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल तकनीक ने खेती को बदल दिया है। इस अभियान' के दौरान डिजिटल टूल्स की जानकारी भी दी जाएगी। इससे किसान परंपरागत तरीकों के साथ–साथ स्मार्ट एग्रीकल्चर की ओर आगे बढ़ सकेंगे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों के हितों में लगातार कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। सरकार ने खरीफ फसलों के लिए हर किसान को 2 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से 1,345 करोड़ रुपये का बोनस दिया है। ऐसा हरियाणा के इतिहास में पहली बार हुआ है। इसके अलावा, हमने अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे आबियाने को जड़ से खत्म किया है और आबियाना के 133 करोड़ रुपये की बकाया राशि को भी माफ किया है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने खेतों से गुजरने वाली बिजली की हाई टेंशन लाइनों के लिए मुआवजा नीति बनाई है। इसमें टावर एरिया की जमीन के लिए मार्केट रेट के 200 प्रतिशत व लाइन के नीचे की भूमि के लिए मार्केट रेट के 30 प्रतिशत मुआवजे का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पट्टेदार किसानों को मालिकाना हक दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पानी की हर बूंद को बचाने और सूक्ष्म सिंचाई को अपनाने का आह्वान किया है। इसलिए किसानों को पानी का ज्यादा दोहन करने वाली फसलों की जगह अन्य फसलों की खेती को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ें, क्योंकि प्राकृतिक खेती आज के समय की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने किसानों का आह्वान किया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान को जन–आंदोलन बनाकर भारत को एक बार फिर 'विकसित राष्ट्र' बनाने की दिशा में निर्णायक कदम उठाएं।

राज्यपाल बंडारू ने बाबा बागेश्वर से लिया आशीर्वाद हनुमान कथा को भी श्रद्धा पूर्वक सुना

चंडीगढ़, 29 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्त–ात्रेय ने सेक्टर–5 शालीमार ग्राउंड में विश्व विख्यात कथा वाचक बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री की हनुमान कथा में पहुंचकर कथा का श्रवण किया और बाबा बागेश्वर से आशीर्वाद लिया व श्री हनुमान कथा के लिए पंचकूला में पध–ारने पर उनका अभिनंदन भी किया।राज्यपाल ने कहा कि यह पहला अवसर है, जब बाबा बागेश्वर सरकार का दिव्य दरबार पंचकूला की पावन भूमि पर सजा है। उन्होंने पूज्य धीरेंद्र शास्त्री जी को श्री हनुमान कथा के भव्य, पवित्र और प्रेरणादायक आयोजन के लिए नमन किया और उनका आशीर्वाद लिया।

राज्यपाल ने कहा कि आज पंचकूला की धरती भक्ति के रंग में रंगी है। चारों ओर श्रीराम जी और बजरंगबली की जय के जयघोष गूंज रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंडित धीरेन्द्र शास्त्री जी ने एक युवा संत के रूप में जो कार्य किया है, वह असाधारण है। आपने कथा को केवल धार्मिक आयोजन नहीं रहने दिया, आपने इसे एक राष्ट्र–जागरण अभियान बना दिया है। आपकी वाणी में वेदों की गूंज है, आपकी भाषा में राष्ट्रप्रेम की भावना है जो सभी को राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देती है। हनुमान कथा वाचक पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने हरियाणा के राज्यपाल को श्रीराम की चुनरी व हनुमान की मूर्ति सम्मान स्वरूप भेंट की। इस अवसर पर उपायुक्त मोनिका गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार तरुण भंडारी भी उपस्थित थे।

मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को घर–घर पहुंचाएगी भाजपा : बड़ौली

चंडीगढ़, 29 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने मोदी सरकार के 11 साल पूरा होने को संकल्प से सिद्धि तक मनाने का निर्णय लिया है। ''मोदी सरकार के 11 साल, संकल्प से सिद्धि तक'' कार्यक्रम के जरिए बीजेपी मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को कार्यक्रमों व अभियानों के जरिए घर–घर तक पहुंचाएगी। कार्यक्रमों की रूपरेखा के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने पांच सदस्यीय प्रदेश समिति का गठन कर संयोजक और सह संयोजकों की घोषणा कर दी है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश समिति की संयोजक सांसद रेखा शर्मा को नियुक्त किया है। वहीं पूर्व मंत्री कंवरपाल गुर्जर, पूर्व मंत्री बिशम्बर बाल्मिकी, पूर्व मंत्री जेपी दलाल, पूर्व मंत्री सीमा त्रिखा को प्रदेश समिति का सह संयोजक नियुक्त किया गया है। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास की ऊंचाइयों को छू रहा है और एक सशक्त और मजबूत राष्ट्र के रूप में दुनिया में अपनी पहचान बनाई है।

बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। अब मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर प्रदेश भर में मोदी सरकार की उपलब्धियों को घर–घर तक पहुंचाया जाएगा। बड़ौली ने कहा कि भाजपा ने संकल्प पत्र में जो भी संकल्प लिए हैं उन्हें भाजपा सरकार ने सिद्धि तक पहुंचाने का काम किया है। बड़ौली ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत इन 11 सालों में दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था वाला देश बना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व और हमारी सेना के शौर्य को पूरी दुनिया ने देखा है।

राज्यवर्धन राठौड़ ने मांचवा गांव को दी करोड़ों की सौगात, विकास कार्यों का किया शुभारंभ

जयपुर, 29 मई (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ अपने विधानसभा क्षेत्र की प्रगति के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इसी कड़ी में, उन्होंने आज अपने गांव मांचवा, झोटवाड़ा में विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं कीं और कुछ परियोजन–ाओं का लोकार्पण भी किया, जिससे स्थानीय जनता में खुशी की लहर दौड़ गई है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने ग्राम पंचायत मांचवा के लिए कई महत्वपूर्ण घो–षणाएं कीं। इनमें विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास फंड से 10 लाख रुपये की लागत से एक आधुनिक सामुदायिक भवन का निर्माण करवाया जाएगा, जो ग्रामीणों के सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए, गांव में एक आउटडोर फिटनेस सेंटर और ओपन जिम की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस पर कार्य भी शुरू हो गया है, जिससे युवाओं और बुजुर्गों दोनों को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने का अवसर मिलेगा। पानी की समस्या को दूर करने के लिए एक नए ट्यूबवेल के निर्माण की घोषणा की गई है, जिससे गांव में पेयजल आपूर्ति में सुधार होगा। खेल सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, गांव के बास्केटबॉल कोर्ट में लाइटिंग की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी, जिससे शाम के समय भी खिलाड़ी अभ्यास कर सकेंगे। इन घोषणाओं के साथ ही, कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, मांचवा में नवनिर्मित कक्षा कक्ष और बरामदे का लोकार्पण भी किया। यह शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ द्वारा की गई इन घोषणाओं और लोकार्पण की सराहना करते हुए मांचवा और झोटवाड़ा की जनता ने उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

महाराणा प्रताप हमारे लिए प्रेरणापुंज, नई पीढ़ी में आदर्शों का हो संचार : भजनलाल

चित्तौड़गढ़, 29 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मेवाड़ शक्ति, भक्ति, त्याग और तपस्या की भूमि है। मेवाड़ की धरा स्वाभिमान और शौर्य की एक अमिट मिसाल है। इस भूमि पर आकर अत्यंत गर्व की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप हमारे लिए प्रेरणापुंज है, जिन्होंने सदैव सत्य, धर्म और राष्ट्रहित के मार्ग पर चलना सिखाया है। नई पीढ़ी में ऐसे आदर्शों एवं संस्कारों का संचार होना चाहिए।

शर्मा गुरूवार को चित्तौड़गढ़ के भूपालसागर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर मूर्ति अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की इस गौरवशाली धरा की महान विभूतियों वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप, अद्वितीय बलिदान की प्रतिमूर्ति मां पन्नाधाय और वीर योद्धा राणा पूंजा की प्रतिमाओं के अनावरण का यह अवसर आज के दिन को स्वर्णाक्षरों में अंकित करता है। मुख्यमंत्री ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को नमन करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप पराक्रमी एवं स्वाभिमानी थे तथा उन्होंने कभी किसी की अधीनता स्वीकार नहीं की। उनका नाम सुनते ही धमनियों में शौर्य और पराक्रम का रक्त प्रवाहित होने लगता है, मस्तक गर्व और स्वाभिमान से ऊंचा हो उठता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार महाराणा प्रताप के संदेश को पूरी दुनिया में पहुंचाने के लिए महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों चावंड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़, दिवेर एवं उदयपुर आदि को सम्मिलित करते हुए महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित कर रही है ताकि पर्यटक महाराणा प्रताप की शूरवीरता की गाथा अपने साथ लेकर जाए। साथ ही हमारी सरकार प्रदेश में कोच और खेल विशेषज्ञ तैयार करने के लिए महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय की स्थापना कर रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि मेवाड़ की धरा महाराणा प्रताप के साथ ही मां पन्नाधाय एवं राणा पूंजा की धरती है, जिन्होंने दुनिया को कर्तव्यनिष्ठा, शौर्य और अनूठे बलिदान का परिचय दिया। आज का यह दिन भी हमें त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति से हमारी सभ्यता को गौरवशाली बनाने वाले वीरों की याद दिलाता है।कार्यक्रम में सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम दक, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, सांसद सीपी जोशी, सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सीएम भजनलाल शर्मा की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति

16 अफसरों के खिलाफ कार्रवाई को दी मंजूरी

जयपुर, 29 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भ्रष्टाचार एवं कदाचार के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध लंबित अनुशासनात्मक कार्रवाई एवं अभियोजन स्वीकृति के 16 विचाराधीन प्रकरणों का निस्तारण किया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 के अंतर्गत 5 प्रकरणों में अभियोजन स्वीकृति प्रदान की तथा धारा 17–ए के एक प्रकरण में विस्तृत जांच एवं अनुसंधान की अनुमति प्रदान की है। इसी तरह कार्यस्थल पर महिला उत्पीड़न के प्रकरण में दोषी अधिकारी को सेवा से हटाया गया है। वहीं, पद के दुरुपयोग के साथ राज्य सरकार को वित्तीय हानि पहुंचाने की जांच के एक प्रकरण में आरोपित अधिकारी को राजकीय सेवा से बर्खास्त किया गया है।

इसी तरह सेवानिवृत्त अधिकारियों के पुराने प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 9 अधिकारियों की पेंशन रोके जाने की कार्यवाही की गई है तथा 5 सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध प्रमाणित आरोपों के जांच निष्कर्ष का अनुमोदन भी किया गया है। इसके अतिरिक्त, सेवारत 3 अधिकारियों के विरूद्ध सीसीए नियम 16 के तहत 2 वार्षिक वेतनवृद्धि संचयी प्रभाव से रोके जाने का निर्णय किया गया है। वहीं, एक प्रकरण में प्रस्तुत अपील को खारिज करते हुए 17 सीसीए में प्रदत्त दंड को यथावत रखा गया है।

पीके पर भाजपा का तंज

बिहार की जमीनी सच्चाइयों को समझने में चूक कर रहे हैं

सीवान (एजेंसियां)। सीवान जिले के न्यू परिषदन स्थित भाजपा कार्यालय में गुरुवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा और शम्भू शरण पटेल ने बिहार और राष्ट्रीय राजनीति को लेकर विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में दोनों नेताओं ने कांग्रेस, विपक्षी दलों और जनस्वराज अभियान के संयोजक प्रशांत किशोर की आलोचना की।

सांसद राकेश सिन्हा ने ऑपरेशन सिंदूर का हवाला देते हुए इसे भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं पर प्रहार बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राम मंदिर निर्माण में अड़चनें डालीं और अब वह परंपरागत मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। भाजपा न केवल एक राजनीतिक दल है, बल्कि भारतीय संस्कृति और आस्था की रक्षक भी है। उन्होंने कहा कि भाजपा वोटबैंक की राजनीति को चुनौती देकर राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण की दिशा में काम कर रही है।

वहीं राज्यसभा सांसद शम्भू शरण पटेल ने प्रशांत किशोर और उनके जनसुराज अभियान की आलोचना करते हुए कहा कि प्रशांत किशोर चुनावी रणनीति के विशेषज्ञ हो सकते हैं, लेकिन बिहार की जमीनी सच्चाइयों को समझने में वह चूक कर रहे हैं। राजनीति केवल सोशल मीडिया और प्रचार से नहीं चलती, इसके लिए समाज के साथ गहराई से जुड़ाव और जनता का विश्वास जरूरी है।उन्होंने कहा कि भाजपा बिहार की सामाजिक जरूरतों को समझती है और जनता के साथ निरंतर संवाद के माध्यम से बदलाव की दिशा में कार्य कर रही है।

प्रेस वार्ता से पहले दोनों सांसदों ने सीवान में विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत की और स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास और सरकार की योजनाओं को लेकर आश्वासन भी दिया। भाजपा नेताओं के इस दौरे को आगामी चुनावों की रणनीति के तहत एक अहम कड़ी माना जा रहा है। नेताओं के तेवरों से स्पष्ट है कि पार्टी अब विपक्ष पर वैचारिक हमले और तेज करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

30 मई तक हड़ताल समाप्त करने वाले राजस्व कर्मियों को मिलेगा उपार्जित अवकाश का लाभ

पटना (एजेंसियां)। राज्य के हड़ताली राजस्व कर्मियों के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने अंतिम अवसर की घोषणा की है। विभाग के सचिव जय सिंह ने सभी जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि जो भी राजस्व कर्मचारी 30 मई 2025, शुक्रवार को शाम 5 बजे तक हड़ताल समाप्त कर अपने कार्यस्थल पर योगदान देंगे, उन्हें हड़ताल की अवधि के लिए उपार्जित अवकाश की स्वीकृति दी जाएगी और उनकी सेवा को नियमित माना जाएगा।

सचिव ने स्पष्ट किया है कि 30 मई की समयसीमा के बाद योगदान करने वाले कर्मचारियों को ङ्गनो वर्क, नो पेङ्घ के सिद्धांत पर वेतन का भुगतान किया जाएगा और उनकी सेवा नियमित करने पर विभाग बाद में निर्णय लेगा। इससे पहले विभाग ने 21 मई 2025 को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर समाचार पत्रों और सोशल मीडिया के माध्यम से सभी हड़ताली राजस्व कर्मचारियों को निर्देश दिया था कि वे तीन दिनों के भीतर कार्य पर लौटें। इस निर्देश के बाद कई कर्मचारियों ने हड़ताल समाप्त कर अपने पदस्थापन स्थल पर योगदान दे दिया है।

विभाग ने अब भी हड़ताल पर बने कर्मचारियों के लिए चेतावनी जारी की है। उनके लिए यह अंतिम अवसर है कि वे 30 मई की निर्धारित समयसीमा तक वापस लौटें, अन्यथा उन्हें न केवल वेतन से वंचित होना पड़ेगा बल्कि उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई भी आरंभ कर दी जाएगी। इसके अलावा यदि उन्होंने विभागीय लैपटॉप अब तक कार्यालय में वापस नहीं किया है तो उनके खिलाफ लोक मांग वसूली अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। सचिव जय सिंह ने सभी जिलाधिकारियों से यह भी कहा है कि ऐसे राजस्व कर्मियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन जल्द से जल्द विभाग को उपलब्ध कराया जाए, ताकि आगे की प्रक्रियाएं समय पर पूरी की जा सकें।

करंट की चपेट में आए एक ही परिवार के तीन लोग चाचा-भतीजी की मौत, एक की हालत गंभीर

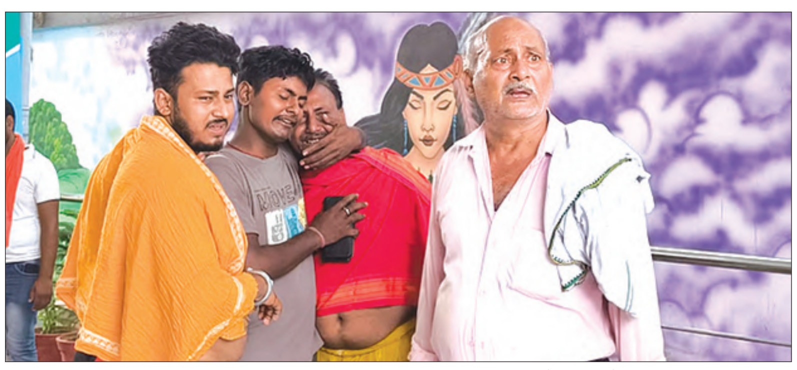

पटना (एजेंसियां)। बिहार के भोजपुर जिले के आरा में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। बिहियां थाना क्षेत्र के खाखोबांध गांव में एक ही परिवार के तीन लोग करंट की चपेट में आ गए। इस हादसे में चाचा और भतीजी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, खाखोबांध गांव निवासी नंदन यादव की 16 वर्षीय पुत्री कविता कुमारी मंगलवार को खेत में चारा लाने गई थी। उसी दौरान वहां लगे बोरिंग का बिजली का तार टूटकर नीचे गिर गया। दुर्भाग्यवश कविता उस टूटे हुए तार के संपर्क में आ गई, जिससे उसे करंट लग गया और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

कविता को बेसुध देखकर उसके चाचा पप्पू कुमार उसे उठाने दौड़े, लेकिन वे भी करंट की चपेट में आ गए और उनकी भी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद पप्पू के चचेरे भाई संतोष कुमार मदद के लिए पहुंचे, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। संतोष को तत्काल बिहियां के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया।

इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतक किशोरी के पिता और पप्पू के बड़े भाई नंदन यादव का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि मेरी एक ही बेटी थी, उसे हम बहुत लाड़-प्यार से पालते थे और पढ़ा-लिखा रहे थे। वह भी हमें छोड़कर चली गई। मेरे भाई की शादी इसी 5 मई को हुई थी। उसकी पत्नी के हाथों की मेहंदी तक नहीं छूटी थी और वह भी इस दुनिया से चला गया। पूरा घर उजड़ गया।

इस घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। टूटे हुए तारों की मरम्मत समय पर नहीं की गई थी, जिससे यह दर्दनाक घटना घटी। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

सीएम ने जेपी गंगा पथ, गायघाट रैंप और कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल का किया निरीक्षण

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना के महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया। सबसे पहले उन्होंने जेपी गंगा पथ पर चल रहे सौंदर्यीकरण और हरियाली के काम को देखा। यहां पेड़-पौधे लगाए जा रहे हैं और इलाके को सुंदर बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेपी गंगा पथ एक अनोखी परियोजना है और इसका सौंदर्यीकरण बेहतर तरीके से होना चाहिए। उन्होंने सड़क सुरक्षा और सुगम यातायात पर भी जोर दिया।

इसके बाद मुख्यमंत्री गायघाट पहुंचे, जहां जेपी गंगा पथ से नदी की ओर एक नया डाउन रैंप बनाया जा रहा है। इस रैंप से वाहन सीधे नीचे उतर सकेंगे, जिससे यू-टर्न लेने की जरूरत खत्म हो जाएगी और आवागमन और भी आसान और सुरक्षित होगा। मुख्यमंत्री ने रैंप का काम तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि जेपी गंगा पथ को महात्मा गांधी सेतु और पास में बन रहे नए फोरलेन पुल से जोड़ा जाए ताकि लोगों को और बेहतर सुविधा मिल सके।

अंत में मुख्यमंत्री ने कच्ची दरगाह-बिदुपुर के बीच बन रहे 6 लेन पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस पुल का काम जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने बताया कि जेपी गंगा पथ दीदारगंज तक बनकर तैयार है, और अब इस पुल से इसे सीधा जोड़ा जाएगा। इससे उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच सफर आसान होगा और पटना शहर में लगने वाले जाम से भी राहत मिलेगी। खासकर पटना के पूर्वी इलाकों में रहने वालों को इसका बड़ा फायदा होगा।

निरीक्षण के समय मुख्यमंत्री के साथ उनके प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, सचिव अनुपम कुमार, पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप पुदुकल कट्टी, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और अभियंता मौजूद थे।

वीआईपी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता पर हमला, सरेराह उपद्रवियों ने बरसाए पत्थर

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में देर रात को मुकेश सहनी की वीआईपी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सह साहेबगंज जिला पार्षद राजेश सहनी पर अपराधियों ने हमला किया है। हालांकि गनीमत रही कि उन्हें इस घटना में चोट नहीं लगी। यह घटना जिले के देवरिया थाना क्षेत्र के चक देवरिया के पास में की बताई गई है। इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई जिसके बाद से मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पारू प्रखंड क्षेत्र के कटारु पंचायत से बांध के रास्ते घर लौट रहे थे और इस दौरान में उनके साथ में करीब आधा दर्जन समर्थक थी।इसी दौरान में जब वह पारू प्रखंड क्षेत्र के कटारु पंचायत से बांध के रास्ते घर लौट रहे थे, तभी अचानक उनके वाहन पर पत्थर की बरसात होने लगी। जब तक कुछ समझ पाते तब तक उन्होंने अपने चालक को गाड़ी तेजी से निकालने का आदेश दिया और तब जाकर वह सुरक्षित अपने घर पहुंच सके।

घटना के संबंध में राजेश सहनी ने बताया कि बीते कुछ दिनों से लगातार वहअपने क्षेत्र में लोगों से मुलाकात कर रहे हैं।

इसी क्रम में जब वह देर रात अपने घर लौट रहे थे तो चक देवरिया बांध रोड के पास अचानक सड़क के दोनों तरफ से पत्थरबाजी शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि मुझ पर जानलेवा हमला किया गया है ताकि मुझे क्षति पहुंचाया जा सके। उन्होंने बिहार सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस सरकार में जब जनप्रतिनिधि भी सुरक्षित नहीं है, ऐसे में आम जनता कैसे सुरक्षित रह सकता है। राजेश सहनी ने कहा कि हालांकि वाहन की शीशे लॉक होने के कारण हमारी जान बच गई और हमें चोट नहीं आई है।

इस मामले को हमने पार्टी के वरीय लोग को अवगत करा दिया है और इसके साथ ही साहेबगंज थाना और देवरिया थाना की पुलिस के साथ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सरैया कुमार चंदन को अवगत कराया है।

पिपरौन-जटही अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दो चीनी नागरिक गिरफ्तार, फोन से मिले भारत विरोधी वीडियो

दरभंगा (एजेंसियां)। मधुबनी में पिपरौन-जटही अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 48 एसएसबी बटालियन ने दो चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों बिना अनुमति के भारत की सीमा में घुस रहे थे। जवानों ने इन्हें पिलर संख्या 284/35 के पास पकड़ा। गिरफ्तार एक व्यक्ति का नाम वू हेलोंग है, जिसकी उम्र 38 साल है। वह चीन के लियाओनिंग प्रांत के डालियान शहर का रहने वाला है। उसका पासपोर्ट नंबर ईएल9961400 है और उसके पिता का नाम शेन जहोंग मिंग है।

जांच में पता चला कि वू हेलोंग 14 मार्च को टूरिस्ट वीजा पर नेपाल के काठमांडू पहुंचा था। उसके पास 11 जून 2025 तक वैध वीजा है, जिसे 11 जुलाई 2025 तक बढ़ा दिया गया है। वह काठमांडू और पोखरा घूमने के बाद 26 मई को जनकपुर पहुंचा और 'मिथिला चिरायु' होटल में रुका। पूछताछ में वू हेलोंग ने बताया कि वह पहले चीन में रेस्टोरेंट चलाता था, लेकिन वह दो साल पहले बंद हो गया। अब वह सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर काम कर रहा है। इसके लिए उसने अलीबाबा से 10,000 युवान (चीनी मुद्रा) लिए हैं। वह टिकटॉक और वीचैट जैसे प्लेटफफॉर्म पर वीडियो बनाकर डालता है। दूसरे व्यक्ति

का नाम शेंग जुन योंग है। वह 27 फरवरी को शंघाई से नेपाल आया था। उसके पास टूरिस्ट वीजा था, जिसकी वैधता 27 मई 2025 तक थी, जिसे अब 26 जून 2025 तक बढ़ाया गया है। वह इससे पहले भी मार्च 2024 से मई 2024 तक नेपाल घूम चुका है। इस बार वह अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने नेपाल आया था।

जांच के दौरान वू हेलोंग के मोबाइल से 50 से ज्यादा भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थक वीडियो मिले हैं, जो उसने 7 मई के बाद इंटरनेट से डाउनलोड किए थे। हालांकि, अब तक यह साबित नहीं हुआ है कि उसने ये वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए हों। वू ने बताया कि वह इन वीडियो को भविष्य में पोस्ट करके अपने व्यू और फॉलोअर्स बढ़ाना चाहता था। दोनों चीनी नागरिकों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए हरलाखी थाने को सौंपा जाएगा एसएसबी के कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी ने बताया कि उनकी टीम भारत-नेपाल सीमा पर पूरी सतर्कता से निगरानी कर रही है और जवान चौकस हैं।

वू हेलोंग ने बताया कि उसने ये वीडियो इसलिए डाउनलोड किए थे ताकि आगे चलकर इन्हें अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके ज्यादा व्यू और फॉलोवर्स पा सके। पकड़े गए दोनों चीनी नागरिकों को अब आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए हरलाखी थाना को सौंपा जाएगा। 48 एसएसबी बटालियन के कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी ने कहा कि उनकी बटालियन भारत-नेपाल सीमा पर अपनी जिम्मेदारी वाले इलाकों में पूरी नजर रखे हुए है और सभी जवान सतर्क हैं। चीनी नागरिक से बातचीत और जांच के लिए विशेषज्ञों की एक टीम भी बुलाई जा रही है।

गैस सिलेंडर लीक होने से भीषण आग, कई लोग झुलसे

सीतामढ़ी (एजेंसियां)। सीतामढ़ी जिले के सुरसंड नगर पंचायत के वार्ड नंबर 13 में बुधवार की देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना घटी। खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में लीकेज के चलते घर में अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में कई लोग झुलस गए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, खाना पकाते समय सिलेंडर से गैस का रिसाव हो रहा था। इसी दौरान चूल्हे की चिंगारी से आग भड़क उठी और देखते ही देखते पूरे घर में फैल गई। आग की लपटें इतनी तेज़ थीं कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। इस घटना में स्थानीय निवासी विजय साह और विजय शाह की पत्नी बुरी तरह झुलस गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल आग बुझाने की कोशिश की और घायलों को सुरसंड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को गंभीर हालत में सीतामढ़ी सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। दमकलकर्मियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान स्थानीय लोगों ने भी सहयोग किया। हालांकि तब तक घर का एक हिस्सा पूरी तरह जल चुका था। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। प्रशासन ने सिलेंडर की जांच और घटना के कारणों की पुष्टि के लिए जांच के आदेश दिए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com